RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 71
नई दिल्ली, रविवार, 16 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कोहली ने टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी

स्पोर्ट्स-12

भाजपा की पहली सूची जारी, गोरखपुर से लड़ेंगे योगी

● भाजपा ने 107 प्रत्याशियों की घोषणा की, 20 विधायकों के टिकट काटे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ, नई दिल्ली

भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के पहले व दूसरे चरण के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ेंगे जबकि केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज की सिराथू सीट से प्रत्याशी होंगे। कैराना विधानसभा सीट से पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय हुकुम सिंह की पुत्री मृगांका सिंह भाजपा प्रत्याशी होंगी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र पंकज सिंह को फिर मौका मिला है। इस सूची में 20 विधायकों के टिकट काटे गए हैं जबकि 63 पुराने चेहरों पर भरोसा जताया है। इस सूची में कई कैबिनेट और राज्यमंत्री हैं।

पार्टी के यूपी प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने बीजेपी मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए लिस्ट जारी की है। भाजपा ने पहले चरण की 58 सीटों में से 57 उम्मीदवारों व दूसरे चरण की 55 सीटों में से 48 पर प्रत्याशियों की घोषणा की है। भाजपा ने ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को मथुरा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है। मेरठ दक्षिण से सुरेंद्र तोमर व खतौली से विक्रम सैनी को प्रत्याशी बनाया गया है। नवाबगंज से एमपी आर गंगवार, फरीदपुर से डॉ. श्याम (शेष पेज 8)

प्रचंड बहुमत से बनाएंगे सरकार: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल कर दोबारा सरकार बनाएगी। 10 मार्च को चुनाव परिणाम आने के साथ ही यह स्पष्ट भी हो जाएगा। योगी गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से शनिवार को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी संसदीय बोर्ड के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर की जनता जनार्दन, पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, वर्तमान व पूर्व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से न केवल गोरखपुर बल्कि पूरे प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत होगी। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने राष्ट्रवाद विकास व सुशासन के मुद्दे पर प्रभावी काम कर 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र को साकार किया है। 10 मार्च को चुनाव परिणाम आने के साथ ही भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बननी तय है।

बसपा के नोएडा व गाजियाबाद समेत 53 सीटों पर प्रत्याशी तय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को अपने जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 58 सीटों में से 53 पर प्रत्याशियों की घोषणा की। मायावती ने प्रेस कांफ्रेंस में आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का दावा करते हुए कहा कि चूंकि वह पार्टी का काम देख रही हैं, इसलिए चुनाव नहीं लड़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहले चरण की पांच बची हुई सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा शीघ्र कर दी जाएगी। बसपा कार्यालय द्वारा जारी पहली सूची में नोएडा से कृपाराम शर्मा, (शेष पेज 8)

भाजपा ने योगी को पहले ही उनके घर भेज दिया: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर शहरी विधानसभा क्षेत्र से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव मैदान में उतारने के भारतीय जनता पार्टी के फैसले पर कटाक्ष करते हुए शनिवार को कहा कि भाजपा उन्हें पहले ही उनके घर भेज चुकी है। भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के कुछ देर बाद सपा अध्यक्ष ने कहा कि अब वह भाजपा के किसी विधायक को अपनी पार्टी में शामिल नहीं करेंगे और वे (भाजपा) जिसके टिकट काटना चाहते हैं, काट दें। पार्टी मुख्यालय पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा, कभी कहते थे मथुरा से लड़ेंगे, कभी कहते थे अयोध्या से लड़ेंगे, तो कभी प्रयागराज से लड़ने की बात कहते थे। मुझे खुशी इस बात की है कि भाजपा ने उन्हें पहले ही उनके घर भेज दिया। हालांकि, वह (योगी आदित्यनाथ) कल से गोरखपुर में हैं, अब मुझे लगता है कि उन्हें गोरखपुर में ही रहना पड़ेगा। बाद में अखिलेश ने ट्वीट किया, कभी (शेष पेज 8)

18 साल बाद चुनाव मैदान में कोई सीएम भी

● 2002 में तत्कालीन सीएम राजनाथ सिंह हैदरगढ़ से थे प्रत्याशी

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी के चुनावी रण में इस बार 18 साल बाद कोई मुख्यमंत्री चुनाव मैदान में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बीजेपी ने गोरखपुर शहर की सीट से टिकट दिया है जबकि यहां से मौजूदा विधायक डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल का टिकट काट दिया गया है। योगी का यह पहला विधानसभा चुनाव होगा। इससे पहले उप्र में 2002 के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने हैदरगढ़ से चुनाव लड़ा था और तब से लेकर आज तक कोई बतौर सीएम यूपी में विधान सभा चुनाव का नहीं लड़ा और अब 18 साल बाद बतौर सीएम योगी चुनाव मैदान में है।

2007 के विधान सभा चुनाव में तत्कालीन सीएम मुलायम सिंह यादव ने चुनाव नहीं लड़ा था। इस चुनाव में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और फिर 2012 के विधान सभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने इस चुनाव से अपने को दूर रखा। इस चुनाव में सपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और अखिलेश यूपी के सीएम बने थे। 2017 में हुए विधान सभा चुनाव में अखिलेश ने विधान सभा का चुनाव नहीं लड़ा था और फिर यूपी में बीजेपी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ बनें और अब 2022 में विधान सभा के चुनाव में बतौर सीएम योगी गोरखपुर शहर सीट से उम्मीदवार बनाए गए हैं।

अब अगर गोरखपुर शहर सीट की बात की जाए तो योगी यहां से लगातार पांच बार सांसद रह चुके हैं। विधानसभा सीट के लिए यह उनका पहला चुनाव होगा। डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल गोरखपुर सदर सीट से चौथी बार विधायक हैं। इस सीट पर पिछले 33 (शेष पेज 8)

टिकट बटवारे में अगड़े, पिछड़े व दलितों का ध्यान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

टिकट बंटवारे में बीजेपी ने हर वर्ग को साधने की कोशिश की है। बीजेपी ने 43 फीसदी सामान्य वर्ग को टिकट दिया है। 68 फीसदी उम्मीदवारों में दलित, अनुसूचित जाति और महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है, जाति के आधार पर टिकटों की संख्या की बात करें तो 44 सीटों पर ओबीसी को टिकट दिया गया है।

19 सीटों पर अनुसूचित जाति और 10 सीटों पर महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा गया है। सामान्य वर्ग में भी बीजेपी ने 17 सीटों पर ठाकुर, 10 सीटों पर ब्राह्मण, 8 सीटों पर वैश्य, तीन पर पंजाबी, दो पर त्यागी और दो कायस्थ वर्ग के उम्मीदवारों को टिकट दिया है। 44 ओबीसी उम्मीदवारों में भी 16 जाट, 7 गुर्जर, 6 लोधी, 5 सैनी, 2 शाक्य, 1 खडागबंशी, 1 मौर्य, 1 कुर्मी, 1 कुशवाहा, 1 प्रजापति, 1 यादव और 1 निषाद वर्ग के उ मीदवार शामिल हैं। अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व की बात करें तो 13 उम्मीदवार जाटव वर्ग से हैं।

2 वाल्मीकि, 1 बंजारा, 1 धोबी, 1 पासी और एक सोनकर वर्ग से हैं। अब तक तीन ओबीसी मंत्री और एक दर्जन विधायक बीजेपी छोड़ चुके हैं। ऐसे में बीजेपी ओबीसी वर्ग में अपना जनाधार बनाए रखने के लिए सभी वर्गों को अपने सीट (शेष पेज 8)

पंजाब में कांग्रेस के 86 प्रत्याशी चमकौर साहिब से लड़ेंगे चन्नी

● पार्टी ने चार विधायकों के टिकट काटे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 86 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इसमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू, उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा और ओपी सोनी समेत कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। मुख्यमंत्री चन्नी एक बार फिर चमकौर साहिब से चुनाव लड़ेंगे। वह रूपनगर जिले की इस सीट से साल 2007 से लगातार विधायक हैं।

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सिद्धू को एक बार फिर उनके मौजूदा विधानसभा क्षेत्र अमृतसर पूर्व से उम्मीदवार बनाया गया है। वह साल 2017 में इस सीट से निर्वाचित हुए थे। साल 2012 में उनकी पत्नी नवजोत कौर ने इस सीट पर भाजपा के

उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी। चन्नी के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल दोनों उप मुख्यमंत्रियों को उनकी वर्तमान सीट से ही टिकट दिया गया है। रंधावा डेरा बाबा नानक और सोनी अमृतसर मध्य से ही चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस ने चार मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया है जिनमें बलविंदर सिंह लड्डी भी शामिल है, जो पिछले दिनों भाजपा में शामिल होने के छह दिन के भीतर ही पार्टी में वापस आ गए थे। पार्टी ने लड्डी के अलावा मोगा से विधायक हरजोत कमल सिंह, बलुआना से विधायक नाथू राम और मालौट से विधायक और विधानसभा उपाध्यक्ष अजायब सिंह भट्टी के टिकट काटे गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इन नामों को स्वीकृति प्रदान की गई।

पंजाब के लिए जारी कांग्रेस 86 उम्मीदवारों की इस सूची में नौ महिलाएं हैं। कांग्रेस ने पंजाब में टिकट वितरण में 'एक परिवार, एक टिकट' का फार्मूला अपनाया है। प्रदेश में कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के प्रमुख सुनील जाखड़ चुनाव नहीं लड़ेंगे। फाजिल्का जिले के अबोहर विधानसभा क्षेत्र से उनके भतीजे संदीप जाखड़ को टिकट दिया गया है। सुनील जाखड़ इस सीट से 2002 से 2017 तक विधायक रहे हैं। राज्य में पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा भी इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उनकी मौजूदा सीट पटियाला ग्रामीण (शेष पेज 8)

देशभर में पौने तीन लाख केस, 402 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 2,68,833 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या 3,68,50,962 हो गई है। इनमें कोरोना वायरस के स्वरूप ओमीक्रोन के 6041 मामले भी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को साझा किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। संक्रमण से 402 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 4,85,752 हो गई है। मृत्यु दर 1.32 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, अब तक वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के 6041 मामलों की पुष्टि हुई है जिसमें शुक्रवार से 5.01 प्रतिशत की वृद्धि आई है। दैनिक संक्रमण दर 16.66 प्रतिशत है जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 12.84 प्रतिशत है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 14,17,820 हो गई है जो 223 दिनों में सर्वाधिक है और कुल संक्रमितों का 3.85 प्रतिशत है। स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 94.83 प्रतिशत है। एक

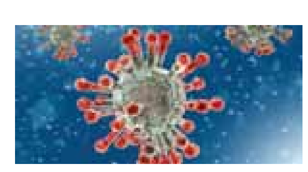

दिन में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,45,747 की वृद्धि हुई है। वहीं, अब तक 3,49,47,390 लोग ठीक हो चुके हैं। देश में अब तक टीके की 156.02 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ए मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

रैली और रोड शो पर 22 तक जारी रहेगा प्रतिबंध

● कोविड संक्रमण को देखते हुए चुनाव आयोग का फैसला, राजनीतिक दल पदयात्रा, साइकिल और बाइक रैली भी निकाल सकेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने चुनाव वाले राज्यों में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करने के बाद शनिवार को राजनीतिक दलों की शारीरिक रैलियों, रोड शो, पदयात्रा, साइकिल और बाइक रैलियों पर प्रतिबंध को एक सप्ताह और बढ़ाते हुए 22 जनवरी तक कर दिया है। हालांकि, आयोग ने राजनीतिक दलों को अधिकतम 300 व्यक्तियों या हॉल की क्षमता के 50 फीसदी के साथ इनडोर बैठकें आयोजित करने की छूट दी है।

पहले यह प्रतिबंध 15 जनवरी तक के लिए लगाया गया था। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा कि

22 जनवरी, 2022 तक किसी भी रोड शो, पदयात्रा, साइकिल/बाइक/वाहन रैली और जुलूस की अनुमति नहीं दी जाएगी। आयोग स्थिति की समीक्षा करने के बाद आगे के लिए निर्देश जारी करेगा। 22 जनवरी, 2022 तक राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों (संभावितों सहित) या चुनाव से संबंधित किसी अन्य समूह की किसी भी शारीरिक रैली की अनुमति नहीं दी जाएगी।

चुनाव आयोग का यह निर्णय चुनाव वाले पांच राज्यों के केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य सचिवों और मुख्य सचिवों के साथ विचार-विमर्श के बाद आया है। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि आयोग ने राजनीतिक दलों को इनडोर बैठकों को अधिकतम 300 व्यक्तियों या हॉल की क्षमता का 50 फीसदी या एसडीएमए (राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) द्वारा निर्धारित सीमा तक बढ़ाने के लिए छूट दी है।

चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) के प्रावधानों और कोविड के व्यापक दिशानिर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने राज्य और जिला प्रशासन को चुनाव आचार संहिता और महामारी नियंत्रण उपायों से संबंधित सभी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय और गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों के साथ इन पांच चुनावी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठकें कीं। आयोग ने एसडीएमए के प्रतिबंधों और महामारी की अवधि के दौरान व्यक्तियों के एकत्र होने के मानदंडों को लागू करने लागू करने वाले राज्य विशिष्ट मौजूदा दिशानिर्देशों पर भी चर्चा की।

बाजार

सेंसेक्स	61,223	
निफ्टी	18,255	
सोना	47,005	/10g
चांदी	61,005	/kg

क्विक न्यूज

पुलिस ने यति नरसिंहानंद को हरिद्वार में धरना स्थल से उठाया

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस ने शनिवार को यति नरसिंहानंद को हरिद्वार स्थित उनके धरना स्थल से धर्म संसद के मामले में उठा लिया, जहां मुसलमानों के खिलाफ कथित रूप से नफरत भरे भाषण दिए गए थे। हरिद्वार के पुलिस अधीक्षक (नगर) स्वतंत्र कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यति नरसिंहानंद को पुलिस थाने लाया गया है। हालांकि, अधिकारी ने कहा, यह तकनीकी रूप से गिरफ्तारी नही है। गाजियाबाद के डासना मंदिर के विवादास्पद महंत नरसिंहानंद ने 17-19 दिसंबर तक हरिद्वार में कार्यक्रम का आयोजन किया था। उन्हे वहीं से उठाया गया, जहां वे मामले के एक अन्य आरोपी जितेंद्र नारायण त्यागी की हाल ही में गिरफ्तारी के विरोध में धरने पर बैठे थे। त्यागी को पहले वसीम रिज़वी के नाम से जाना जाता था और उन्होंने हिंदू धर्म अपनाने के बाद अपना नाम बदल लिया था।

रिश्वत मामले में गेल के निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज, पांच गिरफ्तार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 50 लाख रुपए से अधिक के कथित रिश्वत मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम गेल के निदेशक (विपणन) ई एस रंगनाथन के खिलाफ मामला दर्ज किया है और कथित बिचौलिए तथा कारोबारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कथित रिश्वत का मामला महारत्न कंपनी द्वारा विपणन किए जाने वाले पेट्रो केमिकल उत्पादों को खरीदने वाली निजी कंपनियों को छूट देने से संबंधित है।

सीबीआई ने शुक्रवार को मामला दर्ज होने के बाद दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली के भीकाजी कामा प्लेस स्थित रंगनाथन के कार्यालय और नोएडा के सेक्टर 62 स्थित उनके आवास सहित करीब आठ स्थानों पर छापे मारे। सीबीआई का दावा है कि वह अब तक रंगनाथन के परिसर से 1.3 करोड़ रुपए नकद बरामद कर चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि रंगनाथन के अलावा एजेंसी ने बिचौलिए पवन गौर और राजेश कुमार, कथित रूप से रिश्वत लेने वाले एन रामकृष्णन नायर के साथ ही व्यवसाई सौरभ गुप्ता और उनकी पंचकुला स्थित कंपनी यूनाइटेड पॉलिमर इंडस्ट्रीज तथा आदित्य बंसल और उनकी करनाल स्थित कंपनी बंसल एजेंसी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

सीबीआई प्रवक्ता आरसी जोशी ने कहा, सीबीआई ने जाल बिछाया और दिल्ली स्थित एक निजी व्यक्ति (गौर) और एक निजी कंपनी के निदेशक (कुमार) को गिरफ्तार किया, जब उक्त निजी व्यक्ति कथित रूप से गेल के निदेशक (विपणन) की तरफ से 10 लाख रुपए की कथित रिश्वत ले रहा था।

मोदी 18 को वाराणसी से भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। पार्टी ने शनिवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मोदी का यह पहला राजनीतिक कार्यक्रम होगा। सूत्रों ने बताया कि मोदी इस दौरान संभवत: डिजिटल संवाद करेंगे। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई ने कार्यक्रम की जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर दी और लोगों से नमो ऐप के जरिए अपने विचार एवं सुझाव साझा करने को कहा। निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 15 जनवरी तक जनसभाओं और रोड शो पर प्रतिबंध लगा दिए हैं और वह शनिवार को बाद में अपने भावी दिशा-निर्देशों की जानकारी देगा।

सेना के जवानों को मिली नई युद्धक वर्दी

● थल सेना दिवस पर परेड में पैराशूट रेजिमेंट के कमांडो ने किया प्रदर्शन

● सभी मौसमों और क्षेत्रों में युद्ध के अनुकूल है ये यूनिफॉर्म

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय सेना ने शनिवार को आधुनिक युद्ध प्रणाली में तेजी से बदलाव के साथ तालमेल बिठाते हुए सैनिकों के लिए नई लड़ाकू वर्दी के विकल्प को पहली बार पेश किया है। नई वर्दी सभी मौसम के अनुकूल होने के साथ सभी इलाकों और युद्ध के मैदान में सैनिकों को छलावरण प्रदान करता है। थल सेना दिवस के अवसर

पर आयोजित परेड में शनिवार को पैराशूट रेजिमेंट के कमांडो द्वारा नई वर्दी का प्रदर्शन किया गया। जिसके साक्षी थल सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे बने। इससे पहले पायनियर ने पिछले साल 3 दिसंबर को नई वर्दी के बारे में खबर दी थी। समाचार पत्र ने यह भी जानकारी दी थी कि इस गणतंत्र दिवस परेड में मार्चिंग दल 100 साल पहले शुरू सेना के जवान नई वर्दी पहनेंगे। पिछले वर्षों के विपरीत जब टुकड़ियों ने अपनी रेजिमेंट की पोशाक पहनी थी, इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर सैनिकों को प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य अभियानों के दौरान पहने जाने वाले वर्दी में सलामी मंच से आगे बढ़ते हुए देखा जाएगा। जैतून और मिट्टी सहित रंगों के मिश्रण वाली नई लड़ाकू वर्दी को सैनिकों की तैनाती के क्षेत्रों और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। नई वर्दी को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के सहयोग से विभिन्न अन्य देशों की सेनाओं की लड़ाकू वर्दी का विश्लेषण करने के बाद डिजाइन (शेष पेज 8)

उ.प्र. विधानसभा चुनाव

भाजपा ने पुराने चेहरों पर खेला दांव, गौतमबुद्धनगर के सभी विधायकों को टिकट

नोएडा से पंकज सिंह, दादरी से तेजपाल नागर और जेवर से ठाकुर धीरेंद्र सिंह को बनाया प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

भाजपा ने गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों पर मौजूदा विधायकों को ही फिर से मैदान में उतारा है। नोएडा से पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह को टिकट दिया है। पंकज सिंह 2017 में पहली बार नोएडा से विधायक चुने गए थे। इस समय पंकज सिंह पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष की भी जिम्मेदारी है। वहीं, दादरी से मास्टर तेजपाल नागर को फिर से टिकट दिया गया है।

तेजपाल नागर 2017 में बसपा से भाजपा में आए थे और पहली बार में ही विजयी हुए थे। पार्टी ने उन पर पुन: विश्वास जताया है। जेवर विधानसभा सीट से भी मौजूदा विधायक धीरेंद्र सिंह को ही फिर से मैदान में उतारा गया है। वह 2017 में कांग्रेस से भाजपा में आए थे। कांग्रेस के टिकट पर भी उन्होंने 2012 में जेवर से चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। दूसरी बार में भाजपा के टिकट पर वह विधायक चुने गए।

नोएडा विधानसभा सीट को 3 विधानसभा सीटों में इसका विधानसभा क्रमांक 61 है। पिछले विधानसभा चुनाव 2017 में यहां पहले चरण में मतदान हुआ था, जिसमें 48.02 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव में भाजपा के पंकज सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के सुनील चौधरी को 1,04016 मतों से हराया था। विजयी उम्मीदवार को 162417 व निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 58401 मत प्राप्त हुए थे।

वहीं, जेवर विधानसभा का विधानसभा क्रमांक 63 है। पिछले विस चुनाव 2017 में यहां पहले चरण में मतदान हुआ था, जिसमें 65.01 फीसद मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। चुनाव में भाजपा के धीरेंद्र सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बसपा के वेदराम भाटी 22169 मतों से हराया। विजयी उम्मीदवार को 102931 व निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 80762 मत प्राप्त हुए थे। इस बार जेवर सीट पर रालोद-सपा से गठबंधन उम्मीदवार अवतार सिंह भड़ाना से ठाकुर धीरेंद्र सिंह को चुनौती मिलेगी।

वहीं, दादरी सीट से तेजपाल नागर को टिकट दिया गया है, जिनका मुकाबला सपा प्रत्याशी राजकुमार भाटी और बसपा प्रत्याशी मनवीर भाटी से है। दादरी विधानसभा जिले की 3 विधानसभा सीटों में इसका विधानसभा क्रमांक 62 है। पिछले विधानसभा चुनाव 2017 में यहां पहले चरण में मतदान हुआ था, जिसमें 59.08: मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था। चुनाव में भाजपा के तेजपाल नागर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बसपा के सतवीर गुर्जर को 80140 मतों से हराया था।

गाजियाबाद की पांचों विस सीटों पर दोहराए प्रत्याशी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा अधिकृत सूची जारी होने के बाद समर्थकों में खुशी की लहर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली से सटे गाजियाबाद के विधानसभा सीट पर अपने पुराने महारथियों को ही मैदान में उतार दिया है। ये सभी निवर्तमान विधायक हैं। भाजपा की अधिकृत सूची जारी होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

दरअसल गाजियाबाद में पांचों विधानसभाओं में बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही थी कि वर्तमान विधायकों के टिकट बदले जा सकते हैं। जिसके चलते भारतीय जनता पार्टी के कई युवा चेहरे भी टिकट लाइन में लगे थे। जो लोग टिकट मांग रहे थे उनमें राज्य मंत्री अतुल गर्ग के सामने भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मयंक गोयल, युवा उद्यमी एवं समाजसेवी भाजपा के महानगर कोषाध्यक्ष संजीव गुप्ता, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सदस्य पवन गोयल प्रमुख थे।

इसी प्रकार साहिबाबाद के विधायक सुनील शर्मा के सामने अजय शर्मा, सच्चिदानंद राय, नंद किशोर गुर्जर के टिकट के सामने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी मावी, भाजपा नेता अनिल कसाना, नगर पालिका परिषद चैयरमैन रंजीता धामा, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के सामने बृजपाल त्यागी, रूद्रप्रताप त्यागी व अम्बरीश त्यागी, मोदीनगर की विधायक मंजू शिवाच, पुष्पेंद्र रावत टिकट मांग रहे थे। लेकिन भाजपा ने निवर्तमान विधायकों पर ही दाव खेला। भाजपा के अधिकृत सूची जारी होते ही वर्तमान विधायकों के समर्थकों के चेहरे खिल उठे।

हापुड़ से विजयपाल आढ़ती दोबारा उम्मीदवार

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी ने हापुड़ विधानसभा सीट से विजयपाल आढ़ती को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रथम और द्वितीय चरण के मतदान से पहले शनिवार को भाजपा ने 107 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। जिसमें हापुड़ सीट पर विधायक विजयपाल आढ़ती को दोबारा पार्टी ने मैदान में उतारा है। वहीं गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने वर्तमान विधायक का टिकट काटकर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते को प्रत्याशी बनाया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जन्मस्थली गांव नूरपुर निवासी हरेंद्र सिंह तेवतिया (प्रमुख) को पार्टी ने गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। किसान आंदोलन के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाटों को लुभाने के लिए भाजपा ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दूसरी ओर धौलाना से भाजपा ने पूर्व विधायक धर्मेश तोमर को टिकट देकर रणक्षेत्र में उतारा है।

सपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी अमरपाल शर्मा ने भरा नामांकन

गाजियाबाद। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर सरगर्मियां तेज है। लगभग सभी पार्टियों ने अपने-अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। शनिवार को राज्य की सबसे बड़ी साहिबाबाद विधानसभा सीट पर सपा प्रत्याशी अमरपाल शर्मा ने जिला मुख्यालय के नामांकन कक्ष में जाकर अपना आवेदन जमा किया।

मिली जानकारी के मुताबिक दोपहर तीन बजे तक लोनी विधानसभा क्षेत्र में पांच प्रत्याशियों ने सात प्रपत्र खरीदे हैं जबकि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र से नौ प्रत्याशियों ने पर्चे खरीदे हैं, लेकिन अभी तक किसी भी प्रत्याशी ने अपना आवेदन जमा नहीं किया है। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र से छह प्रत्याशियों ने प्रपत्र खरीदे हैं।

केवाईसी का झांसा देकर ठग ने खाते से उड़ाए रुपए

पीड़ित की शिकायत के बाद केस दर्जकर पुलिस ने शुरू की जांच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

साइबर ठग ने नेशनल फर्टिलाइजर से सेवानिवृत्त चीफ जनरल मैनेजर के बैंक खाते की केवाईसी करने के नाम पर उनके खाते से 61,047 रुपये निकाल लिये।

इस संबंध में पीड़ित ने सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-74 स्थित अजनारा ग्रैंड सोसाइटी में रहने वाले सुभाष चंद्र उपाध्याय ने पुलिस को शिकायत दी है। उनका आरोप है कि साइबर ठग ने उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते के केवाईसी अपडेट करने के नाम पर उनसे संपर्क किया। ठग ने उनसे 10 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करने के लिए कहा। जैसे ही पीड़ित ने रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए तो उनके खाते से ठग ने तीन बार में 61047 रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद उन्हें ठगी का पता चला। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने पेश किया दो साल का लेखाजोखा

कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद अपराधों में आई कमी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद शुक्रवार को नोएडा पुलिस ने पिछले दो वर्षों का लेखा-जोखा पेश किया। जिसमें पिछले दो वर्षों में कानून व्यवस्था में सुधार का दावा किया गया। पुलिस का दावा है कि बीते एक वर्ष में जिले के आपराधिक घटनाओं में भारी कमी देखने को मिली है।

डकैती, लूट, हत्या, बलवा, घर में चोरी, अपहरण, दुष्कर्म के साथ अन्य अपराधों में कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2021 में विभिन्न तरह के गंभीर अपराध की कुल 12,609 मामले सामने आए हैं।

वहीं वर्ष 2020 में 9,130 मामले सामने आए, जबकि वर्ष 2019 में 12,610 केस दर्ज किए गए थे। वहीं गैंगस्टर के तहत 47 मुकदमों में 194 आरोपितों के खिलाफ वर्ष 2020 में कार्रवाई की गई है। जबकि वर्ष 2021 में 31 मुकदमों में 149 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। जिसमें एक अरब से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। वहीं वर्ष 2020 में 23 मामलों में 48 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की गई है। डायल 112 के रिस्पांस टाइम में गौतमबुद्धनगर जिला प्रदेश में छठी बार सबसे बेहतर रहा है।

महिला सुरक्षा के मामले में बीते दो वर्ष के दौरान न्यायालय ने 75 आरोपियों को सजा सुनाई है। पुलिस द्वारा महिला बीट पुलिसिंग के साथ बीते एक वर्ष में 1,636 मामलों में महिलाओं की तरफ से आई शिकायत में पुलिस द्वारा 1,328 में समझौता कराया गया है। साइबर ठगी का शिकार लोगों को पुलिस द्वारा 1.70 करोड़ रुपये वापस दिलाए गए।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान पुलिस के मानवीय और मददगार चेहरे पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। इसमें किसान आंदोलन के चलते पड़ने वाले विभिन्न व्यवधानों का सफलता पूर्वक समाधान निकालने में प्रभावी कार्रवाई की गई।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल बदमाश।

लूटपाट करने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

नोएडा। सेक्टर-24 पुलिस ने सुबह की सैर के दौरान लोगों से मोबाइल और चेन झपटमारी करने वाले बदमाश को शनिवार सुबह मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया था। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि सेक्टर-24 थाना पुलिस शनिवार सुबह वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की बदमाश पिंटू उर्फ नेवला के साथ मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने बदमाश नेवला से एक तमंचा, दो मोबाइल और एक चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस ने घायल बदमाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। आरोपी पिछले काफी समय से वारदात कर रहा था। वह अधिकतर पार्क के पास सुबह की सैर करने वाले लोगों को अपना शिकार बनाता था।

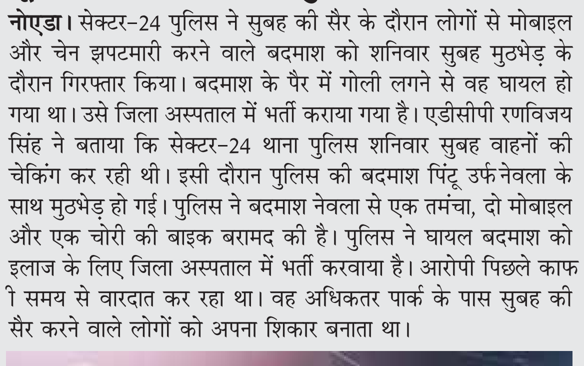
वाहन से बरामद अवैध शराब के साथ मौजूद आबकारी विभाग की टीम।

55 पेटी अवैध शराब बरामद

नोएडा। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में, विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को दृष्टिगत रखते हुये अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी द्वारा गठित टीम के सदस्यों ने लुहारली कोट पुल के पास नगला नैनसुख कट के पास से एक एक्सयूवी गाड़ी से चेकिंग के दौरान 55 प्रत्येक पेटी अवैध शराब बरामद की है। सभी शराब चंडीगढ़ में बिक्री के लिए अनुमन्य है। मौके से राकेश पुत्र रमेश निवासी ग्राम अटेल थाना गन्नौर जनपद सोनीपत और अमित पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम बजाना कला थाना गन्नौर जनपद सोनीपत हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि यह शराब संदीप ने चंडीगढ़ में दी है और इसे कानपुर तक पहुंचाना है। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420,482 व आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा जेल भेजा दिया गया।

मायावती का जन्मदिवस मनाया

गाजियाबाद। दौलतपुरा क्षेत्र वासियों ने पूर्व मुख्यमंत्री कुमारी मायावती का 66 वे जन्मदिन पर केक काटकर व बच्चों पुरुषों व महिलाओं ने लड्डू व मिठाई आदि बांटकर मनाया। इस अवसर पर ललित प्रधान विपिन कुमार जितेंद्र कुमार विनोद कुमार जयप्रकाश जेपी, विनोद हर्ष भाटिया गौरव बौद्ध हरवीर सिंह,महासचिव वीरेंद्र कुमार , रजनीश जाटव, चतरे भैया, ललित प्रधान, हेमंत कुमार, चतर सिंह, करन जाटव, हरवीर सिंह, जितेंद्र सिद्धार्थ, भानू जाटव, मोहित देव मौजूद रहे ।

भाजपा में घोषणा के बाद कई दावेदारों के चेहरे उतरे

लंबे समय से टिकट के लिए संघर्ष कर रहे नेताओं से अब भीतरघात की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी ने जिले की सभी पांचों विधानसभाओं पर अपने निवर्तमान विधायक पर दांव खेला है। भाजपा के इस निर्णय के बाद करीब एक दर्जन दावेदारों के अरमानों पर पानी फिर गया है। जो विधायक बनना चाहते थे। इनमें कई का तो कद काफी बड़ा है और लंबे समय से वह टिकट के लिए संघर्ष करते रहे हैं। लेकिन आज उन्हें एक बार मायूसी मिली। साथ ही उनके समर्थकों में भी मायूसी है। इसके बाद भितरघात की संभावना भी बढ़ गई है।

दरअसल गाजियाबाद की पांचों विधानसभाओं पर निवर्तमान विधायकों के अलावा पार्टी के अन्य मजबूत कार्यकर्ता भी टिकट की लाइन में थे। उन्हें उम्मीद थी कि इस बार टिकट अवश्य मिलेगा क्योंकि कई विधायकों की परफॉर्मेंस पर लगातार सवाल उठ रहे थे। चाहे उसमें प्रदेश के राज्य मंत्री अतुल गर्ग हो, मुरादनगर के विधायक अजीत पाल हो या लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर हो या साहिबाबाद के विधायक सुनील शर्मा या फिर मोदीनगर की मंजू शिवाच हो। मंत्री अतुल गर्ग के खिलाफ तो भाजपा का ही एक धड़ा बकायदे मुहिम चलाकर उनके टिकट कटवाने की कवायद में जुटा था।

लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर की भी लगभग यही स्थिति थी और पालिका चेयरमैन रंजीता धामा तो खुलेआम बगावत कर रही थी। मुरादनगर के विधायक अजीत पाल की राह में भी कम रोड़े नहीं थे। हाल ही में जनता दल यू के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी के सुपुत्र अंबरीश त्यागी ने भाजपा में शामिल होकर टिकट की दावेदारी ठोक दी थी लेकिन ऐन वक्त पर भाजपा ने अपने पुराने अजीत पाल त्यागी पर ही भरोसा जताया है।

वहीं सुनील शर्मा के खिलाफ विरोध थोड़ा कम था लेकिन ऐन वक्त पर प्रवर्तन निदेशालय के संयुक्त आयुक्त द्वारा वीआरएस लेकर भाजपा में शामिल होने के बाद लगने लगा था कि वही सुनील शर्मा का टिकट काट सकते हैं। मंजू के सामने भी बृजपाल तेवतिया और पुष्पेंद्र रावत बड़ी मजबूती के साथ टिकट मांग रहे थे लेकिन उन्हें भी सफलता हाथ नही लगी और आज भाजपा की सूची में वही पुराने पांचों विधायकों के नाम रिपीट किए गए। जिसके बाद इन सभी लोगों के चेहरे लटक गए

पांच दिन से लापता नाबालिग लड़की का नहीं लगा सुराग

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव सिमरौली निवासी सुरेश ने बताया कि बीती 10 जनवरी को दोपहर करीब 3 बजे उनकी नाबालिग पुत्री निकिता को एक पड़ोसी युवक की मदद से बुलन्दशहर निवासी दो युवक बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गए।

पीड़ित पिता सुरेश ने बताया कि जनपद बुलन्दशहर के थाना सलेमपुर क्षेत्र के एक गांव के प्रधान व उनके पड़ोसी और कुछ अज्ञात लोगों का फोन उनके पास आता है और उनकी नाबालिग पुत्री निकिता की जबरन शादी करने के उन पर दबाव बनाया जा रहा है।

सुरेश ने बताया कि पुत्री के बंधक बनाए रखने की पुलिस को बार-बार सूचना देने पर भी कोई कार्यवाही नहीं कि जा रही है। परिजनों ने आशंका जताते हुए बताया कि उन्हें शक है कि आरोपियों ने उनकी बेटी की हत्या कर दी है।

हेड कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में तैनात एक हैंड कांस्टेबल की शनिवार सुबह मौत हो गई। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने हैड कांस्टेबल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में बताया जा रहा है कि हेडकांस्टेबल की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है।

पुलिस ने बताया कि सूरजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस कमिश्नरेट लाइन में शनिवार की सुबह नरेंद्र की मौत हो गई। रात को 42 वर्षीय नरेंद्र खाना खाकर सोए थे और सुबह मृत अवस्था में पाए गए।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

एनसीआर में 500 से अधिक वारदात को दिया अंजाम, दो गिरफ्तार

आरोपियों से पुलिस ने 20 वाहन किए बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-24 पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने बीते 10 साल में दिल्ली-एनसीआर से 500 से अधिक दोपहिया वाहन चोरी किए हैं। आरोपी चोरी किए वाहनों को हरियाणा के हिसार में बेचते थे।

एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-24 पुलिस ने शुक्रवार को सेक्टर.12,22 चौराहे पर चेकिंग के दौरान अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान सलमान निवासी ग्राम बैसारे थाना राया जनपद मथुरा वर्तमान और सुमित निवासी ग्राम घड़ौली थाना गाजीपुर दिल्ली के रूप में हुई है।

आरोपी सलमान वर्तमान में पलवल हरियाणा में रहता है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी की 20 बाइक स्कूटी दो फर्जी नंबर प्लेट और लॉक तोड़ने वाले तीन हुक बरामद किए हैं।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह 2012 से दिल्ली गाजियाबाद नोएडा और हरियाणा के अलग-अलग जिलों से दोपहिया वाहन चोरी कर रहे हैं। पिछले करीब 10 सालों में 500 से अधिक दोपहिया वाहन चोरी कर चुके हैं। पुलिस गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। कई आरोपियों के ठिकानों का पता चला है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के बारे में जानकारी देते एडीसीपी रणविजय सिंह।

कोविड से सतर्कता और टीका ही करेगा बचाव : डॉ. केपी सिंह

सलाह : गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज बरतें अतिरिक्त सावधानी, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

जनपद में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, बस सतर्कता जरूरी है। अब तक सामने आए अधिकतर मामले सामान्य श्रेणी के ही हैं और मरीज होम आइसोलेशन में रहकर ही ठीक हो रहे हैं। अस्पताल जाने की जरूरत केवल उन्हीं लोगों को पड़ रही है जो पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित यानि कोमोर्बिड हैं। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. केपी सिंह ने कहा सतर्कता और कोविडरोधी टीका ही संक्रमण से बचाव करेगा। इसलिए यदि किसी ने टीकाकरण नहीं कराया है तो अपने नजदीकी टीकाकरण केंद्र पर जाकर टीका अवश्य लगवा लें। वरिष्ठ नागरिकों को तीसरी एहतियाती टीका भी दिया जा रहा है, अपने चिकित्सक से सलाह करने के बाद एहतियाती टीका भी ले लें।

डा. केपी सिंह ने कहा मधुमेह, टीबी और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित कोविड से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। दरअसल, मधुमेह और टीबी जैसी बीमारियां होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और ऐसे लोगों को कोई भी संक्रमण आसानी से अपनी गिरफ्त में ले लेता है। बेहतर प्रतिरोधक क्षमता के लिए अच्छी खुराक लें। घर में बना खाना ही खाएं। हरी सब्जियां, सलाद और दालों को अपने खानपान में नियमित रूप से शामिल करें और बाहर निकलने से बचें। बहुत जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें।

बाहर जाने पर अच्छी तरह से मॉस्क पहनें और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर तो कतई न जाएं। सेनेटाइजर अपने साथ रखें और घर में साबुन-पानी से अपने हाथों को 40 सेकंड तक अच्छी तरह से धोएं।

होम आइसोलेशन में वितरित की जा रहीं मेडिसिन किट

प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. केपी सिंह ने बताया होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड पॉजिटिव और उनके परिवारों के लिए मेडिसिन किट वितरित की जा रही हैं। इसके लिए निगरानी समितियों को किट उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया शहरी क्षेत्र में निगरानी समितियों को 5100, हापुड़ ब्लॉक में 4650, सिंभावली ब्लॉक में 3250, गढ़ ब्लॉक में 3000 और धौलाना ब्लॉक में 2750 मेडिसिन किट उपलब्ध कराई गई हैं। शासन के निर्देश पर तैयार कराई गई मेडिसिन किट में एक पर्चा भी रखा गया है। पर्चे पर दवा खाने की विधि बताई गई है। यह दवा पॉजिटिव और उसके संपर्क में आने वालों के लिए है। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीज कोई समस्या होने पर 0122-2981555, 2304838, 2980035 और 2980036 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा कोविड से संबंधित किसी भी समस्या के लिए कोविड कमांड कंट्रोल रूम में 0122-2304834, 2304835 और 2300058 पर संपर्क किया जा सकता है।

नोएडा में संक्रमण के 1817 नए केस मिले

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में शुक्रवार को कोरोना के 1,817 नए मामले दर्ज किए गए हैं। आज जनपद में एक व्यक्ति की मौत कोरोना संक्रमण से हुई है। साल 2022 में पहली बार किसी व्यक्ति की मौत जनपद में कोरोना संक्रमण के कारण हुई है। अब तक जिले में 469 लोगों की मौत इस संक्रमण के कारण हो चुकी है।

जिला निगरानी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार दोहरे ने बताया कि जिले में शुक्रवार को कोविड-19 के 1817 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसी के साथ अब जनपद में कुल कोरोना संक्रमित एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 11,941 तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान जिले से 624 मरीज ठीक होकर वापस अपने घर लौटे हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पंद्रह हजार तक केस घटे तो पाबंदियों में ढील

लगातार कम आ रहे कोरोना मामले, संभवतः महामारी का चरम बीत गया : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में थोड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दो दिन से कोरोना के मामलों में कमी देखी जा रही है।

इस वजह से शनिवार को कोरोना के करीब 20 हजार नए मामले आए, जो पिछले दिन के मुकाबले चार हजार कम हैं। वहीं दो दिनों में करीब आठ हजार मामले कम हो चुके हैं। यह कोरोना के मामले कम होने के संकेत हो सकते हैं। अगले कुछ दिनों में स्थिति और स्पष्ट होगी। अगले कुछ दिनों तक कोविड-19 के नए मामलों में यदि गिरावट का सिलसिला जारी रहा और नए केस 15 हजार से कम हुए तो संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लगे प्रतिबंधों में कुछ राहत देने पर विचार किया जा सकता है। पहले के मुकाबले जांच कम होने के सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि पहले कोरोना मरीजों के संपर्क में आए बगैर लक्षण वाले सभी लोगों की जांच का प्रविधान था। इस वजह से अधिक लोग जांच करा रहे थे।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले चौबीस घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 20,178 मामले सामने आए। इस दौरान 30 मरीजों की मौत हो गई जबकि संक्रमण दर 30.64 प्रतिशत रही। संक्रमण के रोजाना आने वाले मामलों में कमी की वजह पिछले दिन कम जांच किए जाने को माना जा रहा है। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को संक्रमण के 24,383 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 30.64 प्रतिशत रही थी जबकि 34 रोगियों की मौत हुई थी।

कोविड-19 महामारी फैलने के बाद से एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक मामले गत बृहस्पतिवार को सामने आए थे। उस दिन 28,867 लोग ओमीक्रोन की चपेट में आए थे। इसके अलावा 31 रोगियों की मौत हुई थी जबकि संक्रमण दर 29.21 प्रतिशत थी। बृहस्पतिवार से पहले एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक मामले पिछले साल 20 अप्रैल को सामने आए थे जब 28,395 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

मरीजों की दर बढ़ने की स्थिर

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 महामारी अपने चरम पर पहुंच चुकी है और जब संक्रमण के मामले घटकर 15 हजार तक आ जाएंगे तो सरकार पाबंदियों में ढील देने पर विचार करेगी। संक्रमण की गति धीमी होनी शुरू हो गई है। देखते हैं कब कमी आएगी। उन्होंने दोहराया कि अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों की भर्ती होने की दर स्थिर है। यह पूछे जाने पर कि मामलों में कमी आने के साथ क्या दिल्ली में लागू पाबंदियों में ढील दी जाएगी। इसके जवाब में मंत्री कहा मामलों में कमी आनी शुरू हो गई है। नए मामलों की संख्या कम होकर 24 हजार पर आ गई और आज यह 20 हजार के करीब हो जाएगी। इन्हें 15 हजार या इससे कम होने दीजिए तब हम देखेंगे।

वेंटीलेटर वाले मरीजों की संख्या 14 दिनों में दोगुनी

- एक से 14 जनवरी के बीच कोविड-19 केसों की संख्या नौ गुना बढ़ी

एक से 14 जनवरी के बीच कोविड-19 के मामलों की संख्या लगभग नौ गुना बढ़ी है, लेकिन इसी अवधि के दौरान शहर के अस्पतालों में वेंटिलेटर की आवश्यकता वाले मरीजों की संख्या में केवल दोगुना वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान जब मामलों की संख्या समान थी, उस दौरान लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की दर और वेंटिलेटर की आवश्यकता संबंधी दर अधिक थी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि हालांकि मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने की दर स्थिर हो गई है जो दर्शाती है कि लहर थम गई है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में एक जनवरी को कोविड-19 के 2,716 मामले थे, जबकि 14 जनवरी को मामलों की संख्या 24,383 थी।

संक्रमण गंभीर नहीं पर बरतें सावधानी

एक जनवरी को अस्पताल में 247 मरीज थे, जिनमें से पांच मरीज वेंटिलेटर (2.02 फीसदी) पर थे, जबकि 14 जनवरी को अस्पताल में 2,529 मरीज थे, जिनमें से 99 मरीज (3.91 फीसदी) वेंटिलेटर पर थे।

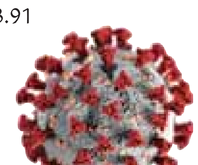

आंकड़े दर्शाते हैं कि एक जनवरी से 14 जनवरी के बीच संक्रमण के मामलों की संख्या में 8.9 गुना वृद्धि हुई, लेकिन कोविड मरीजों के वेंटिलेटर पर जाने की दर में केवल दोगुना वृद्धि हुई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि अस्पताल में भर्ती होने की अपेक्षा वेंटिलेटर मरीजों की प्रतिशत वृद्धि दर बहुत कम है। अधिकारी ने कहा कि केवल अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित कोविड मरीजों को वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है, लेकिन अब भी सावधानी बरतनी होगी।

राजधानी में छाया कोहरा, कपकपी बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के कई हिस्सों में शनिवार सुबह मध्यम से हल्का कोहरा छाने से दृश्यता कम रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। शनिवार को अधिकतम तापमान 14 डिग्री और न्यूनयतम 7 डिग्री तापमान रहा। वहीं एक दिन पहले शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम यानी 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार सुबह नौ बजे 286 रहा। शहर में सापेक्ष आर्द्रता सुबह साढ़े आठ बजे 95 फीसदी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को पूरे दिन हल्के बादल छाने के साथ राष्ट्रीय राजधानी में कोहरा व धुंध छाने से दृश्यता सामान्य से कम रही। मौसम विभाग के अनुसार रविवार के तापमान में शनिवार की तुलना में दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है।

संपत्ति-कर भुगतान के आम माफी योजना 31 तक बढ़ी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति-कर जमा कराने के लिए आम माफी योजना की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 31 जनवरी 2022 तक के लिए बढ़ा दिया है। इससे पहले इस योजना की अंतिम तिथि 15 जनवरी थी।

इस योजना के अंतर्गत बकाया संपत्ति-कर जमा कराने पर ब्याज और जुर्माने पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया कि वीकेंड लॉकडाउन के चलते बहुत से लोग निगम द्वारा प्रदम इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पा रहे थे।

कंपोस्ट प्लांट से बना 135 किलो खाद लोगों को दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने वसंत कुंज में स्थित संतुष्टि अपार्टमेंट ने सोसायटी में आईजीएसएसएस के साथ मिलकर कम्पोस्ट प्लांट स्थापित करके प्रतिदिन लगभग 400 किलोग्राम गीला कूड़ा लैंडफिल साइट पर जाने से रोका गया है।

13 अक्टूबर 2021 से लेकर अब तक लगभग 40 टन गीले कूड़े का निस्तारण सोसायटी परिसर में लगे कंपोस्ट प्लांट की सहायता से किया गया है। सोसायटी में स्थापित किए गए कंपोस्ट प्लांट में तैयार किया गया 135 किलो कंपोस्ट खाद नागरिकों में वितरित किया गया है। नगर निगम का उद्देश्य स्त्रोत पर ही कूड़े के 100 प्रतिशत निस्तारण का लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल करना है। इसके चलते ही संतुष्टि अपार्टमेंट सोसायटी में विकल्प अभियान के अंतर्गत कपड़े के थैले बनाने का सिलाई केंद्र, घरेलू कूड़े को अलग-अलग जाम करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट केंद्र, प्लास्टिक कलेक्शन बॉक्स, ई-वेस्ट संग्रहण केन्द्र एवं नेकी की दीवार भी स्थापित की गई है।

गाजीपुर फूल मंडी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

- फूल खरीदने आए व्यक्ति ने संदिग्ध लावारिस बैग की दी थी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की गाजीपुर फूल मंडी में एक लावारिस बैग में आरडीएक्स और अमोनियम नाइट्रेट से भरा आईईडी मिलने के एक दिन बाद वहां सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को शुक्रवार को अपराह्न करीब डेढ़ बजे निष्क्रिय कर दिया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड प्रतिबंधों से फूल मंडी को छूट नहीं दी गई है, लेकिन फल एवं सब्जी मंडी को छूट दी गई है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पूर्व) विनीत कुमार ने कहा कि बाजार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

फल एवं सब्जी बाजार खुला है क्योंकि यह छूट प्राप्त श्रेणी में आता है। लोगों से कोविड-19 के अनुरूप व्यवहार करने का अनुरोध किया गया है। पुलिस ने बताया कि फूल खरीदने आए एक व्यक्ति ने अपनी स्कूटी के पास एक सुनसान जगह पर एक संदिग्ध लावारिस बैग देखा।

इसके बाद उसने आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी और वहां तैनात दिल्ली होमगार्ड को भी सूचना दी गई। इसके बाद उस व्यक्ति ने पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे के आसपास एक पीसीआर कॉल की। ज्ञात हो कि गणतंत्र दिवस पास में है दिल्ली पुलिस सुरक्षा को लेकर कोई कोताही नहीं बरतनी चाहती।

दिल्ली सरकार का निर्देश

कैब व फूड डिलिवरी करने वाली कंपनियां बेड़े में शामिल करें ईवी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने ई-कामर्स सेवा, खाद्य पदार्थो की आपूर्ति और कैब सुविधा देने वाली कंपनियों को अपने बेड़े में इलेक्टिक वाहनों को शामिल करने का निर्देश दिया है।

केजरीवाल सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक और बड़ी पहल की है। अब राइड एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को अपने वाहनों के नए बेड़े में अनिवार्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल होगा।

आप सरकार बेडे में ईवी को अनिवार्य करने के लिए एग्रीगेटर पॉलिसी को अधिसूचित करने वाली देश की पहली सरकार बन गई है। पॉलिसी के मसौदे पर जनता को अपनी राय देने के लिए 60 दिनों का समय दिया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह योजना एग्रीगेटर उद्योग को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगी। एग्रीगेटर्स और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को अगले 3 महीनों में सभी नए दोपहिया वाहनों में से 10 फीसद और सभी नए चार पहिया वाहनों में से 5 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों के शामिल करना होंगा।

इनको मार्च 2023 तक सभी नए दोपहिया वाहनों का 50 फीसद और सभी नए चार पहिया वाहनों में से 25 फीसद इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना होगा। एनसीआर के अन्य राज्यों को भी इस पॉलिसी को अपनाने के लिए निर्देशित करने को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को रिप्रजेंटेशन देगी।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए 17-21 जनवरी तक होगी रिहर्सल

- यातायात पुलिस ने जारी की एडवाजरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर होने वाली भव्य परेड का रिहर्सल सोमवार से शुरू हो रहा है।

आगामी 17, 18, 20 और 21 जनवरी को रिहर्सल की जाएगी। इस दौरान सुबह 9 बजे से लेकर 12 बजे तक राजपथ-रफी मार्ग, राजपथ-जनपथ, राजपथ-मानसिंह रोड और राजपथ-सी हेक्सागन वाहनों के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूरी तरीके से बंद रहेगा। विजय चौक से लेकर इंडिया गेट तक यह रिहर्सल संयुक्त आयुक्त विवेक किशोर के अनुसार, राजपथ पर निकलने वाली परेड रिहर्सल में किसी तरह की बाधा ना हो इसके लिए राजपथ-रफी मार्ग, राजपथ-जनपथ, राजपथ-मानसिंह रोड एवं राजपथ-सी हेक्सागन को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक वाहनों के लिए बंद रखा जाएगा।

इन जगहों पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा डायवर्सन किया जाएगा जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वह यातायात पुलिस द्वारा बताए गए रूट का इस्तेमाल करें।

इन रास्तों का करें इस्तेमाल

रिंग रोड पर आश्रम चौक, सराय काले खां, आईपी फ्लाईओवर, राजघाटलाजपत राय मार्ग, मथुरा रोड, भैरव रोड, रिंग रोड, अरबिंदो मार्ग, वंदे मातरम मार्ग, धौला कुआं मार्ग का इस्तेमाल करें।

पूर्वी दिल्ली से पश्चिमी दिल्ली के रास्ते

रिंग रोड, भैरव रोड, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, पृथ्वीराज रोड, सफदरजंग रोड, दिल्ली जाने के लिए रिंग रोड, वंदे मातरम मार्ग का इस्तेमाल करें।

दक्षिणी दिल्ली से कनॉट प्लेस

मदर टैरेसा क्रिसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग, रिंग रोड, पंचकुइयां रोडरिंग रोड, मदर टेरेसा क्रिसेंट, रनॉर्थ एवेन्यू, बाबा खड़क सिंह मार्ग वाहनों के लिए खुले रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस ने शुरू किया 'शराब नहीं रोजगार दो' अभियान

- पहले 18 विधानसभा क्षेत्रों केवल 5 शराब की दुकानें थीं, अब 216 ठेके हैं : चौधरी अनिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने शराब नहीं रोजगार दो अभियान शुरू किया है। प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष राहुल शर्मा की अगुवाई यह मुहिम फेसबुक और ट्विटर समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चलाया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि शराब कम करने सहित दिल्ली सरकार की नई उदारीकृत शराब नीति के रूप में युवाओं के लिए नौकरी और लोगों के लिए आजीविका की मांग करते हुए शराब नहीं रोजगार दो अभियान शुरू किया। 25 से 21 साल की शराब उपभोग की उम्र दिल्ली को नशे की राजधानी बना बेरोजगार युवाओं को तबाह कर देगी।

कोविड-19 प्रतिबंधों ने लाखों युवाओं की नौकरी छीन ली है और नौकरी के बाजार को छोटा कर दिया है, लेकिन शराब की दुकान के नेटवर्क का बहुत विस्तार हुआ है क्योंकि दिल्ली में अब 849 शराब की दुकानें हैं, जिसमें हर वार्ड में कम से कम तीन शराब की दुकानें हैं।

पहले 18 विधानसभा क्षेत्रों में केवल 5 शराब की दुकानें थीं, उनमें अब 216 शराब की दुकानें हैं, क्योंकि सभी मानदंडों, नियमों और विनियमों का उल्लंघन करते हुए हर जगह दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है।

शराब अब पानी की तरह बहेगी और पूरे साल उपलब्ध रहेगी, जिसमें छठ पूजा, होली, दीवाली, गुरु नानक जयंती, रविदास जयंती, ईद, बख़रीद और अन्य पवित्र त्योहारों जैसे धार्मिक त्योहार शामिल हैं।

कोरोना पर काबू पाने में सरकार विफल : भाजपा

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार एक बार फिर कोरोना के खिलाफ जंग में फेल होती नजर आ रही है। यह आरोप दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लगाया है। बिधूड़ी ने कहा कि सरकार सिर्फ अस्पतालों में दाखिल मरीजों की कम संख्या को ही अपना लक्ष्य बनाए हुए हैं, जबकि सरकार की जिम्मेदारी कोरोना फैलने से रोकना है। अब कम जांच करके वह दिखाने की कोशिश कर रही है कि दिल्ली में कोराना के मरीज घट रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा है कि अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि दिल्ली में सरकारी टेस्ट सेंटर्स बंद किए जा रहे हैं या फिर वहां से मरीजों को लौटाया जा रहा है। टेस्ट कम करने का खेल सिर्फ मरीजों की संख्या कम दिखाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार टेस्ट घटाकर कागजों पर कोरोना पर काबू पाने का ढोंग रच रही है। आज लोग केमिस्टों से सेल्फ टेस्ट किट लेकर खुद ही टेस्ट कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हनुमान मंदिर वाटिका का हो रहा सौंदर्यीकरण

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि कनॉट प्लेस में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के बाहरी परिसर हनुमान वाटिका के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास का कार्य नई दिल्ली में कनॉट प्लेस में पूरे जोर-शोर से हो रहा है। उपाध्याय ने बताया कि हनुमान मंदिर वाटिका के सौ प्रतिशत सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास का काम प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन और भारत की आज़ादी के 75 साल को आज़ादी का अमृत महोत्सव की प्रेरणा से किया जा रहा है। पुनर्विकास कार्यों कि विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि अब मंदिर के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ शौचालय परिसर और स्नानघर, सभी अल्ट्रा आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शौचालय ब्लॉक की यहां बेहतर सुविधा होगी। महिलाओं, पुरुषों ही नही बल्कि ट्रांसजेंडर और दिव्यांगों की सुविधाओं के लिए ग्रीन टॉयलेट ब्लॉक बनाया जाएगा।

11 फरवरी तक ऑनलाइन सुनवायी करेंगी कोर्ट

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने कहा है कि वह 11 फरवरी तक डिजिटल तरीके से मामलों की सुनवायी जारी रखेगा। बारह जनवरी के एक कार्यालय आदेश के अनुसार, जिला अदालतें भी तब तक केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस माध्यम से ही मामलों की सुनवाई करेंगी। मुख्य न्यायाधीश के निर्देशानुसार दिनांक 30 दिसंबर के इस अदालत के कार्यालय आदेश को जारी रखते हुए इस अदालत (रजिस्ट्रार और संयुक्त रजिस्ट्रार की अदालतों सहित) के साथ-साथ दिल्ली में जिला अदालतों में 11 फरवरी तक मामलों की सुनवाई की मौजूदा प्रणाली जारी रहेगी। पिछले साल 22 नवंबर से प्रत्यक्ष सुनवाई फिर से शुरू करने वाले उच्च न्यायालय ने कोविड-19 मामलों में वृद्धि और बाद में सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में येलो अलर्ट की घोषणा किये जाने के मद्देनजर 30 दिसंबर 2021 को फैसला किया था।

उत्तर-पूर्व के स्वतंत्रता सेनानियों को भुला दिया गया : राज्यमंत्री

नई दिल्ली। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में देश के हर हिस्से से आजादी की अलख जगी थी, लेकिन किन्ही कारणों से उत्तर -पूर्व भारत के स्वतंत्रता सेनानियों को इतिहास में वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे। यह विचार शिक्षा और विदेश राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने जवाहरलाल नेहरु विश्विद्यालय (जेएनयू) में आयोजित वर्ष 2020 के लिए तृतीय गवर्नर आचार्य पुरस्कार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में नागालैंड के पूर्व राज्यपाल पद्मनाभ आचार्य विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मलित हुए ।

वर्ष 2020 के समारोह की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम.जगदेश कुमार ने की।

पुरस्कार के लिए तेजस्विता दुआराह को शम्भुधन फोंग्लो, कृष्णा हजारिका को बाबू जगजीवन रॉय, राजेंद्र कुमार जोशी को जननेता हिजाम इराबोत, अजंता दास को देयिंग एरींग और सुश्री देवप्रिया सरकार को पद्मसंभव पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

धनशोधन मामले में पत्रकार की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को बताया कि उसने चीनी खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी कथित रूप से मुहैया कराने से जुड़े धनशोधन के मामले की जांच के तहत दिल्ली के एक पत्रकार की 48.21 लाख रुपए की आवासीय संपत्ति कुर्क की है।

ईडी ने एक बयान में बताया कि धनशोधन रोकथाम कानून के तहत स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा की राष्ट्रीय राजधानी के पीतमपुरा इलाके में स्थित संपत्ति कुर्क किए जाने का प्रारंभिक आदेश जारी किया गया है।

शर्मा को एजेंसी ने पिछले साल जुलाई में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने कहा कि जांच में पाया गया कि शर्मा ने चीनी खुफिया अधिकारियों को गोपनीय जानकारी दी थी, जिसके बदले में उसे वित्तीय लाभ दिया गया और इस तरह उसने देश की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता किया।

ईडी ने कहा कि महिपालपुर स्थित एक मुखौटा कंपनी द्वारा प्रदान किया जा रहा था, जिसे एक नेपाली नागरिक शेर सिंह उर्फ राज बोहरा के साथ झांग चेंग उर्फ सूरज, झांग लिक्सिया उर्फ ऊषा और किंग शी जैसे चीनी नागरिक चला रहे थे।

पॉडकास्टः दिल्ली पुलिस की सुने अनसुनी कहानियां

- किस्सा खाकी का नामक शीर्षक पर डिजिटल माध्यम पर वर्तिका नंदा द्वारा सुनाया जाएगा
- दिल्ली पुलिस के अफसरों और जवानों के जुड़ी असाधारण सेवाओं की दी जाएगी जानकारी

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस डिजिटल दुनिया में कदम रखने जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 'किस्सा खाकी का' शीर्षक से अपने पॉडकास्ट के माध्यम से दिल्ली पुलिस अपराधों, जांच, दिल और मानवता की अनसुनी कहानियों के माध्यम से जनता के साथ संवाद स्थापित करेगी।

पहला पॉडकास्ट आज दोपहर दो बजे सोशल मीडिया हैंडल पर डिजिटल रूप से प्रसारित किया जाएगा। पॉडकास्ट को वर्तिका नंदा द्वारा सुनाया जाएगा, जो अपने रेडियो कार्यक्रम की पहल के माध्यम से जेल सुधारों पर भी काम कर रही हैं।

यह ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उपलब्ध होगा। किस्सा खाकी का दिल्ली पुलिस कर्मियों की सभी रैंकों के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई असाधारण सेवाओं को सेलिब्रेट करेगा। इन कर्मियों ने अपने कर्तव्यों के प्रति उल्लेखनीय ईमानदारी का परिचय दिया है और साथ ही स्वेच्छा से सामाजिक और मानवीय सेवाओं को अंजाम दिया है। ज्ञात हो कि पॉडकास्ट से तात्पर्य एक मीडिया संचिका से है जो कि इंटरनेट पर फीड के द्वारा प्रसारित की जाती है जिसे कि कंप्यूटर तथा पोर्टेबल मीडिया प्लेयरों जैसे आईपॉड तथा स्मार्टफोन आदि द्वारा चलाया जा सकता है। इस प्रक्रिया को पॉडकास्टिंग कहा जाता है।

पुलिस और नागरिकों के बीच नया बंधन

पॉडकास्ट दिल्ली पुलिस और नागरिकों के बीच एक नया बंधन बनाएगा। यह पुलिस बल के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में लोगों के बीच बेहतर समझ को सक्षम करेगा. विश्वास का बंधन बेहतर पुलिसिंग में मदद करेगा। दिल्ली पुलिस 'लास्ट-माइल-पुलिसिंग' को मानवीय स्पर्श से मजबूत करने के लिए सभी पारंपरिक और नए युग के माध्यम से लोगों तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है

एक ही परिवार में हुई पथराव और फायरिंग

होडल। कस्बा हसनपुर के गांव पीरगढी में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में जमकर पथराव व फायरिंग हुई है। घटना की सूचना मिलते ही हसनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। गांव में झगड़े को लेकर तनाव का माहौल व्याप्त है। तनाव को देखते हुए गांव पीरगढी में पुलिस की भी तैनाती की गई है।

खबर लिखे जाने तक पुलिस झगड़े के कारणों का पता नहीं लगा सकी है। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी हुई है। हसनपुर थाना प्रभारी मोहरपाल ने जानकारी में बताया कि उन्हें सूचना मिली कि गांव पीरगढ़ी में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच किसी मामले को लेकर झगड़ा हो गया है। सूचना में उन्हें यह भी जानकारी मिली कि दोनों पक्षों के बीच पथराव व फायरिंग हो रही है।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही वह पुलिस बल लेकर गांव पीरगढ़ी में पहुंच गए। जब वह पीरगढ़ी में पहुंचे तो उस समय दोनों पक्षों के बीच झगड़ा समाप्त हो गया था।

आर्मी डे पर आर्मी पर्सनल व परिवारजनों को दी कानूनी जानकारी

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने किया कानूनी साक्षरता पर वेबिनार आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शनिवार को आर्मी डे पर आर्मी पर्सनल व परिवारजनों को कानूनी साक्षरता पर वेबिनार के माध्यम से जानकारी दी गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एसपी सिंह के दिशा-निर्देशों पर यह आयोजन किया गया। इसमें जिला सैनिक बोर्ड के कर्नल एएस यादव का सहयोग रहा।

अधिवक्ता रितु कपूर ने वेबिनार में जुड़े सभी प्रतिभागियों को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण और उससे जुड़ी सभी सेवाओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यह प्राधिकरण न्याय तक पहुंच को सभी के लिए सार्थक बनाने, अधिनियम के अधिदेश को पूरा करने और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा बनाई गई नीतियों के अनुसार विभिन्न गतिविधियां चला रहा है। इस उद्देश्य के साथ प्राधिकरण कोर्ट और जिला उपभोक्ता फोरम में पैनल में शामिल वकीलों के माध्यम से अधिनियम की धारा 12 के तहत पात्र श्रेणियों को कानूनी सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा कानूनी सेवा क्लीनिक भी स्थापित किए गए हैं। लोक अदालतें नियमित अंतराल पर और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाती हैं। समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्कूलों आदि में कानूनी साक्षरता क्लबों की स्थापना की जाती है।

वैधानिक अधिदेश के अनुसार इस प्राधिकरण के तीन प्राथमिक कार्य पात्र व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता, सलाह और सेवाएं प्रदान करना। लोक अदालतों का आयोजन करके मध्यस्थता, सुलह और परामर्श जैसे अन्य रूपों के माध्यम से विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान की भावना को बढ़ावा देना।

तीसरे जनता के बीच कानूनी साक्षरता और जागरूकता फैलाना। वेबिनार के अंत में अधिवक्ता रितु कपूर ने सभी के सवालों का जवाब दिया। उन्हें बताया कि किसी भी तरह की कानूनी मदद के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम की हेल्पलाइन नम्बर-0124-2221501 पर संपर्क किया जा सकता है।

कल से भाजपा विधायकों, मंत्रियों के आवास पर धरने देंगे आंगनबाड़ी वर्कर

मेयर, भाजपा अध्यक्षों के आवास को भी घेरेंगी वर्कर

आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स की हड़ताल को 25 जनवरी तक बढ़ाया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लघु सचिवालय के बाहर धरने पर बैठी आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स।

आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स को भले ही सरकार ने नए साल का तोहफा उनकी सेवानिवृत पर क्रमश: एक लाख व 50 हजार रुपये देने की घोषणा की हो, लेकिन वे इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनकी मांगें अभी पूरी नहीं हुई है। मुख्य मांग तो सरकारी कर्मचारी घोषित करने की है। इसलिए हड़ताल अभी जारी है।

आंगनबाड़ी की राज्य तालमेल कमेटी की ओर से निर्णय लिया गया है कि आंदोलन को 25 जनवरी 2022 तक बढ़ाया जा रहा है। यह जानकारी यहां शनिवार को यहां लघु सचिवालय के बाहर हड़ताल पर दी गई। यह भी निर्णय लिया गया है कि आगामी 17 जनवरी से 22 जनवरी तक भाजपा के सभी विधायकों, मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों, पार्टी प्रतिनिधियों के आवास का आंगनबाड़ी वर्कर्स द्वारा घेराव करके वहां धरना दिया जाएगा। गुरुग्राम में 17 जनवरी को भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ के आवास का, 18 जनवरी को मेयर मधु आजाद के आवास का, 19 जनवरी को विधायक सुधीर सिंगला के आवास का, 20 जनवरी को भाजपा को समर्थन देने वाले विधायक राकेश दौलताबाद के आवास का, 21 जनवरी को सोहना के विधायक संजय सिंह के आवास का, 22 जनवरी को पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता के आवास का घेराव करके वहां धरना दिया जाएगा।

वर्ष 2018 में हुए समझौता को नहीं किया लागू

शनिवार को इस बाबत आंगनबाड़ी यूनियन की जिला उप-प्रधान शारदा नेकी की अध्यक्षता में बैठक हुई। संचालन जिला सचिव सरस्वती ने किया। इस अवसर पर सीटू जिला प्रधान कंवर लाल यादव, जनवादी महिला समिति की राज्य अध्यक्ष ऊषा सरोहा ने कहा कि हरियाणा सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स को टर्मिनेट करना बंद करे। सरस्वती ने कहा कि वर्ष 2018 में हरियाणा सरकार व आंगनबाड़ी वर्कर्स के बीच समझौता हुआ था। जिसमें वर्कर्स एवं हेल्पर्स की परमोशन में आंगनबाड़ी वर्कर्स का 50 फीसदी आरक्षण व मानदेय बढ़ाने की बात हुई थी। इसके अलावा आंगनबाड़ी सेंटर्स का किराया बढ़ाने व अन्य कुछ मांगों पर सहमति बनी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में आंगनबाड़ी वर्कर्स का मानदेय 1500 रुपये बढ़ाने तथा हेल्पर्स का 750 रुपये बढ़ाने की घोषणा की थी। इस घोषणा को लागू नहीं किया गया है। काफी आंगनबाड़ी वर्कर्स कोरोना में अपनी जान गंवा चुकी हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें कोरोना योद्धा का दर्जा नहीं दिया। अब आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स 8 दिसम्बर से हड़ताल पर हैं। सरकार ने 7 बार वार्ता के लिए बुलाया, लेकिन मांगों का समाधान नहीं किया।

सृजन का प्रतीक नारी का जीवन होता है चुनौतीपूर्ण

तेरापंथ धर्म संघ की अष्टम असाधारण साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने किया संबोधित

साध्वी कनकप्रभाजी।

गुरुग्राम। तेरापंथ धर्म संघ की अष्टम असाधारण साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी ने अमृत महोत्सव के तहत प्रवचनों में नारी शक्ति के जीवन चित्रण को अपने शब्दों में पिरोया। उन्होंने नारी को जीवन दायिनी भी कहा और घर को बेहतर घर बनाने में उसकी भूमिका का भी प्रस्तुतिकरण किया। साध्वी कनक प्रभा जी ने कहा कि महिला सृजन का प्रतीक है। उसकी जीवन चुनौतीपूर्ण होता है। उसकी कलात्मक अंगुलियों में नैसर्गिक सृजनशीलता है। अपने बचपन में गुड्डे-गुड़ियों का निर्माण करती है।

किशोरावस्था में प्रवेश होने के बाद रसोईघर में उसकी सृजन यात्रा शुरू होती। यौवन की दहलीज पर कदम रखने के बाद या शादी के बाद नए घर को सजाने-संवारने में उसका सृजन-चेतना अंगड़ाई लेने लगती है। उन्होंने कहा कि बच्चों का जन्म महिला सृजन क्षमता का एक अनूठा उदाहरण है। बच्चों के पालन-पोषण और उनमें श्रेष्ठ संस्कारों के संप्रेषण में जिस सृजनशीलता की अपेक्षा रहती है, उस पर सामान्यत: महिला वर्ग का एकाधिकार है। सृजन यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पार करती हुई महिला एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचती है, जहां उसका स्वयं का विस्तार होता है। परिवार का स्वरूप कुछ व्यापक बन जाता है। इस भूमिका पर वह एक संस्था का अंग बनकर खड़ी होती है। संस्था के संचालन एवं संस्था द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को अंजाम देने के लिए वह अपने समय तक अपनी शक्ति का समुचित नियोजन करना चाहती है। हालांकि संस्था से जुड़ने के बाद वह सीख लेती है, फिर भी कुशल कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए उसे विशेष रूप से अपना निर्माण करना होता है।

एनीमिया भगाने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं

पाचन के लिए साथ में नींबू, मौसमी, आंवल व संतरा का करें सेवन

लोहे से बने बर्तनों जैसे कढ़ाई का करें प्रयोग

गुरुग्राम। एनीमिया यानी शरीर में खून की कमी की समस्या का यदि समय रहते निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसीलिए जरूरी है व लोग इसके लक्षणों व कारणों की पहचान कर समय रहते इसका इलाज करवाएं। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने कहा कि एनीमिया एक तरह की बीमारी है जो रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्ति को शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं और हीमोग्लोबिन की कमी से होता है।

हीमोग्लोबिन रक्त की कोशिकाओं के लिए ऑक्सीजन की सप्लाई करने के लिए आवश्यक होता है। यह शरीर में आयरन की कमी से भी होता है। खून की कमी के लक्षण के बारे में उपायुक्त ने कहा कि यह सभी वर्ग के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं में अधिक पाया जाता है, जिनको एनीमिया होने पर शारीरिक कमजोरी, थकान, सिर दर्द, चक्कर आना त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन का बढ़ना, नाखुन और जीभ का सफेद होना आदि लक्षण दिखाई देते है। हीमोग्लोबिन की जांच भी करवानी चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि एनीमिया को दूर करने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक, सरसों, मैथी, बथुआ और गाजर चुकंदर आदि का सेवन करना चाहिए। इनके साथ भोजन में विटामिन-सी एवं ए युक्त खाद्य पदार्थ जैसे नींबु, मौसमी, आंवला और संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा घर में लोहे से बने बर्तन जैसे कढ़ाई का प्रयोग करना चाहिए।

44 केन्द्रों पर लगेगी कोविशिल्ड की पहली, दूसरी और 40 पर बूस्टर डोज

सभी केंद्रों पर पहले आओ पहले लगवाओ की तर्ज पर लगेगी वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला में वैक्सीनेशन अभियान के तहत रविवार को 44 केन्द्रों पर कोविशिल्ड की पहली व दूसरी डोज लगाई जाएगी। वहीं बूस्टर डोज के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स व 60 वर्ष से अधिक आयु के गम्भीर बीमारियों से ग्रस्त हैं, उनको 40 केन्द्रों पर कोविशिल्ड के टीके लगाए जाएंगे।

जिला में कोवैक्सीन के रूप में तीन केन्द्रों पर दूसरी डोज व 40 केंद्रों पर ऑनलाइन माध्यम से बुकिंग कर आने वाले लोगों को बूस्टर डोज के टीके लगाए जाएंगे। वहीं सेक्टर 31 स्थित पॉलीक्लीनिक में स्पूतनिक वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जाएगी। शिक्षा व नौकरी के लिए विदेश जाने के लिए चयनित नागरिक सेक्टर-31 पॉलीक्लीनिक में जाकर अपना कोविशिल्ड का दूसरा टीका लगवा सकते हैं। इस केंद्र पर वैक्सीन के 50 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। इसके साथ ही इस स्वास्थ्य केंद्र पर स्पूतनिक वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाई जाएगी। यहां दूसरी डोज के रूप में सौ स्लॉट उपलब्ध रहेंगे।

नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर लगवा सकते हैं वैक्सीन : जिन नागरिकों को कोविशिल्ड का पहला या दूसरा टीका लगवाना है, वह अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपनी कोरोना रोधी वैक्सीन लगवा सकता है। रविवार को 44 टीकाकरण केंद्रों पर उपर्युक्त वैक्सीन के कुल 10 हजार 850 स्लॉट उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही 40 केन्द्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स व 60 वर्ष से अधिक आयु के वे लोग जो कॉर्बिटी से प्रभावित उनके लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से 11 हजार 470 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। बूस्टर डोज के लिए किसी प्रकार के नए रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है। वहीं जिन नागरिकों को कोवैक्सीन के रूप में अपनी दूसरी डोज लगवानी है उनके लिए 03 केंद्रों पर 300 स्लॉट की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही जिनको कोवैक्सीन के रूप में बूस्टर डोज लगवानी है उनके लिए 40 केंद्रों पर 370 स्लॉट उपलब्ध करवाए हैं।

उप-सिविल सर्जन डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि टीका लगवाने के लिए लाभार्थी को किसी प्रकार के पूर्व रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है। सभी सेंटरों पर पहले आओ पहले लगवाओ की नीति के आधार पर वैक्सीन लगेगी।

कक्षा छठवीं से 8वीं के लिए नए सत्र में शुरू होंगे वोकेशनल कोर्स

सोहना। सोहना जोन के एसडीएम जितेन्द्र कुमार गर्ग की माने तो मुख्यमंत्री मनोहरलाल सरकार ने वर्ष 2022-23 के शैक्षणिक सत्र से कक्षा छठवीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठयक्रम से जोड़ने की योजना बनाई है। हरियाणा स्कूली शिक्षा परियोजना परिषद की तरफ से इसकी शुरूआत की जाएगी।

माध्यमिक कक्षाओं में विद्यार्थियों को वोकेशनल कोर्स में बेसिक पढ़ने का मौका मिलेगा। जिसके बाद 9वीं कक्षा से विद्यार्थी अपने रूझान के अनुसार विषय का चयन कर सकेंगे। वर्तमान में 9वीं से 12वीं कक्षा के लिए रिटेल, इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी, सिक्योरिटी, ऑटोमोबाइल, पर्यटन, एग्रीकल्चर, ब्यूटी वेलनेस, आईटी, एनिमेशन, पेशेंट केयर असिस्टेंट फैशन डिजाइनिंग और फूड प्रॉडक्शन समेत कुल 14 कोर्स संचालित हैं। इनके लिए एक कोर्स में 25-25 विद्यार्थियों का चयन किया जाता है।

विधायक ने किए तीन करोड़ रुपये के विकास कार्यों के शिलान्यास

विधायक ने विकास कार्यों का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया

कैलाश मंगला। होडल

विकास कार्यों का शिलान्यास करते विधायक जगदीश नायर।

हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के चेयरमैन व क्षेत्रीय विधायक जगदीश नायर ने शनिवार को होडल विधानसभा के गांवों में लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़क मार्गों के निर्माण कार्यों के शिलान्यास किए।

विधायक जगदीश नायर ने लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से हसनपुर से मच्छीपुरा तक 2.34 किलोमीटर लंबी सडक, लगभग 70 लाख रुपये की लागत से हसनपुर सतुआगढ़ी रोड से गांव माहौली हसनपुर रोड तक, लगभग 58 लाख रुपए की लागत से डकोरा से मर्रोली तक तीन किलोमीटर लंबी सड़क, लगभग 33 लाख रुपये की लागत से भिड़ूकी से बिजली मंदिर तक के लिंक रोड 1.70 किलोमीटर लंबी सड़क मार्ग के विकास कार्यों का नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया। इनके निर्माण से निश्चित ही यहां के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

विधायक जगदीश नायर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा में समान रूप से समान विकास कार्य करवाए हैं। उन्होंने सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य करवाए हैं तथा केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के कुशल नेतृत्व में हलके का सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर विकास कार्य कराया जा रहा है। हल्के में करोड़ों रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं और हर कार्य पर पूरी निगरानी हैं। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य तेजी से करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों की यह बहुत पुरानी मांगें थी। जिनको मुख्यमंत्री मनोहर लाल व केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के सहयोग से पूरा करवाया जा रहा है। इस मौके पर ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि सहित गणमान्य अतिथियों को फूलमालाएं पहनाकर तथा पगडी बांधकर भव्य स्वागत किया। विधायक ने यहां लोगों से आह्वान किया कि वह कोविड-19 की विकट परिस्थितियों में धैर्य से काम लें। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, हसनपुर सरपंच संदीप मंगला, पूर्व सरपंच वीरेंद्र सेवली, मंडल प्रेमराज मंडल अध्यक्ष, बलदेव गढ़ी, भारत सेठ, भिड़ूकी सरपंच सत्यदेव गौतम आदि उपस्थित थे।

कोहरा: एलीवेटेड मार्ग में खड़े पेड़ दे रहे जानलेवा हादसों को न्यौता

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गुरुग्राम-कोहरे में हादसों को दावतें देता सोहना के बीच एलिवेटेड मार्ग के बीच में खड़े पेड।

गुरुग्राम-सोहना के बीच निर्माणाधीन एलीवेटेड मार्ग के बीच में खड़े पेड़ कोहरे में जानलेवा हादसों को न्यौता दे रहे है। भले की पेड़ों के आस-पास सांकेतिक बोर्ड लगा दिए हैं लेकिन कोहरे में दूर से पेड़ सड़क के बीच में खड़े हुए नजर नहीं आ रहे हैं।

गुरुवार की देर रात से शुरु हुआ कोहरा शुक्रवार की सुबह तक छाया रहा। कोहरे ने सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की गति को रोग दिया है। रात भी सड़कों पर वाहन रैंग-रैंग कर चलते रहे, क्योंकि कोहरा अधिक गहरा होने के कारण वाहन चालकों को 8 से 10 फुट तक ही सामने सड़क नजर आ रही थी। ऐसे में हादसा होने की आशंका से अपने आप को सुरक्षित करके चलते समय चालक वाहनों की हैडलाइट से लेकर डिपर तक जलाते हुए चल रहे थे।

पेड़ दे रहे हादसों को न्यौता : सोहना के दमदमा मोड़ से शुरु हो रहा गुरुग्राम जाने वाला निर्माणाधीन एलिवेटेड मार्ग के बीच में खड़े पेड़ जानलेवा हादसों को न्यौता दे रहे है। कोहरा पड़ने से ये पेड़ पहले से अधिक खतरनाक बन गए है। मार्ग निर्माण एचजी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी कर रही है। जिसे वन विभाग ने कंपनी को पत्र लिखते हुए कटाई करने के लिए मंजूरी लेने को कहा था। वन विभाग ने एसडीएम को भी इस संबंध में पत्र लिखा था।

वन विभाग ने फिर लिखा पत्र : वन विभाग ने एक बार फि से एलिवेटेड मार्ग का निर्माण करने वाली एचजी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को पत्र लिखा है। जिसमें कोहरे में पेड़ों से वाहन टकराने से जान लेवा हादसा घटित होने की संभावना जताई है। इसके साथ एसडीएम सोहना को भी वन विभाग की तरफ से पेड़ों की कटाई कराने के लिए कंपनी को निर्देश देने की मांग की है।

क्या कहते हैं वन विभाग अधिकारी : वन विभाग के अधिकारी अनिल कुमार का कहना है कि कोहरे शुरु हो गया है। गुरुग्राम-सोहना मार्ग राष्ट्रीय मार्ग है। जिस पर वाहन 24 घंटा दौड़ रहा है। ऐसे में सड़क के बीच में आ रहे पेड़ों से वाहन टकराने का खतरा पैदा हो रहा है। जिनकी कटाई कराने के लिए मार्ग का निर्माण कर रही कंपनी को पत्र लिखा है।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से मनाया गुरुपर्व, शहर में निकाला नगर कीर्तन

सोहना में गुरुपर्व मनाते हुए शहर में निकाली गया नगर कीर्तन के दौरान पंजप्यारे।

सोहना। गुरु गोविन्द सिंह का जन्म गुरुपर्व के रूप में धूमधाम से मनाया गया। शहर में निकाला नगर कीर्तन में कम ही लोगों ने भाग लिया। शनिवार को शहर की सिंह साहिब गुरुद्वारा कमेटी तत्वाधान में गुरु गोविन्द सिंह की जयंती गुरुपर्व के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर शहर के प्रमुख गुरुद्वारा को दूधिया रोशनी से सजाया गया। शनिवार को शहर में नगर कीर्तन निकाला। जिसमें कम ही लोगो ने सामाजिक दूरी की पालना करते हुए भाग लिया। नगर कीर्तन में सांस्कृतिक कार्यक्रम कम ही रखे गए। नगर कीर्तन के कार्यक्रम को शहर में प्रमुख मार्गों पर ही निकाला। जिसकी शुरुआत गुरुद्वारा से की गई। नगर कीर्तन के दौरान युवाओं ने आत्मरक्षा के लिए अपना शक्ति का शानदार झांकियों के माध्यम से प्रदर्शन किया। जिसमें युवाओं में विशेषकर महिला एव किशोरियों को संकट के समय में अपनी सुरक्षा करने का दम दिखा। नन्हें बच्चों ने भी आत्म रक्षा के लिए ज्ञान का प्रदर्शन किया।

जैन जागृति मंच ने किया भंडारे का आयोजन

होडल। जैन जागृति मंच होडल के तत्वावधान में शनिवार को श्रीदिगम्बर जैन धर्मशाला के प्रांगण में भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में शहर की सामाजिक संगठनों के साथ-साथ बाजार के दुकानदारों व आसपास कालोनी के लोगों ने हिस्सा लेकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के प्रधान लक्खी जैन व नितेश उर्फ कुन्नी जैन ने की। जैन जागृति मंच होडल द्वारा जैन धर्मशाला में आयोजित भंडारे में हजारों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। मंच के पदाधिकारियों ने भंडारे में पहुंचे सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर मंच के प्रधान लक्खी जैन ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक आयोजनों से आपसी भाईचारा व प्रेम बढ़ता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों को इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना चाहिए। इस मौके पर डा. राजेश जैन, संदीप जैन, सुनील गोयल, अनूज जैन, राहुल जैन, कैलाश मंगला, संदीप उर्फ पिन्टू जैन, रोविन जैन, गौरव जैन, अरिहन्त जैन, रिंकू जैन, बिनोद जैन, संजय जैन के अलावा जैन समाज के अन्य लोगों के साथ-साथ बाजार के दुकानदारों ने भंडारे में हिस्सा लिया।

दहेज प्रताड़ना में पति समेत छह के खिलाफ केस दर्ज

सोहना। सोहना के गांव खेड़ला में रहने वाली एक विवाहित महिला की शिकायत पर सोहना देहात थाना पुलिस ने ससुराल पक्ष के आरोपित किए गए लोगों के खिलाफ विवाहिता से मारपीट कर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और 50 लाख रुपये की मांग पूरी ना होने पर मारपीट करने के आरोप में भादंसं की विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन के अनुसार सोहना देहात पुलिस थाने में दी गई शिकायत में पीड़ित महिला ने दी गई शिकायत में बताया कि उसके पिता ने उसका विवाह आठ दिसंबर, 2015 को बसई इंकलेव पार्ट वन में रहने वाले गगनदीप के साथ हिंदू रीति-रिवाज से किया। विवाह में 15 लाख रुपये खर्च किए। पांच तौले सोना, 30 तौले चांदी और ससुराल पक्ष को अन्य उपहारों के साथ-साथ तीन लाख रुपये नकद दिए गए। बावजूद इसके कुछ दिनों बाद उसका पति गगनदीप, ससुर बृजपाल, सास रामवती तथा ननद पुष्पा, अनिता व मीना उससे अपने मायके से मकान बनाने के लिए 50 लाख रुपये की मांग करने लगे। वर्ष-2017 में चौदह अक्टूबर को उसके पुत्र रत्न की प्राप्ति होने पर उसके मायके वालों से छौछक में स्विफ्ट कार दिए जाने की मांग की। जिस पर उसके पिता ने असमर्थता जताई तो वह लोग उससे मारपीट कर दहेज के लिए प्रताड़ित करते रहे और उन्नीस जुलाई, 2020 को उसके पति ने उसे घर से निकाल दिया। बार-बार पंचायत जोड़े जाने पर भी वह टस से मस नहीं हुए।

देश के सैनिकों के लिए शिविर में युवाओं ने किया रक्तदान

सोहना। शहर के सामाजिक संगठन के तत्वावधान में देश के सैनिकों के लिए लगाए रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस शिविर में 300 के लगभग युवाओं ने सैनिकों के लिए रक्तदान किया। शनिवार को शहर ही सामाजिक भाईचारा सामाजिक संगठन के तत्वाधान में पंजाबी धर्मशाला में रक्तदान शिविर लगाया। इस शिविर में देश की सेना में कार्यरत सैनिकों की टीम रक्तदान शिविर में पहुंची। रक्तदान शिविर में शहर के युवाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया। युवा देश के सैनिकों के लिए रक्तदान करने में जोश नजर आया। रक्तदान के लिए शिविर में 30 के लगभग बेड लगाएं गए थे। इस कार्य में युवाओं से लेकर शहर के सामाजिक कार्यकर्ता और संगठनों ने भाग लिया। जिसमें अधिवक्ताओं से लेकर वर्तमान व पूर्व पार्षद भी शामिल थे। जिन्होंने देश की सीमाओं पर 24 घंटा रहते हुए देशवासियों की रक्षा कर रहे हैं। इस अवसर सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश गर्ग ने बताया कि दिल्ली कैंट स्थित एएमसी की टीम यहां पर पहुंची। युवाओं में राकेश का कहना है कि यह सब देश के सैनिकों के लिए बहुत कम योगदान है। देश का सैनिक के लिए जितना यहा रहकर युवा कर सके। वह उतना ही कम है।

घने कोहरे में लाइट जलाकर धीमी गति से चलें चालक: डीसीपी

सोहना। डीसीपी यातायात रविन्द्र कुमार तोमर ने वाहन चालकों से आग्रह किया है कि घने कोहरे में वह वाहनों को धीमी गति से चलाएं। यातायात नियमों का पालन करें। वाहनों पर आगे-पीछे लगी लाइटों पर पीली पन्नी लगाए और जरूरी होने पर ही घने कोहरे में घर से बाहर निकले। डीसीपी यातायात रविन्द्र कुमार तोमर ने कहा कि बचाव में ही बचाव है। घने कोहरे में दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को वाहन चलाने में दिक्कतें आती है। इसलिए जरूरी है कि शाम होने के बाद वाहनों की आवाजाही कम से कम की जाए और घने कोहरे से बचाव के लिए वाहनों में आगे-पीछे रिफ्लेक्टर जरूर लगवाए।

गोशाला में हवन कर गायों को खिलाया गुड़

सोहना। गांव आटा स्थित गोवर्धन गोशाला में मकर संक्रांति के उपलक्ष में हवन का आयोजन हुआ। इस मौके पर विशेष आमंत्रण पर गोसेवा के लिए आए श्रद्धालुओं ने गोशाला में पल रही गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया। इस मौके पर सोहना गांव के नंबरदार तेजपाल सैनी, अशोक पेट्रोलपंप वाले, मास्टर अमीचंद गर्ग, प्रवेश गर्ग, संजय आर्य, जगदीश माथुर, ठाकुरदास शर्मा, मुकेश गर्ग आदि के अनुसार इस मौके पर जैविक खेती से संबंधित एवं गायों व कृषि के विषय पर आधारित गोष्ठी में बोलते हुए विभिन्न वक्ताओं ने जैविक खेती, गो उत्पाद से बनने वाली विभिन्न वस्तुओं समेत मकर संक्रांति के महत्व के बारे में बताया और कहा कि इस दिन से सूर्य उत्तरायण में आ जाता है। मनुष्य जीवन में सुख-दुख का प्रवाह बना रहता है।

पुलिस को खाकी की जगह पहननी पड़ रही पीपीई किट

कविता। फरीदाबाद

जिला जेल नीमका के बंदी लगातार पॉजिटिव आ रहे हैं। ऐसे में वहां सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को अपने बचाव के लिए उन्हें पीपीई किट पहननी पड़ रही है। यह 13 कैदी बीके अस्पताल परिसर में नए बने अस्थाई कोविड-19 अस्पताल में भर्ती हैं।

जेल में पॉजिटिव आ रहे कैदियों को वहां आईसोलेशन में रख दिया जाता है, लेकिन जिनकी तबियत अधिक खराब हो रही है, उन्हें कर्मचारी बीके अस्पताल में लाकर चिकित्सक से जांच करवा कर उन्हें यहां भर्ती करवा रहे हैं। ऐसा ही शनिवार को देखा गया। जहां पीपीई किट पहने दो पुलिस कर्मियों ने एक बुजुर्ग कैदी को यहां भर्ती करवाया।

नीमका जेल के 13 कैदी बीके के कोविड अस्पताल में भर्ती

कोविड अस्पताल से शनिवार को 17 में से तीन हुए डिस्चार्ज, एक को किया रेफर

जेल से पॉजिटिव को एम्बुलेंस में पीपीई किट पहनकर लाए पुलिसकर्मी अशोक और शमशेर।

कोरोना में खाकी की जगह पीपीई किट : कोरोना महामारी के कारण जहां पब्लिक, चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी परेशान हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कोरोना महामारी का कहर अब जिला जेल तक पहुंच गया है। जेल में कोरोना इस कदर फैल रहा है कि खाकी वर्दी पहनकर काम करने वालों को अब पीपीई किट पहन कर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

किया जा रहा है रेफर: बीके अस्पताल में मौजूद कोविड-19 अस्पताल में एक बुजुर्ग कैदी की हालत खराब होने पर शनिवार को जिला जेल से लाकर भर्ती करवाया गया।

भर्ती करवाने आए अशोक और शमशेर नामक पुलिसकर्मी दोनों ही पीपीई किट पहनकर आए थे। वहीं कोविड-19 अस्पताल में भर्ती मरीजों के बारे में पता चला कि यहां नीमका जेल के कैदी ही अधिकांश भर्ती हैं। वहीं बुजुर्ग की हालत काफी खराब होने पर उसे यहां से रेफर किया गया है।

17 में से 13 भर्ती : बीके सिविल अस्पताल में मौजूद कोविड-19 अस्पताल में शनिवार की सुबह तक नीमका जेल के 17 कैदी दाखिल थे। जिनकी देखभाल का जिम्मा पुलिस कर्मियों पर था। यहां दोपहर बाद तीन मरीजों की तबीयत ठीक होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया। जिस बुजुर्ग को पुलिस कर्मी शनिवार को लेकर आए थे, उसका एच2ओ लेबल कम था। वह श्वास का रोगी भी था। जिस कारण उसे बीके में भर्ती रखने के बाद उसकी तबीयत खराब होने पर उसे रेफर कर दिया गया। जिस कारण अस्पताल में अब 13 कैदी भर्ती हैं।

ठिठुरन भरी सर्दी में दिन भर अलाव पर तापते दिखे लोग

जगह-जगह लोगों ने आग जलाकर किया ठंड दूर करने का प्रयास

कविता। फरीदाबाद

पिछले तीन दिन से लगातार बढ़ रही ठंड से लोग इस कदर ठिठुर रहे हैं कि वह उन्हें अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। शहर में लोग अलाव जलाकर ठंड दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग कर्मी भी ठंड भगाने के लिए अलाव का इस्तेमाल करते नजर आए। बीके अस्पताल में शनिवार को भीड़ कम होने से स्वास्थ्य कर्मी राहत में नजर आए। उन्होंने ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। अस्पताल में चार-पांच स्थानों पर अलाव जलाकर ठंड को दूर करने का प्रयास किया जा रहा था।

बढ़ती ठंड: दिनभर धूप नहीं निकलने से ठंड बढ़ गई है और हल्की हवा भी चलती रही। दिन का तापमान भी कम हो गया।, जबकि रात के तापमान में थोड़ी वृद्धि हुई है। तापान्तर कम होने से रात-दिन लोग ठिठुरते रहे। शुक्रवार रात से ही हल्का कोहरा छाया था और शनिवार सुबह भी कोहरा छाया रहा।

बीके अस्पताल में टीका लगवाने वाले लोगों के न आने पर अलाव का सहारा लेते स्वास्थ्य कर्मी।

दृश्यता कम : आबादी के क्षेत्र में तो दृश्यता अधिक प्रभावित नहीं थी। लेकिन आबादी से बाहर कोहरा अधिक रहा। ऐसे में वाहन चालकों को दिक्कत भी हुई।

चालकों को वाहनों की हेडलाइट, फाग लाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। वहीं शनिवार के अवकाश के कारण कम ही लोग घरों से निकले। देर शाम को ठिठुरन काफी अधिक हो गई। लोग गर्म कपड़ों से लदकर जगह-जगह अलाव तापते दिखे।

ठंड में चोरों ने सात वाहन उड़ाए

फरीदाबाद। सर्दी का फायदा उठाकर चोरों ने विभिन्न स्थानों से सात वाहन चोरी कर लिये। ऐसे में यह वारदातों से पुलिस की गश्त पर भी सवाल उठ रहे हैं। पहली घटना में आदर्श नगर बल्लभगढ़ निवासी इंद्रजीत ने पुलिस को बताया कि शाम को अपना ट्रैक्टर घर के सामने खड़ा किया था। सुबह उठकर देखा तो ट्रैक्टर और ट्राली गायब थे। एनएच पांच निवासी गुरमीत कौर ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे जसबीर सिंह ने मोटरसाइकिल घर के सामने खड़ी की थी। करीब एक घंटे बाद मोटरसाइकिल गायब थी।

खजी वाडा ओल्ड फरीदाबाद निवासी अंकित दीक्षित ने पुलिस को बताया कि शाम को आफिस से लौटकर मोटरसाइकिल बाहर गली में खड़ी की थी। थोड़ी देर बाद मोटरसाइकिल वहां नहीं थी। न्यू बसेलवा कालोनी निवासी दीपक शर्मा ने पुलिस को बताया कि शाम को उसने बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। करीब एक घंटे बाद वहां नहीं थी। मोलड़बंद दिल्ली निवासी राजेश कुमार बघेल ने बताया कि एनएच तीन से उनकी बाइक चोरी हो गई। सेक्टर 16 निवासी प्रमोद शर्मा ने पुलिस को बताया कि डबुआ मंडी में खड़ा उनका पिकअप टेंपो चोर ले गए।

कोरोना विस्फोट: 1764 पॉजिटिव, 295 ने जीती जंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा बढ़ रहा है। लगातार पिछले दो दिनों से 1100 से अधिक मरीज सामने आ रहे हैं। शनिवार को 24 घंटे के भीतर जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सर्वाधिक 1765 नए संक्रमित मरीज सामने आए हैं। जिससे जिले में एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 9040 हो गए है। जिसमें होम आईसोलेशन में 8879 और अस्पताल में दाखिल मरीजों की संख्या 161 है। जिसमें 28 ऑक्सीजन, आईसीयू में 28 और 08 वेंटीलेटर पर भर्ती किया गया हैं। राहत की बात यह रही कि जिले में 295 मरीज को ठीक होने पर घर भेज दिया। वहीं स्वास्थ्य होने की दर 91.15 प्रतिशत हो गई है।

जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए अधिक से अधिक कोरोना जांच और वैक्सीनेशन पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में पिछले 24 घंटे में 4426 सैम्पल जांच किए गए। वहीं दूसरी तरफ पहले लिए गए सैम्पलों में 5248 की रिपोर्ट आनी शेष है। जिसमें सरकारी के 3721 और निजी प्रयोगशालाओं के 1527 सैम्पलों की रिपोर्ट आनी शेष है।

कोरोना की जांच करवाती महिला।

यहां से पॉजिटिव: जिले में 1764 लोग पॉजिटिव आए हैं। जिसमें सेक्टर-77 से 15, तिगांव से 8, अनंगपुर से 3, सेक्टर-49 से 42, डबुआ कालोनी से 36, सेक्टर-82 से 31, सेक्टर-81 से 11, सेक्टर-84 से 17, सेक्टर-88 से 49, सेक्टर- 86 से 41, सेक्टर-78 से 7, सेक्टर-76 से 5, सेक्टर-21 से 63, सेक्टर-11 से 15 और सेक्टर-10 से 9 मरीज शामिल है। वहीं सेक्टर-14 से 21, सेक्टर्र-15 से 48, सेक्टर-13 से 16, जवाहर कालोनी से 10, एनएच-5 से 11, एनएच-तीन से 17, सेक्टर-8 से 21, सेक्टर-9 से 15, सेक्टर-तीन से 9, सेक्टर-22 से 16, सेक्टर-29 से 19 और सेक्टर-7 से 13 मरीज है। ग्रीन फिल्ड कालोनी से 41, ग्रीन वैली से 13 और अन्य ऐरियों से 1142 मरीज शामिल हैं।

आंगनबाड़ी वर्कर्स ने बढ़ाई 25 तक हड़ताल

सेक्टर-12 लघु सचिवालय के बाहर प्रदर्शन करती आंगनबाडी वर्कर।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आंगनबाड़ी वर्कर्स एवम् हेल्पर्स ने अपनी हड़ताल 25 जनवरी तक बढ़ाई। यूनियन ने भाजपा और जजपा के मंत्रियों और विधायकों के आवासों के सम्मुख विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।

इस फैसले के अनुसार जिला कमेटी फरीदाबाद ने आगामी 17 जनवरी को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के सेक्टर आठ स्थित कार्यालय के सम्मुख प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। यह जानकारी सेक्टर 12 में हड़ताली आंगनवाड़ी वर्करों एवं हेल्परों को संबोधित करते हुए सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी।

प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला की वरिष्ठ उपप्रधान सुदिरी ने की जबकि संचालन जिला सचिव मालवती ने किया। लेकिन सरकार का रवैया नकारात्मक है। सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि 12 जनवरी को हजारों की संख्या में आंगनवाड़ी वर्कर हेल्पर ने ऐतिहासिक जेल भरो आंदोलन को सफल बनाया।

नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाएगी भाजपा

हर गांव व वार्ड तक पहुंचाएंगे नेता जी और शहीदों की वीर गाथाएं: मुकेश गौड़

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा कार्यालय पर जिले के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते बीजेपी के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा।

भाजपा जिला कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद के जिला पदाधिकारियों की एक संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पराक्रम दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम, त्रिदेव संपर्क अभियान, त्रिदेव सम्मलेन, प्रधानमंत्री के मन की बात, मोर्चो कार्यकारिणी बैठक आदि आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, हरियाणा युवा कमीशन के चेयरमैन मुकेश गौड़ व जिला प्रभारी कुरुक्षेत्र मेहरचंद गहलोत व मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। गोपाल शर्मा ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने आजादी की जंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने उनकी वीरता को इतिहास के पन्नों से छुपाकर रखा। इतिहास के साथ छेड़छाड़ करके और उनकी फाइलों को दबाकर आजादी के इस महानायक की वीर गाथाएं लोगों से छुपा कर रखी और अपनी पार्टी के कुछ नेताओं को आजादी के महानायक के रूप में लोगों के सामने प्रस्तुत कर वीर शहीदों की शहादत के साथ छल करने का काम किया है। कालापानी में असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को यातनाएं दी गई और मौत के घाट उतारा गया। कांग्रेस जवाब दें कि क्यों छुपाया कालापानी का इतिहास।

युवा कमीशन के चेयरमेन मुकेश गौड़ ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ के नेतृत्व में 130 भाजपा पदाधिकारियों का दल काला पानी की यात्रा पर गया और उस पवित्र भूमि को नमन कर वहां की पवित्र मिट्टी लेकर आयें, जहां असंख्य शहीदों ने आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्यौछावर किया था। उन्होंने उस जगह को भी नमन किया जहां पर 1943 में नेताजी ने आजादी का झंडा फहराया था।

शरणार्थियों को बांटे गर्म कपड़े और राशन

फरीदाबाद। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के निर्देश पर दिल्ली और एनआरसी में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच कंबल, रजाई, चमड़े की जैकेट और राशन वितरित किया गया। फरीदाबाद में 35 परिवारों और श्रमिक विहार में 99 परिवारों, खजूरी में 78 परिवारों, कालंदी कुंज में 57 परिवारों तथा आत्मनगर में 63 परिवारों को सामग्री वितरित की गई।

गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर में भीषण ठंड और लॉकडाउन के चलते शरणार्थियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद मानवीय आधार पर जरूरतमंदों की मदद करना जारी रखे हुए है। इसी तरह, धार्मिक शिक्षा बोर्ड, जमीयत उलेमा, दिल्ली के महासचिव कारी अब्दुल सामी ने जमीयत के बैनर तले बाहरी दिल्ली क्षेत्र में रजाई का वितरण किया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के आयोजक मौलाना गयूर अहमद कासमी ने शुक्रवार को कहा कि रोहिंग्या दुनिया के सबसे उत्पीड़ित लोग हैं।

होम आईसोलेट मरीज करें निर्देशों का पालन

मंत्रालय के हल्के और बिना लक्षण वाले रोगियों के लिए जारी किए गए हैं खास दिशा-निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कोविड-19 के संदर्भ में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह दिशा-निर्देश कोरोना संक्रमण के बिना लक्षण और हल्के लक्षण वाले रोगियों के लिए जारी किये गये हैं। जारी निर्देशों के अनुसार ऐसे रोगियों की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर 7 दिन तक खुद को क्वारंटीन कर अपनी देखभाल करने की सलाह दी गई है।

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि यह जानकारी मंत्रालय की वेबसाइट https://mohfw.gov.in पर जाकर होम आईसोलेशन के बारे में जानकर हेल्पलाइन के बारे में प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हल्का बुखार, खांसी या कमजोरी महसूस होने को हल्के लक्षण की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे मरीज डॉक्टर से परामर्श कर इलाज ले सकते है। जारी निर्देशों के अनुसार यदि एंटीजन या आरटीपीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव है, लेकिन मरीज का ऑक्सीजन स्तर 93 प्रतिशत से अधिक है या फिर मरीज को बुखार नहीं है या सांस की तकलीफ नहीं है तो ऐसा मरीज होम आईसोलेशन में जा सकता है। मरीज के साथ परिवार को भी आईसोलेट होना चाहिए।

होम आईसोलेट मरीजों को दवा पहुंचाते स्वास्थ्य कर्मी।

मरीज जिला प्रशासन द्वारा स्थापित किये गये नियंत्रण कक्ष की हेल्पलाइन अथवा ई-संजीवनी के माध्यम से परामर्श ले सकते हैं। मरीज की देखभाल करने वाले व्यक्ति को वैक्सीन की दोनों खुराक लगी होनी चाहिए। मरीज के चेहरे पर तीन लेयर वाला मास्क होना चाहिए तथा मरीज की 24 घंटे देखभाल करने वाला व्यक्ति होना चाहिए। अन्य सदस्य भी आईसोलेट रहे व अपने लक्षणों की निगरानी रखें। यदि घर में कोई बुजुर्ग व्यक्ति है तो उनकी निगरानी भी रखें।

मरीज से परिवार के दूसरे सदस्य रहे दूर

जिस कमरे में मरीज आईसोलेट है, वहां से घर के अन्य लोगों को दूर रहना चाहिए। रोगी को एक हवादार कमरे में क्रॉस वेंटिलेशन के साथ रहना चाहिए तथा ताजी हवा आने के लिए खिड़कियां खुली रखनी चाहिए। मरीज को पूर्ण आराम करना चाहिए और तरल पदार्थ पीने चाहिए। कम से कम 40 सेकेंड के लिए साबुन व पानी से बार-बार हाथ धोने चाहिए। मरीज को घर के अन्य सदस्य के साथ बर्तन या अन्य सामान सांझा नहीं करना चाहिए।

कमरे में बार-बार छुई जाने वाली सतहों जैसे टेबल टॉप, दरवाजा, हेंडल आदि को साबुन अथवा डिटर्जेंट और पानी से सफाई करें। रोगी के कोरोना लक्षणों पर नजर रखी जाये तथा किसी भी लक्षण के बिगड़ने पर तुरंत सूचित किया जाये।

मरीजों को हमेशा ट्रिपल लेयर मेडिकल मास्क एन-95 का प्रयोग करना चाहिए। मरीज डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा न लें तथा डॉक्टर के सम्पर्क में रहे। यदि मरीज को 100 डिग्री बुखार, सांस लेने में कठिनाई, ऑक्सीजन का स्तर गिरना, सीने में दर्द और गंभीर थकान महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें। मरीज अपना होम आईसोलेशन उस समय खत्म कर सकता है, जब उसने 7 दिन पूरे कर लिये है और पिछले तीन दिनों से उसे बुखार नहीं है। हालांकि इसके बाद भी मरीज को मास्क पहनना जारी रखा होगा। होम आईसोलेशन की अवधि समाप्त होने के बाद दोबारा परीक्षण की कोई आवश्यकता नहीं है।

किसान पर जबरदस्ती जमीन बेचने को दबाव

नगर निगम द्वारा तोड़ा गया निर्माण।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

किसान देश का अन्नदाता है, जो दिन रात मेहनत करके फसल उगाता है और पूरे देश का पेट भरता है। यदि उसी किसान को उसकी जमीन जबरदस्ती बेचने का दबाव बनाया जाए तो यह किसान और उसकी धरती माता के साथ सरासर अन्याय होगा।

मामला है खेड़ीकला गांव के एक किसान योगेन्द्र कुमार का जिसकी भूपानी गांव के रकबे में जमीन है और उस जमीन में ही उसने ट्यूबवैल का कोठरा बनाया हुआ है। योगेन्द्र का कहना है कि एक बिल्डर नगर निगम से मिलीभगत कर जबरदस्ती उस पर जमीन बेचने का दबाव बना रहा है। पिछले कुछ समय से उसके पास कई डीलर इस जमीन को खरीदने के लिए आ रहे थे। लेकिन उसने साफ साफ कह दिया था कि इस जमीन को नहीं बेचेगा। एक बिल्डर ने शनिवार छुट्टी के दिन नगर निगम से मिलीभगत करके उसके कोठरे को जेसीबी से तुड़वा दिया।

किसान योगेन्द्र कुमार ने कहा कि जब इस तोड़फोड़ की कार्रवाई का उन्हें पता चला तो वे खेत में पहुंचे। तब तक तोड़फोड़ दस्ता तेजी से भाग जा रहा था। योगेन्द्र ने जब उन्हें रोककर इस कारवाई पर रोष जताया तो टीम में शामिल निगम अधिकारी ने कहा कि ऊपर से आर्डर आए हैं। उसने जब आर्डर की कापी मांगी तो वह बगलें झांकने लगे।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री मूलचंद शर्मा ने सड़क का किया शुभारंभ

बल्लभगढ़ में विकास कार्य का नारियल तोड़कर शुभारंभ करता बुजुर्ग व अन्य।

फरीदाबाद। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शनिवार को करीब 10 लाख की लागत से बनाई जाने वाली सड़क के कार्य का स्थानीय लोगों के हाथ नारियल तुड़वाकर कर शुभारंभ कराया। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि बुद्धा सैनी ने भी नारियल तोड़ा और परिवहन मंत्री का धन्यवाद जताया। परिवहन मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ क्षेत्र के विकास के लिए हरियाणा सरकार में धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार बिना भेदभाव के पूरे हरियाणा में विकास कार्य करा रही है, उन्होंने कहा कि आज बल्लभगढ़ की महावीर कॉलोनी में यही सड़क बाकी थी जो जल्द ही बन कर तैयार हो जाएगी। इस अवसर पर बुद्धा सैनी, पारस जैन, लखन बैनीवाल रामकरण, किशनपाल, अमरपाल, दिनेश शर्मा, पवन सैनी सहित कालोनीवासी मौजूद रहे और परिवहन मंत्री का फूलमालाओं से स्वागत किया।

नाइट कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर 10 व्यक्ति नामजद

फरीदाबाद। पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ महामारी अलर्ट के तहत लगाए गए नाइट कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर मुकदमा दर्ज किया है। सेंट्रल थाने में तैनात हेड कांस्टेबल ईशाख ने बताया कि सेक्टर-12 टाउन पार्क के अंदर एक व्यक्ति लोगों को झूला झुला रहा था। वहां काफी भीड़ एकत्र हो रही थी। इस पर आरोपी रोहताश नगर दिल्ली निवासी विशाल अरोड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सेंट्रल थाना पुलिस ने शाम सात बजे के बाद भी खोखा खोलने के चलते पान खोखा संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। संचालक शंकर ने अजरौंदा चौक के पास खोखा खोला हुआ था। बड़खल चौक पर दुष्यंत मलिक नाम के व्यक्ति ने रात में मीट की दुकान खोली हुई थी। ओल्ड फरीदाबाद थाना पुलिस ने मीट संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बीपीटीपी थाना पुलिस ने शाम छह बजे के बाद दुकान खोलने पर तीन दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनमें एक दुकानदार का नाम पवन, दूसरे का सुचित और तीसरे का कुलदीप है। सराय ख्वाजा थाना पुलिस ने आटो पार्ट्स संचालक रूप किशोर बंसल के खिलाफ शाम छह बजे के बाद दुकान खोलने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

सेवा कार्य उत्सव के रूप में मनाई विवेकानंद जयंती

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर बस्ती के पाठशाला में गरीब बच्चों को नोट बुक वितरत करते अभाविप के सदस्य।

फरीदाबाद। स्वामी विवेकानंद जयंती पर अभाविप कार्यकर्ताओं ने जिले में सेवा कार्य जन्म उत्सव के रूप में मनाया। जिला मीडिया संयोजक रवि पांडे ने बताया अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा के आयाम एसएफएस एवं राष्ट्रीय कला मंच द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित 'युवोत्सव' युवा सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला संयोजक राष्ट्रीय कला मंच गायत्री राठौर और नगर मंत्री अमन दुबे ने बताया युवा दिवस के अवसर पर बल्लभगढ़ नगर के कार्यकर्ताओं ने अटल पार्क सेक्टर - 2 में स्वामी विवेकानंद जी के 159वीं जयंती के अवसर पर 159 दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर स्वामी जी का जन्म उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर हिमांशु, सन्देश, अंशुल, शिवम शर्मा, केशव, निपुर्ण यादव, राधे, दिपेंद्र, मयंक, विशाल, आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोजगार मेला लगेगा आज

फरीदाबाद। आदर्श गांव तिलपत में रविवार को रोजगार मेला आयोजित होगा। ग्रामीण वासुदेव भारद्वाज और प्रहलाद शर्मा के प्रयास से यह मेला राधे वाटिका, निकट राव निहाल फार्म हाउस पर आयोजित होगा। वासुदेव भारद्वाज ने बताया कि इस मेले में दो दर्जन कंपनियां भागीदारी करेंगी। नौकरी के इच्छुक लोगों को आधार कार्ड और बायोडाटा लाना होगा। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक राजेश नागर करेंगे।

गुमशुदा महिला को किया परिजनों के हवाले

गुमशुदा महिला को परिजनों को सौंपते पुलिस अधिकारी।

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच कैट की टीम ने गुमशुदा महिला को तलाश कर परिजनों से मिलाने का सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गुमशुदा महिला अपने घर से आपसी लड़ाई झगड़े में 13 जनवरी को घर से निकल गई थी। गुमशुदा महिला के परिवार वालों ने थाना कोतवाली में लिखित सूचना दी जिस पर कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर महिला की तलाश शुरू की है। पुलिस टीम ने पुलिस कन्ट्रोल रुम से सभी थाना चौकियों में सूचना भेजी गई। फोटो सोशल मीडिया के पुलिस व्हाट्सएप ग्रुपों में डालकर औरत को तलाश किया गया। क्राइम ब्रांच कैट की टीम में उपरोक्त मामले पर कार्रवाई करते हुए एनआईटी जोन में रहने वाली महिला को मेट्रो मोड टाउन नंबर-1 से बरामद किया है। पुलिस टीम ने महिला से परिवारजनों के सामने पूछताछ की।

साईं धाम नियमित रूप से मानवता की सेवा में

फरीदाबाद। शिरडी साईं बाबा टैम्पल सोसायटी, सेक्टर 86 में कोविड 19 टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। 18 प्लस और 45 प्लस की आयु वर्ग का टीकाकरण किया गया। 60 प्लस वालों को बूस्टर डोज लगाए गए। इसमें कुल 78 व्यक्तियों को कोविड-19 का टीका लगाया गया। इस कैंप को प्रिंसिपल बीनू शर्मा, केए पिल्लै, बिजेन्द्र कुमार पांडे, इन्द्रजीत आदि ने सुचारू रूप से संभाला। सेक्टर-3 से आई मेडिकल टीम डॉ तरूण, सोनू व नवीन ने टीकाकरण किया। साईं धाम के व्यवस्था की सराहना की। इस टीकाकरण के दौरान कोविड प्रोटोकोल का पालन किया गया। डा. मोतीलाल गुप्ता, अध्यक्ष शिरडी साईं बाबा टैम्पल सोसाइटी ने कहा कि साईं धाम हमेशा से ही सामाजिक और धार्मिक कार्य में आगे रहता है। अगला कैंप 17 जनवरी से 22 जनवरी 2022 कोविड वैक्सिनेशन कैंप साईं धाम में लगाया जाएगा। कैंप का समय प्रातः 10 बजे से 3 बजे तक रहेगा।

चोरी की बाइक सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान द्वारा चोरी के मामलों पर कार्रवाई करने के दिए गए निर्देश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने तीन आरोपियों को चोरी की मोटरसाईकिल सहित गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रफीक उर्फ सरदार निवासी आशियाना फ्लैट सेक्टर 56, मनीष निवासी गांव कुंडेर जिला भरतपुर, राजस्थान हाल न्यू बसेलवा कॉलोनी ओल्ड फरीदाबाद और फैजू निवासी सवाई माधोपुर राजस्थान हाल भारत कॉलोनी खेड़ी पुल फरीदाबाद के रूप में हुई है।

राजस्थान भाजपा ने नाबालिग की रिपोर्ट में रेप की पुष्टि न होने पर सीबीआई जांच की मांग की

भाषा। जयपुर

अलवर जिले में मानसिक रूप से कमजोर एक नाबालिग के बदहाल एवं घायल अवस्था में मिलने के मामले में राजनीतिक बयानबाजी शनिवार को भी जारी रही और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की है। इस मामले के तूल पकड़ने के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीड़िता के पिता तथा राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से फोन पर बात की। राज्य पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों का हवाला देते हुए कहा है कि पीड़िता से दुष्कर्म की संभावना नहीं है। हालांकि, पुलिस अभी यह पता लगा रही है कि नाबालिग को इतनी गंभीर चोटें कैसे आईं। उल्लेखनीय है कि 14 साल की नाबालिग मंगलवार रात अलवर जिले में मालाखेड़ा थाना क्षेत्र में एक पुल पर बदहाल अवस्था में मिली थी। उसका जयपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, हम मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हैं ताकि सच्चाई सामने आए। उन्होंने पुलिस पर इस मामले यू-टर्न लेने का आरोप लगाया और कहा कि राजस्थान जैसे शांतिपूर्ण राज्य में पिछले तीन वर्षों में अपराध बढ़े हैं। पूनिया ने कहा कि पीड़िता से दरिंदगी की गई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए पूनिया ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा दिया, लेकिन राजस्थान में जो हुआ उसे नजरअंदाज कर दिया। भाजपा का एक प्रतिनिधि मंडल शनिवार को पीड़िता के परिवार से मिलने उसके गांव गया। भाजपा ने इसके विरोध में 17 एवं 18 जनवरी को राज्य के सभी मंडलों पर व्यापक प्रदर्शन की घोषणा की है। उधर, प्रियंका गांधी ने इस मामले को लेकर पीड़िता के पिता तथा मुख्यमंत्री गहलोत से बात की।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी धीरज गुर्जर ने शुक्रवार देर रात ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया, अलवर में जो घटना हुई है वो नाकबिले बर्दाश्त है। पीड़िता के पिता से प्रियंका गांधी की फोन पर बात हुई है। उन्हें हर तरह से मदद का भरोसा दिलाने के साथ ही किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सीधा संपर्क करने के लिए कहा है। गुर्जर ने अगले ट्वीट में कहा, साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत से भी घटना के बारे में जानकारी लेने, पीड़िता के इलाज, परिवार का ख्याल रखने और दोषियों पर त्वरित कार्वाई का आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने शुक्रवार को कहा था इस मामले में राजनीतिक दलों को अनर्गल बयानबाजी नहीं करनी चाहिए और पुलिस को स्वतंत्र रूप से मामले की जांच करने देना चाहिए। गहलोत ने शुक्रवार रात ट्वीट किया, पुलिस ने शुक्रवार को मेडिकल रिपोर्ट व तकनीकी साक्ष्यों का हवाला देते हुए कहा कि पीड़िता से दुष्कर्म की संभावना नहीं है। हालांकि, पुलिस को अभी यह पता नहीं लगा है कि नाबालिग को इतनी गंभीर चोटें कैसे आईं।

बंगाल ट्रेन हादसे की सभी पहलुओं से जांच की जाएगी: रेलवे बोर्ड

जलपाईगुड़ी/कोलकाता। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वी के त्रिपाठी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में उस स्थल का निरीक्षण किया जहां बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई थी। उन्होंने कहा कि हादसे की सभी पहलुओं से गहन जांच की जाएगी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अंतर्गत आने वाले अलीपुरद्वार के दोमोहनी में बृहस्पतिवार को बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे जिससे नौ यात्रियों की मौत हो गई थी और 36 अन्य घायल हो गए थे। त्रिपाठी ने संवाददाताओं कहा, पटरी को सुचारू बनाने के लिए काम चल रहा है और जल्द ही कार्य पूरा हो जाएगा। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की सभी पहलुओं से जांच की जाएगी। पटरी के प्रभावित होने के कारण शुक्रवार को कई इंटरसिटी एवं डीईएमयू ट्रेन रद्द कर दी गई थीं और करीब दस अन्य रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया।

त्रिची में पोंगल समारोह के हिस्से के रूप में जल्लीकट्टू कार्यक्रम में भाग लेते लोग

पंजाब के पूर्व मंत्री जोगिंदर मान आम आदमी पार्टी में शामिल

भाषा। चंडीगढ़

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब के पूर्व मंत्री जोगिंदर सिंह मान कांग्रेस से 50 साल पुराना नाता तोड़ने के एक दिन बाद शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। आप नेता और पंजाब के सह प्रभारी राघव चड्ढा ने कहा कि मान के शामिल होने से राज्य में पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। चड्ढा ने एक ट्वीट में कहा, अरविंद केजरीवाल जी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री और तीन बार के विधायक जोगिंदर सिंह मान जी कांग्रेस के साथ अपने 50 साल पुराने जुड़ाव को समाप्त करते हुए आप में शामिल हो गए। वह पंजाब कृषि उद्योग निगम के अध्यक्ष थे।

चड्ढा ने कहा, मान के शामिल होने से पंजाब में आप की इकाई को काफी मजबूती मिलेगी। चड्ढा ने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें मान को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में पार्टी में शामिल होते दिखाया गया है। अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के नेता मान कथित रूप करोड़ों रुपए के पोस्ट-मैट्रिक एससी छात्रवृत्ति घोटाले के आरोपियों के खिलाफ कोई कार्वाई नहीं होने और फगवाड़ा को जिला का दर्जा नहीं देने पर कांग्रेस से नाराज थे। मान ने कांग्रेस से और पंजाब कृषि उद्योग निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक पत्र में फगवाड़ा के तीन बार के विधायक मान ने कहा कि उनका एक सपना था कि वह ताउम्र कांग्रेस नेता रहते। मान ने बेअंत सिंह, राजिंदर कौर भट्टल और अमरिंदर सिंह के मंत्रिमंडलों में मंत्री के रूप में कार्य किया था। मान ने पत्र में कहा था, मैट्रिक के बाद दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजना के गुनहगारों को कांग्रेस संरक्षण दे रही है, इसलिए मेरी अंतरात्मा मुझे पार्टी में रहने की अनुमति नहीं देती है। पंजाब की 117 विधानसभा सीटों के लिए 14 फरवरी को मतदान होगा और 10 मार्च को नतीजे आएंगे।

भाजपा ने हस्तिनापुर की कांग्रेस की उम्मीदवार पर निशाना साधा, पूर्व मिस बिकनी इंडिया बेपरवाह

लखनऊ, नई दिल्ली (भाषा)। उत्तर प्रदेश की हस्तिनापुर विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अर्चना गौतम मिस बिकनी इंडिया की अपनी पृष्ठभूमि और तस्वीरों को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के प्रयास का आरोप लगाया है, हालांकि खुद अर्चना राजनीतिक हमलों से बेपरवाह नजर आती हैं। कांग्रेस ने 26 वर्षीय अभिनेत्री-मॉडल को पश्चिम उत्तर प्रदेश की इस सीट से अपना उम्मीदवार बनाने के फैसले का बचाव किया है। उसका कहना है कि एक युवा अभिनेत्री के खिलाफ हल्की टिप्पणियां किया जाना शर्मनाक है। मुख्य विपक्षी दल की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, वह किसी भी दूसरी महिला की तरह सम्मान की हकदार हैं। जो लोग उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं वो खुद के महिला विरोधी होने का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर, सौंदर्य, फैशन और मनोरंजन जगत में अर्चना की उपलब्धियों को कमतर नहीं आंका जा सकता। उनकी उम्मीदवारी को कांग्रेस के वादों को पूरा करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के आधार पर परखा जाना चाहिए।

अर्चना की स्विमसूट की तस्वीरें और कुछ अन्य तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया में साझा की जा रही हैं और चर्चा का विषय बन गई हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने पिछले दिनों कांग्रेस के 125 उम्मीदवारों की पहली सूची में जिन 50 महिला उम्मीदवारों का नाम घोषित किया उनमें अर्चना भी शामिल हैं। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रवक्ता अशोक सिंह का कहना है कि पार्टी ने एक कलाकार को राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने का मौका दिया है जिसकी सराहना होनी चाहिए। साल 2018 में मिस बिकनी इंडिया का खिताब जीतने वाली अर्चना हिंदी फिल्म ग्रेट ग्रैंड मस्ती समेत कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस ने सस्ती लोकप्रियता के लिए अर्चना गौतम को टिकट दिया है।

अल्पसंख्यक आयोग ने अलवर की घटना पर राजस्थान सरकार से रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने राजस्थान के अलवर जिले में एक लड़की के खिलाफ कथित तौर पर हुए यौन हमले के मामले में प्रदेश सरकार से रिपोर्ट तलब की है। आयोग की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के मुताबिक, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने अल्पसंख्यक समुदाय की लड़की के खिलाफ यौन हिंसा के मामले से जुड़ी खबरों का संज्ञान लिया और राज्य के मुख्य सचिव से कहा है कि वह 24 जनवरी तक रिपोर्ट दें। अल्पसंख्यक आयोग ने प्रदेश सरकार से सवाल किया है, इस मामले के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया या नहीं? अगर गिरफ्तारी हुई तो किन धाराओं के तहत हुई? अगर गिरफ्तारी नहीं हुई तो अब तक क्या कार्वाई की गई? आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? गौरतलब है कि मानसिक रूप से कमजोर लड़की मंगलवार को अपने घर से घंटों लापता रहने के बाद घायल अवस्था में अलवर के तिजारा पुल के पास मिली। उसे तत्काल अलवर के एक अस्पताल में ले जाया गया, जिसने उसे जयपुर के जे. के. लोन अस्पताल रेफर कर दिया, जहां बुधवार को डॉक्टरों ने उसकी लंबी और जटिल सर्जरी की। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि उसकी मेडिकल रिपोर्ट में बलात्कार या यौन उत्पीड़न की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने शुरुआती जांच में आशंका जताई थी कि यह बलात्कार का मामला हो सकता है, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट आने पर ही इसके स्पष्ट होने की बात कही थी।

बिहार में शराब पीने के बाद चार की मौत, पुलिस जांच में जुटी

भाषा। बिहार शरीफ

मद्य निषेध वाले राज्य बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा के मुख्यालय में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। जान गंवाने वाले सभी चार लोगों की उम्र 50 से 55 साल के बीच थी और ए लोग सोहसराय थाना क्षेत्र के छोटी पहाड़ी और पहाड़ तल्ली इलाके के रहने वाले थे। परिवार वालों का दावा है कि शुक्रवार देर रात शराब का सेवन करने के बाद चारों बीमार पड़ गए और इसके बाद उनकी मौत हो गई।

बिहार शरीफ के उप मंडल अधिकारी कुमार अनुराग ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और कहा कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही शराब सेवन करने की पुष्टि हो सकेगी। बिहार में अप्रैल, 2016 में शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, हालांकि इस पर अमल को लेकर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। पिछले साल दीपावली के आसपास बिहार के चार जिलों में अवैध शराब ने 40 से अधिक लोगों की जान ले ली थी। इन जिलों में से एक था पश्चिम चंपारण। ताजा घटना के बाद शुक्रवार को पश्चिमी चंपारण से भाजपा सांसद संजय जायसवाल को लेकर जद (यू) के प्रवक्ता ने तीखी टिप्पणी की जिस पर राज्य भाजपा अध्यक्ष जायसवाल ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई। जायसवाल ने एक फेसबुक पोस्ट के साथ यह दावा किया कि उन्होंने हमले को मुख्यमंत्री की पार्टी से आने के रूप में लिया और कहा कि उनकी निंदा करने वाले अभिषेक झा जद (यू) के आधिकारिक प्रवक्ता थे। जायसवाल ने कहा कि वह शराब के खिलाफ कानून की समीक्षा करने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि इस कानून को भले ही नेक इरादे से बनाया गया हो, लेकिन इसके लागू होने के बाद से राज्य का नाम खराब हुआ है।

कोलकाता में गंगासागर मेले के लिए ट्रांजिट कैंप में निशुल्क शिविर में नेत्र परीक्षण कराते तीर्थयात्री

एसएफआई कार्यकर्ता की हत्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की भूमिका नहीं, सुधाकरन का दावा

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख के. सुधाकरन ने एसएफआई के एक कार्यकर्ता धीरज राजेंद्रन की हत्या को लेकर राज्य के सत्तारूढ़ दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर निशाना साधते हुए शनिवार को दावा किया कि गिरफ्तार किए गए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का धटना से कोई संबंध नहीं है। कन्नूर के सांसद सुधाकरन ने आरोप लगाया कि 21 वर्षीय युवक मार्क्सवादी पार्टी की हिंसक राजनीति का शिकार हुआ। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्षदर्शियों ने भी यह नहीं कहा कि गिरफ्तार किए गए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने युवक को चाकू घोंपा था।

सुधाकरन ने दावा किया कि केरल छात्र संघ (केएसयू) और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता युवक पर हमला करने के लिए किसी के पीछे नहीं गए और सवाल किया कि पुलिस घायल राजेंद्रन को अस्पताल ले जाने के लिए अनिच्छुक क्यों थी। पुलिस से असली गुनहगारों का पता लगाने का आग्रह करते हुए सुधाकरन ने इस आलोचना को भी खारिज कर दिया कि उन्होंने युवक की मौत पर शोक नहीं जताया। माकपा की छात्र इकाई स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसा संगठन है जो अपनी हिंसक राजनीति के कारण ही राज्य के विश्वविद्यालय परिसरों में हावी होने में कामयाब रहा है और वे केएसयू कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा कर रहे हैं। राजेंद्रन की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में युवा कांग्रेस के नेता निखिल पैली और जेरिन जिजो को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया था। राजेंद्रन कॉलेज का छात्र था। हमले में दो छात्र अभिजीत और अमल भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

मुंबई स्थित रियल्टी समूह, अभिनेता-निर्माता की 410 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई स्थित एक रियल्टी समूह ओमकार रियल्टर्स और अभिनेता-निर्माता सचिन जोशी की एक कंपनी के करीब 410 करोड़ रुपए मूल्य के फ्लैट एवं भूखंड धनशोधन रोधी कानून के तहत कुर्क किए हैं। तेलुगु और हिंदी फिल्मों में अभिनय कर चुके जोशी जेएमजे ग्रुप प्रमोटर और कारोबारी जे एम जोशी के बेटे हैं। जे एम जोशी का गुटखा एवं पान मसाला उत्पादन एवं आतिथ्य-सत्कार से जुड़ा कारोबार हैं। सचिन जोशी ने कुछ फिल्मों का निर्माण भी किया है। निदेशालय ने एक बयान में बताया कि मुंबई के वर्ली में स्थित ओमकार ग्रुप की ओमकार 1973 इमारत के टावर सी में (लगभग) 330 करोड़ रुपए मूल्य के फ्लैट और सचिन जोशी से जुड़ी एक कंपनी के पुणे के विराम में स्थित (लगभग) 80 करोड़ रुपए कीमत के एक भूखंड को कुर्क करने के लिए धनशोधन रोधी कानून (पीएमएलए) के तहत प्रारंभिक आदेश जारी किए गए है। एजेंसी ने कहा, 410 करोड़ रुपए में से, 330 करोड़ रुपए की राशि का ओमकार समूह की इमारत के जरिए शोधन किया गया और 80 करोड़ रुपए (लगभग) की राशि का सचिन जोशी और उनके वाइकिंग समूह की कंपनियों के माध्यम से सेवाओं और निवेश की आड़ में शोधन किया गया। निदेशालय ने पिछले साल जनवरी में इन प्रतिष्ठानों पर छापा मारा था और मार्च में आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें ओमकार रियल्टर्स एंड डेवलपर्स के अध्यक्ष कमल किशोर गुप्ता (62), इसके प्रबंध निदेशक बाबूलाल वर्मा (51) और सचिन जोशी (37) एवं उनकी कंपनियों के नाम शामिल थे। निदेशालय ने तीनों को पिछले साल गिरफ्तार किया था।जोशी को पिछले साल सितंबर में उच्चतम न्यायालय ने चार महीने की अस्थाई जमानत दे दी थी और दो अन्य लोग न्यायिक हिरासत में हैं। केंद्रीय एजेंसी का मामला गुप्ता और वर्मा के खिलाफ औरंगाबाद पुलिस द्वारा 2020 में दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें आनंद नगर झुग्गी बस्ती पुनर्वास प्राधिकार के पुनर्विकास के लिए यस बैंक से लिए गए 410 करोड़ रुपए के ऋण को लेकर धोखाधड़ी करने और इस धन का इस्तेमाल किसी और काम के लिए करने का आरोप लगाया है।

कोविड के बढ़ते मामलों के बीच बंगाल में चार नगर निगमों के चुनावों 12 फरवरी तक टाले गए

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल निर्वाचन आयोग ने कोविड-19 के मामलों के बढ़ने के मद्देनजर शनिवार को चार नगर निगमों के चुनावों को तीन सप्ताह के लिए 12 फरवरी तक स्थगित कर दिया। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, सिलीगुड़ी नगर निगम, चंद्रनगर नगर निगम, बिधाननगर नगर निगम और आसनसोल नगर निगम के चुनाव अब 22 जनवरी के बजाय 12 फरवरी को होंगे। इसमें कहा गया कि मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। इससे पहले दिन में, राज्य सरकार ने एसईसी को एक पत्र भेजा था, जिसमें वर्तमान महामारी की स्थिति के कारण चुनाव की तारीखों को फिर से निर्धारित करने की सहमति दी गई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी आयोग से मामलों में वृद्धि को देखते हुए निकाय चुनाव को चार से छह सप्ताह के लिए स्थगित करने की संभावना तलाशने को कहा था।

नेताजी पर आधारित किताब उनसे जुड़ी अनकही कहानियों को बयां करेगी

भाषा। नई दिल्ली

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर आधारित एक किताब उनसे जुड़ी कई अनकही कहानियों, घटनाओं और विभिन्न मुद्दों पर उनका दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी। किताब में स्वतंत्र भारत के विकास, सांप्रदायिकता की समस्या, भू-राजनीति पर नेताजी की सोच और उनकी राजनीतिक विचारधारा, कैसे उन्होंने राजनीतिक दलों, क्रांतिकारी संगठनों के साथ वार्ता की समेत कई मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। शोधकर्ता और मिशन नेताजी संगठन के संस्थापक चंद्रचूड़ घोष ने बोस: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ एन इनकनवीनिएंट नेशनलिस्ट नामक किताब लिखी है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की वाइकिंग इम्प्रिंट के तहत प्रकाशित किताब का फरवरी में विमोचन होगा।

प्रकाशकों के अनुसार नेताजी की 125वीं जयंती पर आने वाली किताब उनसे जुड़ी कई अनकही और अज्ञात कहानियों को बयां करेगी। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के एक बयान में कहा गया, किताब बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र और संयुक्त प्रांत में क्रांतिकारी समूहों के बीच बोस की गहन राजनीतिक गतिविधियों पर प्रकाश डालती है। बढ़ते सांप्रदायिक विभाजन को पाटने के उनके प्रयास और बिखरते राजनीतिक परिदृश्य के बीच उनका प्रभाव, महिलाओं को लेकर उनका दृष्टिकोण, अध्यात्म की गहराइयों में उतरने के उनके अनुभव, गुप्त अभियानों के लिए उनकी रुचि और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच विद्रोह कराने के उनके प्रयास का भी जिक्र किया गया है। घोष ने कहा कि उनकी किताब ने बोस से जुड़ी उन धारणाओं को दूर करने प्रयास किया है कि वह भारत को आजाद कराने के अपने प्रयास में इतना डूबे हुए थे उन्होंने स्वतंत्र भारत के पुनर्निर्माण की समस्या पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

राकांपा उप्र चुनावों के लिए सपा से सीटों के बटवारे पर कर रही है बातचीत, एक सीट पर बनी सहमतिः मलिक

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बटवारे के फार्मूले पर समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ बातचीत कर रही है और अब तक राकांपा के लिए एक सीट तय की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान स्थिति 1993 की तरह ही है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उस वहां सत्ता पर काबिज होने से रोक दिया गया था। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री मलिक ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, राकांपा और समाजवादी पार्टी ने एक सीट तय की है, जिस पर हम (राकांपा) चुनाव लड़ेंगे। अन्य सीटों के बारे में बात चल रही है। मौजूदा स्थिति उत्तर प्रदेश में 1993 जैसा ही है, जब भाजपा सत्ता से बेदखल हुई थी। उत्तर प्रदेश में 1993 के चुनावों में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने भाजपा को झटका देने के लिए तत्कालीन बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख कांशीराम से हाथ मिलाया था। सपा-बसपा गठबंधन ने अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाई, जबकि उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। मलिक ने कहा, उत्तर प्रदेश के लोग भाजपा की पहचान की राजनीति को खारिज कर रहे हैं, जो एक समुदाय का दूसरे पर प्रभुत्व पैदा कर रहा है। इसलिए, दलित, ओबीसी, मजदूर और किसान जैसे समूह भले के लिए भाजपा से दूर जा रहे हैं।

पोरबंदर में झड़प पर पूर्व सैन्यकर्मी ने कथित रूप से दो लोगों को गोली से उड़ाया

भाषा। पोरबंदर

● ग्यारह लोगों पर मामला दर्ज

गुजरात पुलिस ने शनिवार को बताया कि पोरबंदर में दो पक्षों के बीच झड़प के दौरान एक पूर्व सैन्यकर्मी के कथित रूप से गोली चलाने से दो लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में स्थानीय भाजपा पार्षद और उनके बेटे समेत 11 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात की है। पोरबंदर के पुलिस अधीक्षक रवि मोहन सैनी ने कहा कि पिछले साल फरवरी में हुए नगर पालिका चुनाव में हुए विवाद को लेकर दोनों समूहों में एक-दूसरे के खिलाफ पुरानी रंजिश थी। अधिकारी ने कहा, पिछली रात माहेर समुदाय के दो समूहों के कुछ सदस्य आपस में भिड़ गए। इनमें एक सेना का पूर्व जवान भी था जिसके पास लाइसेंसी हथियार था। नजदीक से गोली मारे जाने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार दो समूहों के कुछ सदस्यों के वाहनों को टक्कर मारने को लेकर झड़प की शुरुआत हुई। इसके बाद दोनों पक्षों ने गाली-गलौज के साथ हवा में फायरिंग शुरू कर दी। रिवॉल्वर, तलवार और बेसबॉल के बल्ले से लैस लोगों ने एक-दूसरे पर हमला शुरू कर दिया जिससे दो की मौत हो गई। एक (शिकायतकर्ता) गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पूर्व सैन्यकर्मी अर्भम ओडेदरा सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और हथियार जब्त कर लिया है। अन्य लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। 11 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास), 143 (गैरकानूनी जमावड़ा), 147 (दंगा), 148 (घातक हथियारों से लैस दंगा) और 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतकों की पहचान कल्पेश भूटिया और राज केशवाला के रूप में हुई है। जिन लोगों पर प्राथिमिकी दर्ज की गई है उनमें स्थानीय भाजपा पार्षद भीमा ओडेदरा और उनका बेटा नीलेश शामिल है।

कुलाधिपति के तौर पर मेरी सहमति के बगैर 25 राज्य विवि के कुलपति नियुक्त किए गएः धनखड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को आरोप लगाया कि कुलाधिपति के तौर पर उनकी सहमति के बगैर अब तक 25 राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीत सरकार द्वारा प्रोफेसर सोमा बंद्योपाध्याय को डायमंड हार्बर महिला विश्वविद्यालय (डीएचडब्ल्यूयू) के नए कुलपति के रूप में नियुक्त करने के 24 घंटों के भीतर धनखड़ ने यह आरोप लगाया है। इससे पहले राज्यपाल ने कुलाधिपति की हैसियत से कला संकाय के डीन प्रोफेसर तपन मंडल को कुलपति नियुक्त किया था, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद को स्वीकार करने से मना कर दिया था। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जोर देकर कहा कि राज्यपाल को सर्च कमेटी द्वारा चयनित नामों को मंजूरी देनी चाहिए और अगर वह अपनी सहमति नहीं देते हैं तो शिक्षा विभाग के पास अपने निर्णय पर आगे बढ़ने की शक्ति है। धनखड़ ने ट्वीट किया, शिक्षा वातावरण-शासक का कानून, कानून का शासन नहीं। कुलाधिपति की मंजूरी के बगैर 24 (अब 25) विश्वविद्यालयों में अवैध रूप से कुलपति की नियुक्ति की गई। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने बयानों के लिए राज्यपाल की आलोचना की है।

पुलिस जरूरत पड़ने पर नन और चर्च को सुरक्षा प्रदान करेगी: कोट्टयम पुलिस

भाषा। कोट्टयम

केरल पुलिस ने शनिवार को कहा कि वह जरूरत पड़ने पर खतरों का आकलन करके नन और ईसाई धर्म से संबंधित कॉन्वेंट को सुरक्षा प्रदान करेगी। पुलिस का यह बयान कोट्टयम स्थित सत्र अदालत के उस फैसले के एक दिन बाद आया है, जिसमें उसने रोमन कैथोलिक बिशप फ्रैंको मुलक्कल को एक नन से बलात्कार के आरोपों में बरी कर दिया। कोट्टयम पुलिस अधीक्षक डी शिल्पा ने कहा कि उन्होंने इस मामले में अपील करने की गुंजाइश को लेकर विशेष लोक अभियोजक से संपर्क किया है। शिल्पा ने कहा, इस मामले में अपील की गुंजाइश का पता लगाने को लेकर हमने विशेष लोक अभियोजक जितेश बाबू से संपर्क किया है। यदि कोई गुंजाइश हुई तो हम जरूरी दस्तावेजों के साथ सरकार से संपर्क करके अपील के लिए अनुमति मांगेंगे। वर्ष 2014 और 2016 के बीच 57 वर्षीय मुलक्कल पर जिले में एक कॉन्वेंट का दौरा करने के दौरान एक नन से कई बार बलात्कार करने का आरोप लगा। इस दौरान वह रोमन कैथोलिक चर्च के जालंधर क्षेत्र (डायोसिस) के बिशप थे। शिकायतकर्ता मिशनरीज ऑफ जीसस की सदस्य है। बिशप को बरी करते हुए कोट्टयम की अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत के न्यायाधीश (प्रथम) ने कहा, पीडि़ता के इस दावे पर विश्वास नहीं किया जा सकता कि 13 मौकों पर दबाव डालकर उससे बलात्कार किया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या कॉन्वेंट में ननों को सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी, इस पर जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सुरक्षा दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा, हम पहले से ही ननों को सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो हम खतरे का आकलन करेंगे और सुरक्षा बढ़ाएंगे। इस बीच बिशप ने विभिन्न गिरजाघरों का दौरा किया और पूर्व विधायक पीसी जॉर्ज के साथ बैठक की।

पीड़िता के बयानों में एकरूपता नहीं होने से विश्वसनीयता पर सवाल : अदालत ने नन मामले में कहा

कोच्चि (केरल)। रोमन कैथोलिक बिशप फ्रैंको मुलक्कल को केरल के एक कान्वेंट में एक नन से बलात्कार के आरोपों से बरी करने वाली अदालत ने पीड़िता के बारे में कहा है कि विभिन्न समय पर अलग-अलग लोगों के समक्ष अलग-अलग बयान ने उसकी (नन की) विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। मुलक्कल को बरी करते हुए, कोट्टायम के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-प्रथम,गोपाकुमार जी. ने घटना के बारे में पीड़िता के बयानों में एकरूपता नहीं होने और अभियोजन के मामले को साबित करने के लिए ठोस साक्ष्य के अभाव सहित विभिन्न कारणों का जिक्र किया। न्यायाधीश ने 289 पन्नों के अपने फैसले में कहा कि पीड़िता का यह दावा कि उसके साथ 13 बार बलात्कार हुआ, इस पर उसकी एकमात्र गवाही के आधार पर यकीन नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि अभियोजन पीड़िता, एक गवाह और अन्य का मोबाइल फोन अदालत के समक्ष पेश करने में नाकाम रहा, जबकि पूरा मामला आरोपी द्वारा पीड़िता को मोबाइल फोन पर भेजे गए कुछ अश्लील संदेशों के आधार पर बनाया गया था।

देश में अब तक कोविड-रोधी टीके की 156 करोड़ से अधिक खुराक दी गई

नई दिल्ली। भारत में शनिवार को कोविड-19 रोधी टीकों की 57 लाख से अधिक खुराक दी गईं। इसके साथ ही देश में अब तक टीकों की 156 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत से अब तक 18 से 44 साल की आयुवर्ग के 52,40,53,061 लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की पहली जबकि 36,73,83,765 लोगों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है। 15 से 18 साल के 3,36,09,191 किशोरों को टीका लगाया जा चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अब तक कुल 90,68,44,414 लोगों को पहली जबकि 65,51,95,703 को दूसरी खुराक दी गई है। भारत में शनिवार तक कोविड टीके की कुल 1,56,63,10,110 खुराक दी जा चुकी हैं। शनिवार को शाम सात बजे तक 57,29,760 लोगों को टीका लगाया गया।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बल्लवपुर में मकर संक्रांति के अवसर पर एक कार्यक्रम में कलाकारों ने आग के साथ कलारीपय मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया।

बच्ची से गलत हरकत करने के प्रयास के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में बूंदी जिले के केशवराय पाटन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को तीन साल की बच्ची से गलत हरकत करने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। बूंदी के पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि बच्ची घर के बाहर खेल रही थी और आरोपी हंसराज बैरवा उसे अगवा कर पास के ही एक स्थान पर ले गया और उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश करने लगा। उन्होंने बताया कि तभी बच्ची की तलाश करते हुए उसके माता-पिता मंदिर पहुंच गए और बच्ची को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सुरक्षा बलों ने बांदीपुरा में आईईडी को निष्क्रिय किया

श्रीनगर। सुरक्षा बलो ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले में एक आईईडी का पता लगाया और उसे निष्क्रिय कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तर कश्मीर के इस जिले के मादेर और पापचन इलाके में बागों की घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान आईईडी बरामद किया गया। बम निरोधक दस्ते ने बिना किसी नुकसान के आईईडी को नष्ट कर दिया।

केरल के मुख्यमंत्री उपचार के लिए अमेरिका रवाना

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन दो सप्ताह के लंबे उपचार के लिए शनिवार को अमेरिका रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी और निजी सहायक भी अमेरिका गए है। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय मे किसी को अपना प्रभार नही सौपा है। उनके कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि विजयन अपने आधिकारिक कर्तव्यों का ऑनलाइन निर्वहन करते रहेगे। वह 29 जनवरी को केरल लौटेगे। 2018 मे उनका अमेरिका के मिनेसोटा स्थित मायो क्लिनिक मे इलाज हुआ था। विजयन अब आगे के इलाज के लिए गए है।

पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी कोरोना वायरस से संक्रमित

पुडुचेरी। पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. नारायणसामी शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। नारायणसामी ने कोविड-19 रोधी टीके की दोनों खुराकें ले ली है। कुछ दिन पहले उन्होंने बूस्टर खुराक भी ले ली थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने फेसबुक पोस्ट मे कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए है और उन्हे हल्के लक्षण महसूस हुए है। नारायणसामी ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद को घर पर अलग कर लिया है। उन्होंने उनके संपर्क मे आए सभी लोगो से जांच कराने और घर पर खुद को अलग करने की अपील की।

रेलवे की लेवल-2 परीक्षा के लिए सात लाख से अधिक अभ्यर्थियों का चयन

नई दिल्ली। रेलवे ने शनिवार को बताया कि उसने नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटगरी (एनटीपीसी) के 35,281 पदो के लिए सात लाख से अधिक अभ्यर्थियो का चयन किया है। एनटीपीसी लेवल-2 परीक्षा के लिए कुल 7,05,620 अभ्यर्थियो का चयन किया गया है। रेलवे की ओर से कहा गया कि प्रत्एक स्तर पर अभ्यर्थियो के चयन करने का काम अलग-अलग किया गया जो उनकी शैक्षिक योग्यता और विकल्पों पर आधारित है। प्रत्एक चरण के कंप्यूटर आधारित परीक्षण (सीबीटी) के लिए प्रत्एक आरआरबी (रेलवे भर्ती बोर्ड) की रिक्तियो के मुकाबले 20 गुना अधिक अभ्यर्थियो को बुलाया गया है। यह भी बताया गया कि यदि कई अभ्यर्थियो ने कट-ऑफ पर समान अंक प्राप्त किए है, तो सभी को बुलाया गया है।

बंगाल भाजपा में असंतोष के स्वर

भाषा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के भीतर असंतोष का स्वर सुनने को मिला जब केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के नेतृत्व में पार्टी के बागी नेताओं के एक समूह ने पार्टी की नवगठित राज्य समिति पर नाराजगी व्यक्त की। भाजपा के कई नेताओं के साथ बैठक करने के वाले ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य और जिला समितियों के गठन में समर्पित और वफादार नेताओं के बलिदान की अनदेखी की गई है जिन्होंने राज्य में पार्टी को इस स्तर तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, जिन लोगों ने भाजपा को राज्य में वर्तमान ऊंचाई तक पहुंचाया है, उन्हें (राज्य) समिति में नजरअंदाज कर दिया गया है। ऐसे नब्बे प्रतिशत नेताओं को इसमें से हटा दिया गया है। महत्वपूर्ण मतुआ और अन्य पिछड़ी जाति के नेताओं को छोड़ दिया गया है। राज्य और जिला स्तर की दोनों समितियां अब अनुभवहीन नेताओं से भरी हुई हैं। मतुआ समुदाय के महत्वपूर्ण नेता ठाकुर ने कहा, क्या कुछ लोग यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रदेश में भाजपा बेहतर नहीं करे। प्रदेश में तृणमूल कांग्रेस को मजबूत करने के उद्देश्य से एक नेता पर भाजपा को कमजोर करने के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए ठाकुर ने कहा कि वह केंद्रीय नेतृत्व के साथ इस मामले को उठाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या जिन नेताओं के साथ उन्होंने बैठक की है, उनके साथ समानांतर समिति गठित करेंगे, ठाकुर ने कहा, थोड़ा और इंतजार करें। हम आपके सामने सब कुछ घोषित करेंगे। हम नरेंद्र मोदी जी के हाथ मजबूत करना चाहते हैं, हम बंगाल से टीएमसी को हटाना चाहते हैं। हम कभी भी भाजपा नहीं छोड़ेंगे। कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के अतिथिगृह में हुई इस बैठक में जॉयप्रकाश मजुमदार, सयांतनु बसु, रितेश तिवारी, अशोक किर्तनिया और सुब्रत ठाकुर ने हिस्सा लिया। इन नेताओं को नव गठित राज्य एवं जिला समितियों में स्थान नहीं मिला है।

मालेगांव विस्फोट मामले में गवाह मुकर रहे हैं, एटीएस के वकील मौजूद रहेंगे: महाराष्ट्र के गृह मंत्री

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों के मुकरने का शनिवार को उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य एटीएस के वकील विशेष एनआईए अदालत के समक्ष चल रहे मुकदमे में मौजूद रहेंगे। शुरू में, इस मामले की जांच महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा की गई थी जो बाद में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दी गई थी। वल्से पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, हाल ही में कुछ गवाह मुकर गए हैं। अब से सुनवाई के दौरान हमारे वकील अदालत में मौजूद रहेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) इस पर केंद्रीय एजेंसी से संवाद करेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व गृह राज्य मंत्री नसीम खान ने इस मुद्दे पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विनीत अग्रवाल से मुलाकात की थी, जो एटीएस के प्रमुख हैं। एटीएस को सौंपे गए ज्ञापन में खान ने मांग की थी कि एटीएस के वकील मुकदमे के दौरान एनआईए अदालत में मौजूद रहें। मामले के आरोपियों में भोपाल से भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर भी शामिल हैं जो जमानत पर हैं। एटीएस पर प्रताडि़त करने और झूठे बयान देने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाते हुए अब तक 223 गवाहों में से 16 गवाह मुकर गए हैं। मालेगांव में 29 सितंबर, 2008 को एक मस्जिद के पास हुए विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी।

क्विक न्यूज

पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को कोर्स पूरा करने का एक और मौका मिला

पुडुचेरी। पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) ने शनिवार को ऐलान किया कि उसके विद्यार्थियों को डिग्री प्रोग्राम पूरा करने के लिए एक और मौका दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के इस फैसले से उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी जो कोर्स पूरा करने की अधिकतम अवधि की सीमा को पार कर चुके है। विश्वविद्यालय के सहायक रजिस्ट्रार के महेश की ओर से यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि एमबीए (वर्ष 2005-06 से 2015-16 तक), एम कॉम, एमए (अंग्रेजी, समाजशास्त्र और हिंदी) समेत अन्य कोर्स (वर्ष 2014-15 से 2015-16) के विद्यार्थियों को जनवरी 2022 सत्र में कोर्स पूरा करने के लिए एक और मौका दिया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक देशभर में विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए ऐसा किया गया। इसमें कहा गया है कि एमबीए विद्यार्थी को वेबसाइट पर दिए गए नए पाठ्यक्रम के अनुरूप समतुल्य पेपर लिखना चाहिए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि डीडीई में विद्यार्थियों को दोबारा पंजीकरण कराना होगा।

पंजाब चुनाव: कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर मोगा विधायक भाजपा में शामिल

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर मोगा सीट से विधायक हरजोत कमल शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत समेत अन्य भाजपा नेताओं की उपस्थिति में कमल ने भाजपा का दामन थामा। गौरतलब है कि 14 फरवरी को एक चरण में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को 86 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इसमें कमल समेत चार मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया गया है। राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने इस बार मोगा सीट से टिकट अभिनेता सोनू सूद की बहन मल्विका सूद को दिया गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और शेखावत समेत अन्य नेताओं को धन्यवाद देते हुए कमल ने कहा, मैं भाजपा में शामिल हो गया। कांग्रेस के लिए 21 साल तक काम करने के मद्देनजर मोगा के मौजूदा विधायक ने पार्टी की ओर से सूद को टिकट देने पर सवाल उठाया। सूद के 10 जनवरी को कांग्रेस में शामिल होने पर कमल ने कहा कि माल्विका को पार्टी में शामिल करना उनके पदों की गरिमा से नीचे का काम है।

समान नागरिक संहिता से संबंधित मामले शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने को लेकर याचिकाएं दायर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में तीन याचिकाएं दायर कर दिल्ली उच्च न्यायालय में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मुद्दे पर लंबित याचिकाओं को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का आग्रह किया गया है। स्थानांतरण याचिकाएं अंबर जैदी, निघत अब्बास और दानिश इकबाल द्वारा दायर की गई हैं, जिनकी समान नागरिक संहिता को लागू करने का आग्रह करने वाली अलग-अलग याचिकाएं दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित हैं। दलीलों में कहा गया है कि हालांकि उच्च न्यायालय ने 20 मार्च, 2020 को समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर दायर जनहित याचिकाओं पर कई केंद्रीय मंत्रालयों को नोटिस जारी किया था, लेकिन उसके बाद कोई पर्याप्त सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि चूंकि याचिकाओं में बहुत महत्वपूर्ण संवैधानिक मुद्दे शामिल हैं, इसलिए इन्हें अंतिम निपटारे के लिए शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करना उचित होगा।

पत्थर की बकरी के सिर वाली योगिनी मूर्ति को भारत लाया जा रहा है : सरकार

नई दिल्ली। संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के बांदा के लोखरी में एक मंदिर से अवैध रूप से हटाई गई 10वीं शताब्दी की पत्थर की बकरी के सिर वाली योगिनी की मूर्ति भारत वापस लाई जा रही है। इससे पहले लंदन में भारतीय उच्चायोग ने मूर्ति बरामद होने की घोषणा की थी। मूर्ति एक बकरी के सिर वाली योगिनी की है, जो मूलरूप से बलुआ पत्थर में पत्थर के देवताओं के एक समूह से संबंधित है और वह लोखरी मंदिर में स्थापित था। वर्ष 1986 में नई दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय की ओर से भारतीय विद्वान विद्या दहेजिया के अध्ययन का यह विषय था, जिसे बाद में योगिनी पंथ और मंदिर : एक तांत्रिक परंपरा शीर्षक के तहत प्रकाशित किया गया था। अक्टूबर 2021 में भारतीय उच्चायोग को बकरी के सिर वाली योगिनी मूर्तिकला की खोज के बारे में जानकारी मिली, जो लंदन के पास एक निजी निवास के बगीचे में पाई गई। यह लोखरी संग्रह के विवरण से मेल खाती थी।

राष्ट्रीय अखंडता और एकजुटता की आरएसएस की परियोजना ने लंबी दूरी तय कर ली है: कृष्ण गोपाल

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल ने राष्ट्रीय हित के मुद्दों को उठाने के लिए संघ से जुड़े प्रकाशन पांचजन्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अखंडता और एकजुटता की आरएसएस परियोजना एक लंबी दूरी तय कर चुकी है और एजेंडा के विरोधी हाशिए पर चले गए हैं। हिंदी साप्ताहिक पांचजन्य की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक वेबिनार में बोलते हुए, उन्होंने विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया जब पत्रिका ने जन-केंद्रित मुद्दों को उठाया। गोपाल ने कहा कि 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में चीन से बढ़ते खतरे या देश के भीतर नक्सलवाद के उदय के बारे में चेतावनी देने में पांचजन्य हमेशा सबसे आगे रहा था। उन्होंने कहा कि पांचजन्य ने सत्ता में बैठे लोगों से जुड़े मुद्दों पर हमेशा सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पांचजन्य ने देश में संघ समर्थित राष्ट्रवाद की भावना को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के अखंडता के बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए, हमारा आधार बहुत मजबूत है। राष्ट्रीय अखंडता और एकजुटता के रथ ने एक लंबा सफर तय किया है।

सेवा बैंड सायन 74वें सेना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान प्रस्तुति देते हुए

जम्मू में सीमा पर पाक नागरिक को पकड़ा गया, छह घंटे में वापस भेजा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पार कर भारत की ओर आए एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल के उपमहानिदेशक तथा जम्मू सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी एस.पी.एस संधू ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद छह घंटे में आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के पश्चात पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ फ्लैग मीटिंग में घुसपैठिए को वापस भेज दिया गया। संधू ने कहा, एक पाकिस्तानी नागरिक आज (शनिवार) दोपहर करीब।

कर्नाटक में 2.5 लाख कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री के सुधाकर ने शनिवार को कहा कि राज्य ने कोविड-19 से निपटने में प्रभावी ढंग से प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया है और अब तक लगभग 2.5 लाख स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को ऑनलाइन मंच के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। सुधाकर ने कहा कि यह पूरे देश के लिए एक मॉडल है। मंत्री ने ऑनलाइन मंच स्टेप वन के सहयोग से लगभग 10,000 चिकित्सा, दंत चिकित्सा और आयुष छात्रों को गृह पृथक-वास देखभाल में प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किए जा रहे डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और छात्रों को संबोधित किया। मंत्री के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया महामारी की पहली लहर के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों को नए वायरस के बारे में प्रशिक्षण देना आवश्यक था। लेकिन लॉकडाउन और अन्य कारणों से जब प्रत्यक्ष तरीके से प्रशिक्षण आयोजित करना संभव नहीं था, ऐसे में लगभग 2.5 लाख स्वास्थ्य सेवा और अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों को राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस) की मदद से ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था।

केंद्र और राज्य की सरकार कर्नाटक के लोगों के सशक्तिकरण के लिए काम करना जारी रखेगी : मोदी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भरोसा दिया कि केंद्र और राज्य सरकार, कर्नाटक के लोगो के सशक्तिकरण के लिए कार्य करना जारी रखेगी। मकर सक्रांति के अवसर पर राज्य के लोगो को आज बधाई देते हुए उन्होने कर्नाटक की पहचान एक ऐसे राज्य के तौर पर की जिसने राष्ट्रीय प्रगति में अभूतपूर्व योगदान दिया है। मोदी ने ट्वीट किया, मकर संक्रांति पर कर्नाटक के मेरे भाइयो और बहनो को बधाई, यह वह राज्य है जो राष्ट्रीय प्रगति मे अभूतपूर्व योगदान करता है। केंद्र और प्रदेश सरकार, राज्य के लोगो के सशक्तिकरण के लिए कार्य करना जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के ट्वीट के जवाब में की जिसमे उन्होने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत मोदी द्वारा ग्रामीणो इलाके मे 18,78,671 बेघरो को और बिना ठौर-ठिकाने (साइटलेस) वाले 6,61,535 परिवारो के लिए आवास की मंजूरी देने पर धन्यवाद ज्ञापित किया था।

कोई पाबंदी नहीं लगाई जाएगी : महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री

भाषा। पुणे (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पुणे और राज्य में अन्य जगहों पर कोविड-19 के मामलों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा कि अभी कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा लेकिन स्थिति के आधार पर अगले सप्ताह कोई निर्णय लिया जाएगा। पवार यहां कोविड-19 समीक्षा बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस बैठक में पुणे जिला प्रशासन, पुणे नगर निगम (पीएमसी), पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) और जिला परिषद के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, दिन प्रतिदिन कोरोना वायरस के मामले बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन आज की बैठक में हमने और प्रतिबंध नहीं लगाने का फैसला किया। मौजूदा प्रतिबंधों में भी अभी ढील नहीं दी जाएगी। लेकिन, अगर जरूरत पड़ी तो अगले हफ्ते फैसला लिया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने हाल में लोगों की आवाजाही पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, पांच या अधिक के समूहों में लोगों की आवाजाही को सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक प्रतिबंधित कर दिया गया है और आवश्यक सेवाओं को छोड़कर रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक किसी को भी आवाजाही की अनुमति नहीं दी गई है। इससे पहले दिन में, जब पत्रकारों ने राज्य में चिकित्सकीय ऑक्सीजन की मांग बढ़ने पर प्रतिबंधों को और सख्त करने के बारे में पूछा, तो पवार ने उद्धव ठाकरे के बजाय उनके पुत्र आदित्य ठाकरे का उल्लेख महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में किया था। इस चूक के बारे में पूछे जाने पर पवार ने शाम में कहा, यह अनजाने में हुआ। जैसे हम गलत होने पर विधानसभा में अपने शब्द वापस लेते हैं तो मैं आदित्य शब्द वापस लेता हूं।

कोविड मामलों में वृद्धि के चलते काम के घंटे घटाने के बंबई उच्च न्यायालय के परिपत्र को चुनौती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय मे एक याचिका दायर कर बंबई उच्च न्यायालय के उस प्रशासनिक परिपत्र को चुनौती दी गई है जिसमे कोविड-19 के मामलो मे वृद्धि चलते कार्यदिवसो के दौरान काम के घंटे घटाकर दोपहर 12 बजे से अपराह्न तीन बजे तक करने की बात कही गई है। बंबई उच्च न्यायालय की प्रशासनिक समिति एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लेकर आई है जिसके अनुसार, उच्च न्यायालय 11 जनवरी से 28 जनवरी तक कार्यदिवसो (सोमवार से शुक्रवार तक) मे भोजन अवकाश के बिना दोपहर 12 बजे से अपराह्न तीन बजे तक काम करेगा। अधिवक्ता घनश्याम उपाध्याय ने जनहित याचिका दायर कर 10 जनवरी को जारी परिपत्र को अवास्तविक और अनुचित करार देते हुए इसे रद्द करने का आग्रह किया है। याचिका मे महाराष्ट्र की सभी अदालतो में डिजिटल सुनवाई का भी आग्रह किया गया है। इसमें कहा गया है कि काम के घंटे कम होने से वकीलो और वादियो को मुश्किलो का सामना करना पड़ रहा है। जनहित याचिका मे मुंबई, पुणे, रायगढ़, अलीबाग और ठाणे मे निचली अदालतो के काम के घंटो को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम चार बजे के बीच बदलने के फैसले को भी चुनौती दी गई है, जिसमें बारी-बारी से रोजाना 50 प्रतिशत कर्मचारियो के मौजूद रहने की बात कही गई है।

गुवाहाटी में पहली बार नव वर्ष की पूर्व संध्या और उरुका पर कोई हादसा नहीं हुआ

गुवाहाटी। शहर में पहली बार उरुका (माघ बिहू त्योहार का पहला दिन) और नए साल की पूर्व संध्या पर कोई सड़क दुर्घटना नहीं हुई। हादसे रोकने के लिए पुलिस ने कई उपाय किए थे। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त हरमीत सिंह ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा, हमने लोगों के लिए दो पहलुओं पर काम किया - शहर की सड़कों पर यात्रा करते समय उनकी सुविधा और सुरक्षा। इसके लिए, हमने लोगों को जागरूक किया और साथ ही मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के निर्देशों के अनुसार कानून को सख्ती से लागू किया। माघ बिहू को भोगाली बिहू के नाम से भी जाना जाता है। यह त्यौहार फसल कटाई के आखिर में असमी माह पुह (दिसंबर जनवरी) में मनाया जाता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नजीम**, पुत्रः **इस्लामुद्दीन**, निवासः **ई-21, 65 फुटा रोड, जनता कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली** ने **FIR No. 243/16 u/s 498A/406/34 IPC, & 4 DP Act, थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त **नजीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नजीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 243/16 u/s 498A/406/34 IPC, & 4 DP Act, थाना वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नजीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.02.2022** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीप्ति दिवेश,
मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, महिला कोर्ट-01,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1304/NE/2022(Court Matter)

16 जनवरी को मनाएंगे राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप इकाइयों को नए भारत का आधार-स्तंभ बताते हुए शनिवार को कहा कि हर साल 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप कारोबारियों को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए कहा, स्टार्टअप की यह संस्कृति देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचे, इसके लिए 16 जनवरी को अब राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया है।

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 10 से 16 जनवरी तक एक सप्ताह चलने वाले कार्यक्रम, सेलिब्रेटिंग इनोवेशन इको-सिस्टम , का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत ही प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप कारोबारियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बताया था कि यह आयोजन स्टार्टअप इंडिया पहल के शुभारंभ की छठी वर्षगांठ के मौके पर किया जा रहा है। मोदी ने इस मौके पर कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके सभी सुझावों, विचारों और नवाचारों को सरकार से पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप नए भारत का आधार-स्तंभ बनेंगे और देश भारत के लिए नवोन्मेष और भारत से नवोन्मेष के मंत्र के साथ आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के स्टार्टअप खुद को आसानी से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचा सकते हैं, इसलिए उन्हें अपने सपनों को स्थानीय (लोकल) नहीं, बल्कि वैश्विक (ग्लोबल) बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2013-14 में जहां चार हजार पेटेंट को स्वीकृति मिली थी, वहीं पिछले वर्ष इनकी संख्या 28 हजार से ज्यादा हो गई। वर्ष 2013-14 में जहां करीब 70 हजार ट्रेडमार्क पंजीकृत हुए थे, वहीं 2020-21 में ढाई लाख से ज्यादा ट्रेडमार्क

पंजीकृत किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 2013-14 में जहां सिर्फ चार हजार कॉपीराइट दिए गए थे, वहीं पिछले साल इनकी संख्या बढ़कर 16 हजार के भी पार हो गई है। उन्होंने कहा कि आज देश में 60,000 से अधिक स्टार्टअप इकाइयां हैं। बीते साल 42 यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली इकाइयां) देश में बने हैं। अब भारत तेजी से यूनिकॉर्न का शतक लगाने की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हज़ारों करोड़ रुपए की ए कंपनियां आत्मनिर्भर होते, आत्मविश्वासी भारत की पहचान हैं। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं, भारत के स्टार्टअप का स्वर्णिम काल तो अब शुरू हो रहा है। नवोन्मेष को लेकर भारत में जो अभियान चल रहा है, उसी का प्रभाव है कि वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में भी भारत की रैंकिंग में बहुत सुधार आया है। 2015 में इस रैंकिंग में भारत 81वें नंबर पर था। अब इस सूचकांक में भारत 46वें स्थान पर है। मोदी ने कहा, भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस दशक में नवोन्मेषण, उद्यमिता और स्टार्टअप के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार जो बड़े पैमाने पर बदलाव कर रही है, उसके तीन अहम पहलू हैं। पहला है उद्यमिता को, नवोन्मेषिता को सरकारी प्रक्रियाओं के जाल से मुक्त करानाअ दूसरा, नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत प्रणाली बनाना तथा तीसरा, युवा नवोन्मेषकों, उद्यमियों को समर्थन देना। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा प्रयास, देश में बचपन से ही विद्यार्थियों में नवाचार के प्रति आकर्षण पैदा करने, नवाचार या नवोन्मेषण को संस्थागत रूप प्रदान करने का है। उन्होंने कहा कि चाहे ड्रोन संबंधी नए नियम हों, या फिर नई अंतरिक्ष नीति, सरकार की प्राथमिकता, ज्यादा से ज्यादा युवाओं को नवोन्मेषण का मौका देने की है।

इस अवसर पर स्टार्टअप कारोबारियों ने छह विषयों पर प्रस्तुतीकरण भी दिए। इनमें ग्रोइंग फ्रॉम रूट्स , नजिंग द डीएनए , फ्रॉम लोकल टू ग्लोबल , टेक्नोलॉजी ऑफ फ्यूचर , बिल्डिंग चैम्पियंस इन मैन्युफैक्चरिंग और सस्टेनेबल डेवलपमेंट शामिल हैं। इन प्रस्तुतियों के लिए 150 से अधिक स्टार्टअप इकाइयों को छह समूहों में बांटा गया था। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों पर अपने विचार साझा किए जिनमें कृषि में तेजी से आंकड़ों के संग्रहण की प्रणाली, भारत को प्रमुख कृषि कारोबार केंद्र बनाना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से निपटना, वर्चुअल टूर जैसे नवोन्मेषी तरीकों से पर्यटन को बढ़ावा देना तथा ऑफलाइन खुदरा बाजार को डिजिटल मंचों से जोड़ना आदि शामिल हैं। प्रस्तुतियों के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस साल आजादी का अमृत महोत्सव के तहत इस स्टार्टअप इंडिया नवोन्मेषण सप्ताह का आयोजन और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि जब भारत अपनी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तो स्टार्टअप की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने कहा कि एंजल टैक्स की समस्याओं को कम करना, कर प्रक्रिया को सरल करना, सरकारी वित्तपोषण की व्यवस्था करना, कुछ श्रम और पर्यावरण कानूनों के स्व प्रमाणन की अनुमति देना जैसे कदमों ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय कार्ययोजना में अतिरिक्त स्थान का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग ढांचे के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, कई निवेशक नई ड्रोन नीति के बाद ड्रोन स्टार्टअप में निवेश कर रहे हैं।

मारुति सुजुकी की कारें आज से 4.3 प्रतिशत तक महंगी हुईं

भाषा। नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपने विभिन्न मॉडलों के दाम 4.3 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के बोझ को आंशिक रूप से कम करने के लिए उसे यह कदम उठाना पड़ा है। कंपनी ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 0.1 से 4.3 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि दिल्ली शोरूम में विभिन्न मॉडलों की भारित औसत कीमत में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नए कीमतें आज से प्रभावी हो गई हैं। मारुति आल्टो से लेकर एस-क्रॉस मॉडल बेचती है। इनकी कीमत 3.15 लाख रुपए से 12.56 लाख रुपए है। पिछले साल मारुति ने अपनी कारों के दाम तीन बार बढ़ाए थे। पिछले साल जनवरी में मारुति ने कीमतों में 1.4 प्रतिशत, अप्रैल में 1.6 प्रतिशत और सितंबर में 1.9 प्रतिशत यानी कुल मिलाकर 4.9 प्रतिशत की वृद्धि की थी। कंपनी ने पिछले महीने कहा था कि आवश्यक जिंसों मसलन इस्पात, एल्युमीनियम, प्लास्टिक और बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान आए उछाल की वजह से उसे अपने वाहनों के दाम बढ़ाने पड़ेंगे।

अक्टूबर से आठ यात्रियों वाले वाहन में कम से कम छह एयरबैग अनिवार्य होंगे

भाषा। नई दिल्ली

इस साल अक्टूबर से आठ यात्रियों वाले वाहन में कम से कम छह एयरबैग अनिवार्य होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा के लिए उठाया जा रहा है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि वाहन में सवार यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर), 1989 में संशोधन कर सुरक्षा फीचर्स को बढ़ाने का फैसला किया गया है। मंत्रालय ने 14 जनवरी को जारी अधिसूचना में कहा कि एक अक्टूबर, 2022 से विनिर्मित एम। श्रेणी के वाहनों में छह एयरबैग लगाना अनिवार्य होगा। दुर्घटना की स्थिति में एयरबैग एक कवच के रूप में काम करता है और ड्राइवर को डैशबोर्ड से टकराने में बचाता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कई ट्वीट कर बताया कि ड्राइवर की सीट पर एयरबैग को एक जुलाई, 2019 से अनिवार्य किया गया है। वहीं आगे ड्राइवर के साथ वाली सीट के लिए एयरबैग को एक जनवरी, 2022 से अनिवार्य किया गया है। गडकरी ने कहा, आठ यात्रियों वाले वाहनों में लोगों की सुरक्षा के लिए मैंने जीएसआर अधिसूचना के मसौदे को मंजूरी दी है। इससे ऐसे वाहनों में न्यूनतम छह एयरबैग अनिवार्य होंगे। जीएसआर से आशय सामान्य सांविधिक नियमों से है।

उन्होंने कहा कि आगे और पीछे की सीटों पर बैठे यात्रियों को दुर्घटना की स्थिति में एक दूसरे से टकराने से बचाने को एम। वाहन श्रेणी में चार अतिरिक्त एयरबैग को अनिवार्य करने का फैसला किया गया है। गडकरी ने कहा, दो साइडासाइड टॉर्सो एयरबैग और दो साइड कर्टेनाट्यूब एयरबैग वाहन में सवार सभी यात्रियों की सुरक्षा करते हैं। यह देश में मोटर वाहनों को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2020 में एक्सप्रेसवे सहित राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर कुल।,16,496 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 47,984 लोगों की जान गई। पिछले साल गडकरी ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा था कि निम्न मध्यम आय वर्ग के लोग छोटी कारें खरीदते हैं। उनमें भी पर्याप्त संख्या में एयरबैग होने चाहिए। उन्होंने कहा था, वाहन कंपनियां बड़ी कारों में आठ एयरबैग देती हैं, ए कारें अमीर लोग खरीदते हैं। उन्होंने सभी वाहन विनिर्माताओं से वाहनों के सभी संस्करणों में कम से कम छह एयरबैग देने का आग्रह किया था।

नई आपूर्ति में 64 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। बीते साल यानी 2021 में दौरान देश के आठ प्रमुख शहरों में औद्योगिक और भंडारण स्थलों की पट्टे (लीज) पर मांग 35 प्रतिशत बढ़कर 3.51 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई, जो 2020 में 2.6 करोड़ वर्ग फुट थी। सेविल्स इंडिया ने यह जानकारी दी है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स की तेज मांग के चलते हुई। संपत्ति सलाहकार सेविल्स इंडिया ने एक रिपोर्ट में बताया कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान नई आपूर्ति 64 प्रतिशत बढ़कर 3.6 करोड़ वर्ग फुट हो गई, जो इससे पिछले साल में 2.2 करोड़ वर्ग फुट थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों और ई-कॉमर्स कंपनियों ने गोदामों की मांग को बनाए रखा। इसकी कुल मांग में 62 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसके बाद 14 प्रतिशत के साथ विनिर्माण क्षेत्र का स्थान था।

मप्र के कृषि विश्वविद्यालय ने विकसित की जई, गेहूं, चावल की नई किस्में

भाषा। जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर में शासकीय कृषि विश्वविद्यालय ने जई, गेहूं, चावल और रामतिल (नाइजर) फसल की नई किस्में विकसित की हैं। ए किस्में अन्य राज्यों में भी उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी के बिसेन ने कहा कि जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेवीवी) ने जई और गेहूं की दो किस्में, चावल की एक और रामतिल (नाइजर) की तीन किस्में विकसित की हैं। इन किस्मों को केंद्र द्वारा उत्पादन के लिए उपयुक्त होने के रुप में अधिसूचित किया गया है उन्होंने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में तीन जनवरी को गजट

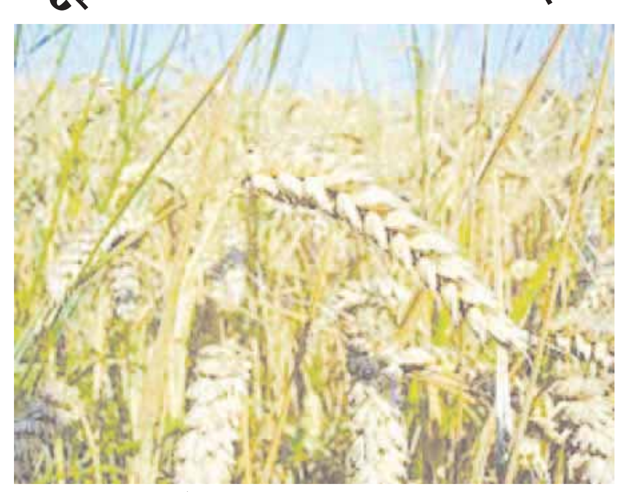

अधिसूचना जारी की है। बिसेन ने कहा, इन नई किस्मों के बीज शीघ्र ही किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे फसलों का गुणवत्तापूर्ण उत्पादन सुनिश्चित होगा और किसान को अधिक आय होगी। जेएनकेवीवी में अनुसंधान सेवाओं के निदेशक डॉ जी के कौटू ने कहा कि नई किस्मों का तीन साल तक परीक्षण विभिन्न कृषि जलवायु में विभिन्न राज्यों में किया गया। उन्होंने कहा कि अनाज की उच्च उपज, रोगों का प्रतिरोध, अनाज की अच्छी गुणवत्ता और कम अवधि की फसल जैसे कई वांछनीय गुणों का संयोजन इन नई किस्मों में है। उन्होंने कहा कि जई के दो नई किस्मों में से जेओ 05-304 महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में उत्पादन के लिए उपयुक्त है, जबकि जेओ 10-506 का उत्पादन ओडिशा, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र, असम और मणिपुर में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गेहूं की नई किस्में- एमपी 1323 और एमपी 1358 और चावल जेआर 10 मध्य प्रदेश के विशिष्ट क्षेत्रों में उगाई जा सकती हैं।

कौटू ने कहा कि नाइजर (रामतील) की तीन किस्में - जेएनएस 521, जेएनएस 2015-9 और जेएनएस 2016-1115 मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सिंचित और असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं।

एचडीएफसी बैंक का तीसरी तिमाही में लाभ 18 प्रतिशत बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

एचडीएफसी बैंक का दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 18.1 प्रतिशत बढ़कर 10,342.20 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। गैर-ब्याज आय बेहतर रहने और डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटने से बैंक का शुद्ध लाभ बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 8,758.29 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकल आधार पर कुल आय बढ़कर 40,651.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 37,522.92 करोड़ रुपए थी। तिमाही के दौरान बैंक की गैर-ब्याज आय एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में करीब 10 प्रतिशत बढ़कर 8,183.6 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। बैंक के

शुद्ध राजस्व में इसकी हिस्सेदारी करीब 31 प्रतिशत रही। तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय 13 प्रतिशत बढ़कर 18,443.50 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 16,317.60 करोड़ रुपए रही थी। बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसका ऋण 16.5 प्रतिशत बढ़कर नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके अलावा जमा पर ध्यान देने से उसका तरलता कवरेज अनुपात 123 प्रतिशत रहा। हालांकि, तिमाही के दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बढ़कर कुल ऋण का 1.26 प्रतिशत हो गईं, जो एक साल पहले समान अवधि में 0.81 प्रतिशत थीं। हालांकि, सितंबर, 2021 की तिमाही के 1.35 प्रतिशत की तुलना में बैंक का सकल एनपीए नीचे आया है। बैंक का शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.09 प्रतिशत से बढ़कर 0.37 प्रतिशत पर पहुंच गया। सितंबर, 2021 की तिमाही में यह 0.40 प्रतिशत था। डूबे कर्ज के अनुपात में वृद्धि के बावजूद तिमाही के दौरान बैंक का प्रावधान और अन्य आकस्मिक खर्च घटकर 2,994 करोड़ रुपए रह गया, जो दिसंबर, 2020 में 3,414.10 करोड़ रुपए था। तिमाही के दौरान बैंक की कुल जमा 13.8 प्रतिशत बढ़कर 14,45,918 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस दौरान बैंक का ऋण 16.5 प्रतिशत बढ़कर 12,60,863 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एकीकृत आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़कर 10,591 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एक साल पहले समान तिमाही में यह 8,769 करोड़ रुपए था। तिमाही के दौरान बैंक की एकीकृत आय 39,839 करोड़ रुपए से बढ़कर 43,365 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक ने कहा, पिछले 12 माह में हमने 294 नई शाखाएं खोली हैं और 16,852 नए लोगों को जोड़ा है।

अमर चित्रकथा फ्यूचर समूह की अनुषंगी बनी

नई दिल्ली। डिबेंचर को इक्विटी में बदलने के बाद अमर चित्र कथा प्राइवेट लि. (एसीकेपीएल) में फ्यूचर समूह की हिस्सेदारी बढ़कर 68.72 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ ही फ्यूचर कंज्यूमर लि. की एसीकेपीएल में बहुलांश हिस्सेदारी हो गई है। फ्यूचर कंज्यूमर ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। फ्यूचर कंज्यूमर लि. ने कहा, इक्विटी शेयरों के आवंटन के बाद कंपनी के पास एसीकेपीएल की चुकता शेयर पूंजी की 68.72 प्रतिशत हिस्सेदारी हो गई है। एसीकेपीएल अब कंपनी की अनुषंगी बन गई है। एसीकेपीएल ने निर्गम की शर्तों के तहत अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) को इक्विटी में बदला है। फ्यूचर कंज्यूमर ने कहा कि उसे 14 जनवरी, 2022 को एक रुपए अंकित मूल्य के एसीकेपीएल के 3,20,159 इक्विटी शेयर 376 रुपए प्रति शेयर के प्रीमियम पर आवंटित किए गए हैं।

बिजली मंत्रालय ने तेजी से ईवी चार्जिंग ढांचे की स्थापना के लिए मानदंडों में संशोधन किया

भाषा। नई दिल्ली

बिजली मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग ढांचे की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए संशोधित नियम जारी किए हैं। इससे देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के तेजी से प्रसार में मदद मिलेगी।

संशोधित दिशानिर्देशों के तहत ईवी मालिक अपने निवास या कार्यालय के मौजूदा बिजली कनेक्शन का इस्तेमाल कर इन वाहनों को चार्ज कर सकेंगे। इसके अलावा ईवी चार्जिंग अवसंरचना की स्थापना को लाइसेंस मुक्त भी कर दिया गया है। बिजली मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने 14 जनवरी, 2022 को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग अवसंरचना के संशोधित समेकित दिशानिर्देश और मानक जारी

किए हैं। बयान में कहा गया कि इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य सुरक्षित, भरोसेमंद, सुलभ और किफायती चार्जिंग ढांचे को बढ़ावा देना है, ताकि देश तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपना सके। बयान के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति या संस्था किसी लाइसेंस अनिवार्यता के बिना ही सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर सकते हैं, बशर्ते ऐसे स्टेशन तकनीकी के साथ सुरक्षा और प्रदर्शन मानकों और प्रोटोकॉल को पूरा करते हों।

इलेक्ट्रिक वाहनों की वृद्धि की अवधि में चार्जिंग स्टेशनों को आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाने के लिए इसके लिए इस्तेमाल की जाने वाली जमीन को राजस्व भागीदारी मॉडल बनाया गया है। सरकारीसार्वजनिक इकाइयों के पास मौजूद जमीन को सार्वजनिकासरकारी इकाइयों को सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (पीसीएस) लगाने के लिए राजस्व भागीदारी मॉडल के आधार पर दिया जाएगा। इसके तहत भूमि का स्वामित्व रखने वाली एजेंसी को एक रुपएाकेडब्ल्यूएच की निश्चित दर पर भुगतान किया जाएगा। पीसीएस यह भुगतान तिमाही आधार पर करेंगे। दिशानिर्देशों में आदर्श राजस्व भागीदारी करार को शामिल किया गया है।

पेज एक का शेष

भाजपा की...

बिहारी लाल, बरेली से डॉ. अरुण सक्सेना, बरेली कैंट से संजीव अग्रवाल, कटरा से वीर विक्रम सिंह प्रत्याशी होंगे। भाजपा ने 107 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। यूपी प्रभारी ने दावा किया है कि 2017 की तरह 2022 में भी भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत से यूपी में सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि 2017 में जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत का जनादेश दिया था। योगी सरकार ने पिछड़े पांच साल में, दंगाइयों व भ्रष्टाचारियों पर रोक लगाई है। अब प्रदेश में रात को 12 बजे भी एक महिला घर से बाहर निकल सकती है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का जाल बिछाया जा रहा है। जेवर एयरपोर्ट बन रहा है। एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। यह भाजपा सरकार की नीतियों का ही प्रभाव है कि यूपी आज बीमारू राज्य नहीं है बल्कि विकास का सिरमौर बनने की तरफ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि यूपी की जनता एक बार फिर हम 300 से ज्यादा सीटें जीतेंगे।

बसपा के...

दादरी से मनवीर सिंह भाटी और जेवर से नरेंद्र भाटी 'दादा' का नाम शामिल है। गौतमबुद्ध नगर जिले में दादरी बसपा सुप्रीमो मायावती का गृह क्षेत्र भी है। बसपा की सूची के अनुसार शामली की कैराना सीट से राजेंद्र सिंह उपाध्याय, शामली सीट से ब्रिजेंद्र मलिक, मुजफ्फरनगर से पुष्पांकर पाल, सरधना से संजीव कुमार धामा, मेरठ कैंट से अमित शर्मा तथा मेरठ दक्षिण से कुंवर दिलशाद अली, मुरादनगर से अययूब इदरीशी, गाजियाबाद से सुरेश बंसल तथा मोदीनगर से पूनम गर्ग प्रत्याशी होंगे। बसपा 15 जनवरी को मायावती के जन्मदिन को 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाती है। उत्तर प्रदेश में पहले चरण के विधानसभा चुनाव का मतदान 10 फरवरी को है। चुनाव परिणाम 10 मार्च को घोषित किए जाएंगे।

भाजपा ने...

कहा मथुरा, कभी कहा अयोध्या, और अब कह रहे हैं, गोरखपुर, जनता से पहले इनकी पार्टी ने ही इन्हें वापस घर भेज दिया है। दरअसल उन्हें टिकट मिली नहीं है, उनकी वापसी की टिकट कट गई है। यूपी कहे आज, नहीं चाहिए भाजपा, बाइस में बाइसिकल। अखिलेश ने कहा, मैं भाजपा से कहूंगा कि अब उसके किसी भी विधायक या मंत्री को नहीं लूंगा। आप जिसके टिकट काटना चाहते हैं, काट सकते हैं। हालांकि, उन्होंने बाद में कहा कि एक को लूंगा, लेकिन उसका नाम नहीं बताया। उन्होंने भाजपा छोड़ चुके पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान के बारे में कहा कि चौहान को जल्द ही पार्टी में शामिल कर लिया जाएगा। कांग्रेस के बारे में सवाल पूछे जाने पर अखिलेश ने कहा, कांग्रेस में केवल साजिश चल रही हैं। दिल्ली में बैठकर केवल साजिश चल रही हैं। कांग्रेस केवल साजिश कर रही हैं कि सपा को कैसे हरा दे? सपा को कैसे नुकसान हो? कांग्रेस दिन रात यहीं कोशिश कर रही हैं कि सपा को कैसे कमजोर कर दे? अखिलेश ने अपने कार्यकर्ताओं से कोविड-19 मानदंडों का पालन करने की अपील की और कहा कि कोविड मानदंडों का पालन नहीं करने से उन पर सवाल उठेगा। उन्होंने कहा, सभी नेता और कार्यकर्ता अपने-अपने इलाकों और विधानसभा क्षेत्रों में रहें। हम जानकारी एकत्र कर रहे हैं।

18 साल...

वर्षों से भगवा का कब्जा रहा है। इन 33 वर्षों में कुल आठ चुनाव हुए जिनमें से सात बार भाजपा और एक बार अखिल भारतीय हिन्दू महासभा योगी आदित्यनाथ के समर्थन से के उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के टिकट पर डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने 2002 में भाजपा के चार बार के विधायक पूर्व मंत्री शिवप्रताप शुक्ल को हराया था। पहला चुनाव जीतने के बाद वह भाजपा में शामिल हो गए थे। तब से लगातार वह इस सीट से जीतते आ रहे हैं। राधा मोहन दास अग्रवाल के पहला चुनाव जीतने से लेकर आज तक माना जाता है कि इस सीट पर जीत और हार के समीकरण गोरखनाथ मंदिर में तय होते हैं। 1989 से पहले इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा हुआ करता था। 1989 में भाजपा ने शिव प्रताप शुक्ला को गोरखपुर सदर सीट से अपना उम्मीदवार बनाया और उन्होंने पहली बार भगवा फहराया। तब से उनकी जीत का सिलसिला लगातार चार चुनाव तक जारी रहा लेकिन 2002 के चुनाव में गोरखपुर की राजनीतिक परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि शिवप्रताप के मुकाबले गोरखनाथ मंदिर के समर्थन से अखिल भारतीय हिंदू महासभा से राधा मोहन दास अग्रवाल मैदान में उतर आए और चुनाव जीतने के बाद वह भाजपा के हो गए और तबसे भाजपा में ही हैं। 2007 का चुनाव राधा मोहन अग्रवाल ने भाजपा के टिकट पर लड़ा और विजयी हुए। भाजपा की जीत का यह सिलसिला 2012 और 2017 में भी कायम रहा। 2017 के विधानसभा चुनाव में डॉ. अग्रवाल को 122221 वोट मिले थे।

टिकट बटवारे...

बंटवारे में जगह दे रही है। बीजेपी ने जातिगत गणित का भी पूरा ध्यान रखा गया है। टिकट वितरण में अगड़ों के साथ ही पिछड़ों और दलितों को तरजीह दी गई है। बसपा के वोट बैंक पर नजरें गढ़ाते हुए कई जाटव प्रत्याशियों पर भी दांव लगाया गया है। पार्टी ने कुछ विधान परिषद सदस्यों को भी चुनाव मैदान में उतारा है। प्रत्याशी चयन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के यूपी को लेकर अनुभव की छाप भी दिखाई दे रही है। जिन सीटों पर सहमति नहीं बन सकी है, वहां दूसरे दलों के प्रत्याशियों के जातीय समीकरण को देखते हुए पार्टी प्रत्याशी उतारेगी।

पंजाब में...

से उनके पुत्र मोहित मोहिंद्रा को टिकट दिया गया है। सरकार के अन्य वरिष्ठ मंत्री अपने-अपने क्षेत्रों से ही चुनाव लड़ रहे हैं। वित्त मंत्री मनप्रीत बादल बठिंडा (शहर) से, लोक निर्माण मंत्री विजय इंदर सिंगला संगरूर से, जल आपूर्ति मंत्री रजिया सुल्ताना मलेरकोटला से, उद्योग मंत्री गुरकीरत सिंह कोटली, खन्ना से चुनाव लड़ेंगे। इसी तरह, राणा गुरजीत सिंह कपूरथला विधानसभा क्षेत्र और राजकुमार वेरका अमतृसर पश्चिम से कांग्रेस उम्मीदवार होंगे। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा कादियान से चुनाव लड़ेंगे। इस सीट से पिछली बार बाजवा के भाई फतेहजंग सिंह बाजवा निर्वाचित हुए थे जो अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री रजिंदर कौर भट्टल को संगरूर जिले की लेहरा विधानसभा सीट से लड़ेंगी जहां वह पिछली बार हार गई थीं। हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुईं अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका सूद मोगा से पार्टी की उम्मीदवार होंगी। कांग्रेस ने मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला को मानसा से उम्मीदवार बनाया है। प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बरिंदर सिंह ढिल्लन को रूप नगर से टिकट दिया गया है। गौरतलब है कि पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों के लिए 14 फरवरी को मतदान होना है। 10 मार्च को मतगणना होगी।

सेना के...

किया गया है। सूत्रों ने कहा कि यह वर्दी अधिक आरामदायक है और इसे सभी प्रकार के इलाकों में पहना जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल पैटर्न के आधार कंप्यूटर की सहायता से तैयार किया गया है। नई यूनिफॉर्म में शर्ट को ट्राउजर में खोसना जरूरी नहीं है। पुरानी यूनिफॉर्म में शर्ट को खोसना पड़ता था। नई यूनिफॉर्म खुले बाजार में नहीं मिलेगी। नई लड़ाकू वर्दी के संबंध में उन्होंने कहा कि यह एक डिजिटल पैटर्न का है जो कर्मियों को आराम के अलावा युद्ध के मैदान में बेहतर छलावरण करने में मदद करेगा। सेना के इस साल के मध्य से नई लड़ाकू वर्दी प्रयोग करने की संभावना है। वर्दी जैतून और मिट्टी सहित रंगों का मिश्रण होगी। वर्दी को औपचारिक रूप से युद्ध पोशाक वर्दी (बीडीयू) के रूप में जाना जाता है। अमेरिका और यूरोपीय सेनाओं सहित कई देशों ने परंपरागत वर्दी की जगह पर डिजिटल पैटर्न की वर्दी अपना लिया है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना ने इन देशों की पोशाक का अध्ययन करने के बाद अपनी लड़ाकू वर्दी में बदलवाव करने का फैसला किया। वर्दी में सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए आराम का भी ध्यान रखा गया है, वर्दी में छलावरण के लिए मोनोक्रोम में हरे या भूरे रंग का पृष्ठभूमि के साथ मिश्रण किया जाता है। नई लड़ाकू वर्दी हल्की और टिकाऊ सामग्री से बनी है जो गर्मी और सर्दी दोनों के लिए उपयुक्त है, क्योंकि सेना सियाचिन ग्लेशियर में माइनस 40 डिग्री से लेकर थार रेगिस्तान में 50 डिग्री प्लस तक के सभी प्रकार के इलाकों में काम करती है। इस बीच, सेना कर्मियों के रैंक को चिह्नित करने वाले कंधे या कॉलर टैग लगाने पर काम कर रही है। दुनिया भर की कुछ सेनाओं में उनकी लड़ाकू वर्दी के बटन पर ऐसे रैंक चिह्न होते हैं। हालांकि, कुछ अन्य लोग युद्ध के मैदान में गोपनीयता बनाए रखने के लिए कंधों पर कोई रैंक या टैग नहीं रखना पसंद करते हैं।

पंजाबी लहर ने भारत-पाक के सैकड़ों परिवारों को फिर से जोड़ा : ब्लॉगर

भाषा। लाहौर

भारत और पाकिस्तान को जोड़ने वाले ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे की तरह ही पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल पंजाबी लहर ने सीमा के दोनों तरफ रहनेवाले 200 दोस्तों एवं परिवारों को फिर से मिलवाया है। इस चैनल ने 74 साल बाद विभाजन के वक्त बिछड़े भाइयों को मिलवाया और इस नजारे को देख लोगों की आंखों में आंसू आ गए। भाव-विभोर कर देने वाले इस पुनर्मिलन के एक वीडियो में इस सप्ताह वीजा-मुक्त करतारपुर गलियारे पर बुजुर्ग भाइयों, एक भारत से और दूसरा पाकिस्तान से, को एक-दूसरे को गले लगते देखा गया। यह वीडियो वायरल हो गया है।

पाकिस्तान के पंजाब के 84 वर्षीय सद्दीकी खान और भारत के पंजाब के उनके भाई हबीब उर्फ सिक्का खान की भावुक मुलाकात भाइयों के अपने-अपने घर लौटने से पहले एक घंटे से अधिक समय तक चली। वर्ष 1947 में विभाजन के दौरान अलग हुए अस्सी साल के दो भाइयों के पुनर्मिलन ने करतारपुर में तीर्थयात्रियों को प्रभावित करने के अलावा पाकिस्तान स्थित यूट्यूब चैनल की ओर भी सबका ध्यान दिलाया, जिसने उन्हें 74 वर्षों के बाद एक-दूसरे से मिलने और गले लगाने में मदद की।करीब 5,31,000 सब्सक्राइबर के साथ अपना यूट्यूब चैनल चलाने वाले नासिर ढिल्लों ने कहा कि चैनल का मकसद, पूर्वी और पश्चिमी पंजाब में विभाजन से पैदा हुई दूरी को मिटाना है। ढिल्लों ने पीटीआई-भाषा से कहा, दोनों ओर से भारतीय और पाकिस्तानी पंजाब के लोगों की मदद से हमने सीमा पार से करीब 200 दोस्तों एवं परिवारों को फिर से मिलवाया है। ननकाना साहिब के भूपेंद्र सिंह लवली के साथ चैनल का संचालन करने वाले ढिल्लों ने कहा, 1947 में विभाजन के खूनी दंगों के दौरान सीमा के दोनों तरफ के लोगों के पास अपने परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों से अलग होने की कहानियां हैं और कुछ न कुछ लिंक वीडियो कहानियों से मिल जाता है जिससे उन्हें अपने प्रियजनों, दोस्तों तथा अपने पूर्वजों का घर ढूंढ़ने में मदद मिलती है। पंजाब पुलिस में 12 साल तक पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करनेवाले फैसलाबाद के 37 वर्षीय व्यक्ति ने करीब चार साल पहले अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था। उन्होंने कहा कि उनके दादा ने उन्हें विभाजन से अलग हुए परिवारों और दोस्तों को फिर से जोड़ने और सीमा पार के लोगों के बीच प्यार को बढ़ावा देने के लिए चैनल शुरू करने की प्रेरणा दी। तीन बच्चों के पिता ढिल्लों ने कहा कि अगर भारत सरकार उन्हें वीजा दे दे तो वह भी अपने पैतृक गांव जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि भारत ने कोविड-19 के कारण प्रतिबंध नहीं लगाए होते तो सिक्का और सादिक दोनों भाई एक साल पहले गलियारे पर मिल सकते थे। ढिल्लों ने पाकिस्तान और भारत की सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों को एक-दूसरे देश में वीजा मुक्त यात्रा की अनुमति देने का आग्रह किया है।

पाक ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अमीर विदेशियों को स्थाई निवासी का दर्जा देने की पेशकश की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कनाडा और अमेरिका में रह रहे सिखों, अफगानों, चीनियों सहित अमीर विदेशी नागरिकों के लिए स्थाई निवास योजना की पेशकश करने का फैसला किया है, ताकि निवेश को आकर्षित किया जा सके एवं अर्थव्यवस्था एवं राष्ट्रीय विकास को गति दी जा सके। यह जानकारी शनिवार को सामने आई। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने रात को ट्वीट कर योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है, जिसे शुक्रवार को प्रधानमंत्री इमरान खान ने जारी किया था।

उन्होंने ट्वीट किया, यह योजना नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है, जिसमें पाकिस्तान ने भू-अर्थशास्त्र को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत के केंद्र में रखा है। सरकार ने विदेशी नागरिकों के लिए स्थाई निवास योजना की अनुमति देने का फैसला किया है। नई नीति विदेशियों को निवेश के बदले स्थाई निवासी का दर्जा देने की अनुमति देगी। द एक्सप्रेस ट्रब्यून अखबार ने खबर दी कि योजना की पृष्ठभूमि को साझा करते हुए संघीय मंत्री ने कहा कि स्थाई निवास योजना का एक उद्देश्य अमीर अफगानों को आकर्षित करना है, जो पिछले साल अगस्त में काबुल की सत्ता तालिबान के हाथ में आने के बाद तुर्की और मलेशिया जैसे देशों में पलायन कर रहे हैं। चौधरी ने कहा, उन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। इसके साथ ही मंत्री ने कहा कि योजना का लक्ष्य अमेरिका और कनाडा में रहने वाले सिखों को आकर्षित करना है, जो धार्मिक स्थलों खासतौर पर करतारपुर गलियारे में निवेश करने को इच्छुक हैं, लेकिन अभी ऐसा करने का विकल्प नहीं है। उन्होंने बताया कि तीसरा लक्ष्य चीनी नागरिकों को प्रोत्साहन देना है जो पाकिस्तान में उद्योग लगाने को इच्छुक हैं। चौधरी ने कहा, यह ऐतिहासिक कदम है...पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार विदेशियों को रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश की अनुमति दी जा रही है।

उ. कोरिया ने ट्रेन से किया मिसाइल परीक्षण

एपी। सियोल

उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने एक ट्रेन से बैलिस्टिक मिसाइल का प्रायोगिक परीक्षण किया है, जिसे अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन द्वारा लगाए गए हालिया प्रतिबंधों का जवाब माना जा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा था कि उसे उत्तर कोरिया द्वारा दो मिसाइलें समुद्र की ओर दागे जाने का पता चला, जो इस महीने में उसका तीसरा मिसाइल परीक्षण है। इसके एक दिन बाद उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। इस परीक्षण के कुछ समय पहले ही उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने देश के पूर्व के परीक्षणों को लेकर उस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की थी और यह चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका टकराव वाला रवैया बनाए रखता है तो उसके खिलाफ सख्त और कड़े कदम उठाए जाएंगे।

उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में नई मिसाइलों का परीक्षण तेज कर दिया है। कुछ विशेषज्ञों ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग कुछ रियायतों की मांग करने के लिए बातचीत की पेशकश से पहले मिसाइल परीक्षणों के जरिए अपने पड़ोसियों और अमेरिका पर दबाव बनाने की अपनी सोची समझी रणनीति को फिर से अपना रहे हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा कि शुक्रवार के अभ्यास का उद्देश्य सेना की रेल-जनित मिसाइल रेजिमेंट की क्षमता की जांच करना था। उत्तर कोरिया के रोडोंग सिनमुन अखबार ने धुएं में घिरे रेल के डिब्बों से ऊपर उड़ रहीं दो अलग-अलग मिसाइलों की तस्वीरें प्रकाशित कीं।

न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के सिख टैक्सी चालक पर हमला का आरोपी गिरफ्तार, घृणा अपराध का आरोप

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के जेएफके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय मूल के सिख टैक्सी चालक पर हमला करने, उसकी पगड़ी से छेड़छाड़ करने और पगड़ी वाले लोग अपने देश वापस जाओ की फब्ती कसने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ नस्ली घृणा अपराध का अभियोग लगाया गया है। सिख टैक्सी चालक पर तीन जनवरी को हमला करने के आरोप में बृहस्पतिवार को मोहम्म्द हसनैन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ति द्वारा पहचान गोपनीय रखने का अनुरोध करने पर उसकी पहचान केवल मिस्टर सिंह बताई गई है। समुदाय आधारित नागरिक एवं मानवाधिकार संगठन सिख कोएलिशन ने बताया कि न्यूयॉर्क के पत्तन प्राधिकरण और न्यूजर्सी पुलिस विभाग (पीएपीडी) ने शुक्रवार को सिंह पर हमले के आरोप में हसनैन को गिरफ्तार करने की पुष्टि की। संगठन ने कहा कि इसे हमले को नस्ली घृणा अपराध माना जाए क्योंकि हसनैन ने अपमानजनक लहजे में पीडित को अपने देश जाने और पगड़ी वाला व्यक्ति कहा।

सिंह ने द सिख कोएलिशन को भेजे बयान में कहा, मैं कानून प्रवर्तन एजेंसियों, द सिख कोएलिशन और समुदाय के उन सभी लोगों के प्रति शुक्रगुजार हूं जिन्होंने इस मुश्किल समय में ताकत दी। उल्लेखनीय है कि नवजोत पाल कौर ने घटना का 26 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर चार जनवरी को पोस्ट किया था जो वायरल हो गया था। न्यूयॉर्क में तैनात भारत के महावाणिज्य दूत ने सिख टैक्सी चालक पर हमले को बहुत ही परेशान करने वाला करार दिया था और कहा था कि उन्होंने इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाया है और उनसे इस हिंसक घटना की जांच का आह्वान किया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने भी घटना पर संज्ञान लिया था और बहुत परेशान करने वाला करार दिया था।

टोंगा के निकट समुद्र में ज्वालामुखी फटा, द्वीपवासी सुनामी की लहरों से बचने के लिए तट से दूर गए

एपी। वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)

टोंगा के पास समुद्र के अंदर ज्वालामुखी फटने के बाद शनिवार को तट की ओर बढ़ती विशाल लहरों को देखा गया, जिनसे बचने के लिए लोग ऊंचे स्थानों पर जाते नजर आए। इन लहरों के कारण नुकसान कितना हुआ है और किसी के हताहत होने की भी फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है। इसका कारण यह है कि इस छोटे देश के साथ संपर्क एवं संचार सेवाएं उतनी अच्छी नहीं हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बड़ी लहरें तटीय क्षेत्रों में घरों और इमारतों के चारों को दिख रही हैं।

न्यूजीलैंड की सेना ने बताया कि वह हालात पर नजर रख रही है और जरूरत पड़ने पर यदि उसकी सहायता मांगी जाती है, तो वह तैयार है। उपग्रह से ली गई तस्वीर में दिख रहा है कि प्रशांत महासागर के नीले पानी के ऊपर मशरूम के आकार में राख, भाप और गैस का गुबार उठ रहा है। टोंगा मौसम विज्ञान सेवा ने बताया कि पूरे टोंगा के लिए सुनामी की चेतावनी लागू की गई है और प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र के आंकड़ों ने 80 सेंटीमीटर ऊंची लहरों का पता लगाया गया है। निकटवर्ती फिजी और समोआ में भी प्राधिकारियों ने चेतावनी जारी की है और लोगों को मजबूत एवं खतरनाक लहरों के मद्देनजर समुद्रतट के निकट जाने से बचने की हिदायत दी है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि जापान के तट के नजदीक जलस्तर में हल्की वृद्धि हो सकती है लेकिन इससे नुकसान होने की उम्मीद नहीं है। आइलैंड बिजनेस समाचार साइट ने बताया कि पुलिस और सैन्य बलों के एक काफिले ने टोंगा के राजा टुपो षष्ठम को समुद्र तट के पास स्थित उनके महल से बाहर निकाला। राजा टुपो षष्ठम समेत कई निवासियों को ऊपरी इलाकों में ले जाया गया है। टोंगा के हंगा टोंगा हंगा हापाई ज्वालामुखी में यह विस्फोट हुआ है। डॉ. फाकाइलोएटोंगा ताउमोएफोलाउ नामक एक ट्विटर यूजर ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें लहरें किनारे को पारकर रिहायशी क्षेत्र में जाती दिख रही हैं। उसने लिखा, ज्वालामुखी फटने की आवाज को वास्तव में सुन सकता हूं, यह बहुत उग्र लग रहा है। उसने लिखा, राख और छोटे-छोटे कंकड़ बरस रहे हैं, आसमान में अंधकार छा गया है।

कजाकिस्तान से लौटे रूसी सैनिक

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कजाकिस्तान में हिंसक प्रदर्शन के बाद वहां तैनात किए गए रूसी सैनिक वापस आ गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, सैनिकों को सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन के तहत शांतिरक्षक के रूप में भेजा गया था। सीएसटीओ पूर्व सोवियत संघ का हिस्सा रहे छह देशों का रूस के नेतृत्व वाला संगठन है जिसने कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्त तोकाएव के अनुरोध पर पांच जनवरी को दो हजार से अधिक सैनिकों को भेजने का फैसला किया था। कजाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में हुई भारी वृद्धि के खिलाफ दो जनवरी को प्रदर्शन शुरू हुए थे और जल्द ही ए पूरे देश में फैल गए तथा कुछ दिनों में ही ए हिंसक आंदोलन में तब्दील हो गए। प्रदर्शनकारी सरकारी इमारतों में दाखिल हो गए और उनमें आग लगा दी तथा सुरक्षाबलों के साथ झड़प में कई लोगों की मौत भी हुई।

क्विक न्यूज

अमेरिका के ओरेगन में संगीत कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी में छह लोग घायल

यूजीन (अमेरिका)। अमेरिका के ओरेगन राज्य के यूजीन शहर में शुक्रवार रात संगीत कार्यक्रम के दौरान अज्ञात व्यक्ति की गोलीबारी में छह लोग घायल हो गए। गोलीबारी करने वाले व्यक्ति को अभी तक पकड़ा नही जा सका है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को यूजीन के वॉव हॉल में रात साढ़े नौ बजे गोलीबारी की सूचना मिली। यूजीन के पुलिस प्रमुख क्रिस स्कीनर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, पुलिस अधिकारी जब घटनास्थल पर पहुंचे तो छह लोगों के घायल होने की जानकारी मिली। घटना के बाद लोग वहां से निकलने का प्रयास कर रहे थे। स्कीनर ने बताया कि छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जिनमें से एक की हालत गंभीर है। पुलिस और वॉव हॉल के संचालकों ने बताया कि संगीत कार्यक्रम के आयोजन स्थल के पार्किंग वाले स्थान पर गोलीबारी की घटना हुई। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में अब तक किसी को हिरासत में नही लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि यह पता नही चल पाया है कि किस वजह से गोलीबारी की यह घटना हुई। यूजीन, ओरेगन के पोर्टलैंड शहर से दक्षिण में 177 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

मरीन कोर ने कोविड-19 टीके से पहली धार्मिक रियायतों को मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना की मरीन कोर ने धार्मिक कारणों के आधार पर दो मामलों में पहली बार कोविड-19 टीकों से छूट को मंजूरी दे दी है। अब तक किसी अन्य सैन्य सेवा ने इस तरह की छूट नही दी है। मरीन कोर ने शुक्रवार को कहा कि ए दो रियायतें पिछले 10 वर्षों में कोर द्वारा स्वीकृत पहली रियायतें हैं। बृहस्पतिवार तक, मरीन कोर को अनिवार्य टीकाकरण में धार्मिक आधार पर छूट देने के 3,350 अनुरोध प्राप्त हुए थे और 3,212 को अस्वीकार कर दिया गया। निजी कारणों से, इन दो खास मंजूरियों के बारे में ज्यादा जानकारी नही दी गई है। धार्मिक छूट देने में विफलता के लिए सेवाओं की आलोचना की गई है जहां कांग्रेस के सदस्यों, सेना और जनता ने सवाल किया कि क्या समीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष रही है। कुल मिलाकर, सेवा के नेतृत्वकर्ताओं ने कहा है कि वर्षों से सेना द्वारा आवश्यक कई टीकों में से किसी के लिए भी धार्मिक छूट दिया जाना बहुत दुर्लभ रहा है। सैनिकों को 17 अलग-अलग टीके लगवाने की आवश्यकता होती है। एक बयान में कोर ने कहा, सभी छूट अनुरोधों की मामला दर मामला आधार पर समीक्षा की जा रही है। प्रतएक आग्रह पर उसमें दिए गए तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर पूरी तरह विचार किया जाएगा।

सिंगापुर में मृत्युदंड के खिलाफ भारतीय मूल के मादक पदार्थ तस्कर की अपील पर 24 जनवरी को होगी सुनवाई

सिंगापुर। भारतीय मूल के मादक पदार्थ के तस्कर नागेंद्रन के धर्मालिंगम को सुनाई गई मौत की सजा के खिलाफ उसकी अपील पर सिंगापुर की शीर्ष अदालत की पांच सदस्ईय पीठ 24 जनवरी को सुनवाई करेगी। मीडिया की एक खबर में यह कहा गया है। भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक नागेंद्रन (33) ने मौत की सजा को चुनौती देने के लिए न्यायिक समीक्षा कार्यवाही शुरू करने की अनुमति देने से इनकार करने वाले उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स ने शुक्रवार को बताया कि अपील पर प्रधान न्यायाधीश सुंदरेश मेनन और न्यायमूर्ति एंड्रयू फांग, न्यायमूर्ति जूडिथ प्रकाश, न्यायमूर्ति बेलिंडा एंग और न्यायमूर्ति चाओ हिक टिन वाली पीठ द्वारा सुनवाई की जानी है। नागेंद्रन का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील एम रवि ने दलील दी है कि नागेंद्रन मानसिक रूप से स्वस्थ नही है और उसे मादक पदार्थ के तस्कर के रूप में नही देखना चाहिए। उन्होंने अदालत से मनोचिकित्सकों के एक पैनल द्वारा नागेंद्रन की मानसिक स्थिति की जांच कराए जाने का भी अनुरोध किया है। नागेंद्रन को 2009 में गिरफ्तार किया गया था और उसके पास से हेराइन जब्त की गई थी। उसे 2010 में 42.72 ग्राम हेरोइन की तस्करी करने का दोषी ठहराया गया था और मौत की सजा सुनाई गई थी। अखबार के मुताबिक दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ नागेंद्रन की अपील 2011 में खारिज कर दी गई थी। वैकल्पिक सजा की अनुमति देने के लिए कानून में बदलाव के बाद 2015 में, नागेंद्रन ने आजीवन कारावास की सजा के लिए आवेदन किया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने चार मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों की राय पर विचार करने के बाद 2017 में उसकी मौत की सजा को बरकरार रखा।

मध्य चीन के हेनान प्रांत के हुआक्सियन काउंटी में बच्चे का सुरक्षात्मक सूट पहन कर कोरोनोवायरस परीक्षण करता एक चिकित्सा कर्मचारी

चुनावों में हस्तक्षेप के खतरों निपटने के लिए अमेरिका ने खुफिया अधिकारी को किया नामित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने रूस, चीन और अन्य शत्रुओं से पैदा होने वाले चुनावों में हस्तक्षेप के खतरों से निपटने के खुफिया समुदाय के प्रयासों को समन्वित करने के लिए केंद्रीय खुफिया एजेंसी के एक करियर अधिकारी को नामित किया है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक अवरिल हेन्स की प्रवक्ता निकोल डी हाय ने शुक्रवार को बताया कि हेन्स ने जेफ्री विचमैन को चुनावी खतरों से निपटने के लिए कार्यकारी नामित किया है। उन्होंने बताया कि विचमैन ने खुफिया और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिकाएं निभाते हुए 30 साल तक सीआईए में सेवाएं दीं। उनकी नियुक्ति की जानकारी सबसे पहले द न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी। यह नियुक्ति अमेरिकी लोकतंत्र में विदेशी हस्तक्षेप को रोकने के लिए नया खुफिया केंद्र स्थापित करने के रुके हुए प्रयासों के बीच की गई है। विशेषज्ञों और खुफिया अधिकारियों का कहना है कि प्रस्तावित फोरेन मलाइन इन्फ्लुएंस सेंटर आवश्यक है।

सीडीसी ने अधिक से अधिक अमेरिकी लोगों को एन95 मास्क पहनने के लिए प्रेरित किया

एपी। न्यूयॉर्क (अमेरिका)

अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने अधिक से अधिक अमेरिकी लोगों को कोरोना वायरस के प्रसार को धीमा करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एन95 या केएन95 मास्क पहनने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस तरह के मास्क हवा से वायरस को फिल्टर करने में बेहतर माने जाते हैं। लेकिन पहले उनकी कम आपूर्ति होती थी और रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अधिकारियों ने कहा था कि ऐसे मास्क के लिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सीडीसी के अधिकारियों ने शुक्रवार की दोपहर पोस्ट किए गए अद्यतन दिशानिर्देश में मास्क की आपूर्ति की कमी से संबंधित चिंताओं को दूर किया और अधिक स्पष्ट रूप से कहा कि फिटिंग वाले एन 95 और केएन 95 मास्क सबसे अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। हालांकि, एजेंसी के अधिकारियों ने उल्लेख किया कि कुछ मास्क दूसरों की तुलना में पहनने में सहज नहीं होते हैं इसलिए उन्होंने लोगों से अच्छे फिटिंग वाले मास्क चुनने का आग्रह किया जो वे लगातार पहन पाएं। सीडीसी महामारी के दौरान मास्क को लेकर मार्गदर्शन देता रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उनका प्रशासन एन 95 सहित उच्च गुणवत्ता वाले मास्क को मुफ्त में उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक विवरण अगले सप्ताह आने की संभावना है। व्हाइट हाउस ने कहा कि संघीय सरकार के पास 75 करोड़ से अधिक एन 95 मास्क का भंडार है। सीडीसी के अनुसार, सर्जिकल एन 95 मास्क की एक विशेष श्रेणी है, जो विशेष रूप से रक्त के छींटे और ऑपरेशन के दौरान कमरे में खतरों से सुरक्षा प्रदान के लिए डिजाइन की गई है। एजेंसी ने कहा कि ऐसे मास्क आम तौर पर जनता के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए सुरक्षित रखना चाहिए।

कजाकिस्तानः विरोध प्रदर्शनों से रक्तपात तक पहुंची स्थिति

एपी। अल्माटी

कजाकिस्तान में नए साल के सप्ताहांत में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुए, जिनमें शामिल लोगों ने ईंधन की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि की निंदा की। ए प्रदर्शन मध्य एशियाई राष्ट्र के पश्चिमी भाग से अधिक आबादी वाले क्षेत्रों तक तेजी से फैल गए और विरोध प्रदर्शनों की चिनगारी अंततः देश के सबसे बड़े शहर अल्माटी तक भी पहुंच गई। एक हफ्ते के अंदर घटनाक्रम तेजी से बदला।अल्माटी में हथियारबंद लोगों के समूह दिखाई दिए, जिनमें से कुछ को बिना नंबर प्लेट वाली कारों में सवार देखा गया या उनके चेहरे ढके हुए थे। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वालों का कहना है कि इन लोगों ने सरकारी इमारतों पर धावा बोलने का आग्रह करना शुरू कर दिया, उन्हें हथियार देने का वादा किया।

जल्द ही पुलिस के साथ संघर्ष शुरू हो गया और पांच जनवरी की रात तक अल्माटी में अफरातफरी मच गई। सिटी हॉल जल रहा था और कार, बसों तथा दुकानों को लूट लिया गया। इसके साथ ही राष्ट्रपति आवास पर धावा बोलने का प्रयास किया गया। सड़कों पर गोलियों की आवाज सुनाई दी, इंटरनेट बंद कर दिया गया, और यहां तक कि हवाई अड्डे पर भी कुछ समय के लिए कब्जा कर लिया गया। राष्ट्रपति कसीम-जोमार्त तोकाएव ने कहा है कि अशांति के लिए आतंकवादी जिम्मेदार हैं जिन्हें विदेशी प्रशिक्षण और समर्थन प्राप्त है। लेकिन उन घटनाओं के लगभग दो सप्ताह बाद, जिनमें बड़ी संख्या में मौतें हुईं और लगभग 16,000 गिरफ्तारियां हुईं, सरकार ने बाहरी संलिप्तता के अपने आरोप के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ए अधिक हिंसक लोग दुकानों को लूटने और तोड़फोड़ करने के लिए तबाही का फायदा उठाने वाले व्यक्ति थे, या वे बड़े राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित संगठित समूहों का हिस्सा थे। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनकी रैलियों के महत्व को किसी तरह कमतर कर दिया गया और फिर सुरक्षाबलों ने कार्वाई की। तोकाएव ने कहा है कि अधिकारियों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया। हालांकि विरोध ईंधन की ऊंची कीमतों को लेकर शुरू हुआ, लेकिन प्रदर्शनों का दायरा और एजेंडा तेजी से विस्तारित हुआ। ऊर्जा संपन्न राष्ट्र में तीन दशकों से अधिक समय से सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने वाली सरकार के तहत लगातार बिगड़ती स्थिति और बढ़ती असमानता के चलते हताशा और निराशा में भीड़ प्रमुख शहरों में उमड़ पड़ी। ज्यादातर यह सब देश के लंबे समय तक शासक रहे नूरसुल्तान नज़रबाएव के अधीन हुआ जिन्होंने 2019 में अपने उत्तराधिकारी तोकाएव के पक्ष में पद छोड़ दिया लेकिन पर्दे के पीछे से अपना प्रभाव बनाए रखा। मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं लिबर्टी फाउंडेशन के अध्यक्ष गालिम एगेलुओव का कहना है, लोगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वे हैं जो अधिकारियों के प्रति अपना रवैया व्यक्त करने के लिए अपने दिल की आवाज पर आए, क्योंकि वे निराश हुए हैं, क्योंकि उन्हें ऐसा नहीं लगता कि राज्य उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर रहा है।

कानूनी वाद में ऑनलाइन विज्ञापन बिक्री में गूगल, फेसबुक के सीईओ की मिलीभगत का आरोप

एपी। वाशिंगटन

गूगल के खिलाफ अमेरिका के राज्य के नेतृत्व वाले एकाधिकार व्यापार विरोधी वाद के नए असंशोधित दस्तावेजों में ऑनलाइन विज्ञापन बिक्री में हेरफेर करने के लिए प्रतिद्वंद्वी फेसबुक के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया गया है। वाद में आरोप लगाया गया है कि दोनों कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को समझौते की जानकारी थी और उन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए। दिसंबर 2021 में दायर किए गए मूल, संशोधित वाद में गूगल पर प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण करने और सोशल नेटवर्किंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी फेसबुक के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया गया। लेकिन इसका असंशोधित संस्करण अल्फाबेट (गूगल की मूल कंपनी) के सीईओ सुंदर पिचाई और फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की भागीदारी के बारे में विवरण प्रदान करता है। फेसबुक ने अब अपना नाम बदलकर मेटा कर लिया है।

वाद के अनुसार, फेसबुक की मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) शेरिल सैंडबर्ग ने 2018 में सिलसिलेवार ईमेल के जरिए बातचीत में स्पष्ट किया कि यह रणनीतिक रूप से एक बड़ा सौदा है। इस सौदे में फेसबुक के सीईओ भी शामिल थे। मुकदमे में फेसबुक के अधिकारियों के नाम अब भी संशोधित किए जा रहे हैं लेकिन उनके उपनाम स्पष्ट तौर पर दिख रहे हैं। दायर वाद के अनुसार, जब दोनों पक्षों ने समझौते की शर्तों पर सहमति बना ली, तब टीम ने सीधे सीईओ जुकरबर्ग को संबोधित कर एक ईमेल भेजा। शिकायत के अनुसार, ईमेल में लिखा है, हस्ताक्षर करने के लिए लगभग तैयार हैं और आगे बढ़ने के लिए आपकी स्वीकृति की आवश्यकता है। शिकायत में कहा गया है कि जुकरबर्ग निर्णय लेने से पहले सैंडबर्ग और उनके अन्य अधिकारियों से मिलना चाहते थे।

ओमीक्रोनः पृथक-वास की अवधि घटाकर पांच दिन करने का फैसला तार्किक नहीं

द कन्वरसेशन। लंदन

ओमीक्रोन स्वरूप का मामला सामने आने के पहले ब्रिटेन में कोविड-19 के लक्षण वाले या संक्रमित लोग 10 दिनों के लिए पृथक-वास में रहते थे लेकिन नए स्वरूप के सामने आने के बाद सरकार ने गृह पृथक-वास की अवधि को सात दिन कर दिया। अटलांटिक महासागर के दूसरी ओर यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप के बारे में जितनी जानकारी उपलब्ध है उसे देखते हुए वे पृथक-वास की अवधि को बदलकर पांच दिन करने वाले हैं। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावेद ने कहा है कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों के लिए अब इंग्लैंड में पृथक-वास की अवधि पांच दिनों की होगी जबकि ब्रिटेन के अन्य क्षेत्रों के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है।

इंग्लैंड में 17 जनवरी से संक्रमित लोग पांच दिनों के बाद दो बार जांच कराने और नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद पृथक-वास की अवधि से बाहर निकल सकेंगे। टीकाकरण की स्थिति की परवाह किए बिना नियम समान हैं। मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के तौर पर हमें इस बात की चिंता है कि पृथक-वास की अवधि घटाने संबंधी इन कदमों को सही ठहराने के लिए बहुत कम वैज्ञानिक प्रमाण हैं। कुछ लोगों का तर्क है कि ओमीक्रोन से बीमारी की गंभीरता कम है और इसके परिणामस्वरूप अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में वृद्धि नहीं होती है, लेकिन यह याद रखना चाहिए कि यह लहर स्वाभाविक संक्रमण और टीकाकरण-प्रेरित प्रतिरक्षा के संयोजन से प्राप्त सुरक्षा के बीच बड़े स्तर पर आबादी में फैल रही है। ब्रिटेन में कई आवश्यक सेवाएं संघर्ष कर रही हैं। तो क्या हम आर्थिक हितों को कोविड प्रबंधन योजनाओं के वैज्ञानिक औचित्य से आगे निकलते देख रहे हैं? आइए, पृथक-वास की अवधियों के वैज्ञानिक औचित्य पर विचार करें। संक्रमित लोगों के मामले में दुनिया भर के 79 वैज्ञानिक अध्ययनों की समीक्षा की गई। इसने न केवल पीसीआर जांच द्वारा निर्धारित वायरल लोड का मूल्यांकन किया। क्लिनिकल स्तर पर रिकवरी के बाद भी कुछ समय के लिए व्यक्ति पॉजिटव रह सकता है बल्कि इन लोगों से वायरस प्रसार की आशंका भी है। समीक्षा ने शुरुआती कुछ दिनों में कम वायरल लोड दिखाया, लेकिन फिर तीन से छह दिनों के आसपास सबसे ज्यादा, सात से नौ दिनों में वायरस खत्म हो गया और दसवें दिन वायरस की मौजूदगी नहीं मिली।

पायनियर
स्वास्थ्य
नई दिल्ली, रविवार, 16 जनवरी, 2022

एन 95 और केएन 95 मास्क सबसे अधिक सुरक्षित

अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को धीमा करने केलिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एन95 या केएन95 मास्क पहनने केलिए प्रोत्साहित किया है क्योंकि ये मास्क सबसे अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। इस तरह के मास्क हवा से वायरस को फिल्टर करने में बेहतर माने जाते हैं। लेकिन पहले उनकी कम आपूर्ति होती थी और रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अधिकारियों ने कहा था कि ऐसे मास्क केलिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सीडीसी के अधिकारियों ने शुक्रवार की दोपहर पोस्ट किए गए अद्यतन दिशानिर्देश में मास्क की आपूर्ति की कमी से संबंधित चिंताओं को दूर किया और अधिक स्पष्ट रूप से कहा कि फिटिंग वाले एन 95 और केएन 95 मास्क सबसे अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

DOC टॉक

डॉ. पंकज चतुर्वेदी
डर्मेटोलॉजिस्ट,
मेदलिंक्स, नई दिल्ली

स्वस्थ त्वचा कवच बनाए रखें

कोई भी अच्छा त्वचा विशेषज्ञ आपको बताएगा कि सुंदरता असलियत में त्वचा की गहराई तक नहीं होती है, यह त्वचा की परतें हैं जो हमारी सुंदरता की रक्षा करती हैं। अधिक सटीक रूप से, त्वचा की सबसे बाहरी परत जिसे स्ट्रेटम कॉर्नियम कहा जाता है, सुरक्षा का पहला गढ़ है। केराटिन, सेरामाइड्स, फैटी एसिड आदि से युक्त यह भ्रामक रूप से पतला कवच प्रत्येक व्यक्ति और दुनिया के बीच खड़ा होता है।

एक स्वस्थ त्वचा कवच का कार्य द्विपरतीय होता है-मुख्य रूप से, यह गहरी परतों से नमी के बढ़ते क्षरण को रोकता है, और, दूसरी बात, यह बाहरी तत्वों और विषाक्त पदार्थों को उप-त्वचीय प्रवेश द्वार में प्रवेश करने और उन्हें कोई नुकसान करने से रोकता है। यदि कवच अपने काम में विफल हो जाता है, तो यह एक संकेत है कि आपकी त्वचा को मदद की जरूरत है।

त्वचा कवच को तोड़ने वाले संकेत

- सूखी, पपड़ीदार त्वचा जिसमें लगातार खुजली होती है
- वयस्क मुंहासे, बदरंग या सूजन वाले पैच
- नियमित त्वचा संक्रमण
- उम्र के अलावा, हमारे पर्यावरण की अधिकांश आदर्श से कमतर स्थितियां हमारे त्वचा कवच पर कहर बरपा सकती हैं।
- असंतुलित पर्यावरणीय परिस्थितियां- जैसे बहुत कम या बहुत अधिक आर्द्रता
- सूर्य किरणों के ज्यादा संपर्क में रहना
- क्षारीय डिटर्जेंट, स्टेरॉयड, एलर्जी, प्रदूषक जैसे कठोर रसायनों के संपर्क में आना

तनाव और चिंता

- आनुवंशिक स्थितियां जो त्वचा की स्थिति जैसे सोरायसिस और जिल्द की सूजन के लिए संभावित बनाती हैं
- 50 की उम्र के बाद त्वचा देखभाल दिनचर्या को मजबूत करें
- एक अच्छी त्वचा देखभाल दिनचर्या हमेशा साधारण कारकों जैसे कि व्यक्ति की उम्र, मौजूदा वातावरण और त्वचा की विशिष्ट प्रकृति के इर्दगिर्द बनाई जाती है। और हालांकि उत्पादों को व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सकता है, मगर प्रक्रिया आम तौर पर वही रहती है,

क्लींज और टोन

लोकप्रिय क्लींज-टोन-मॉइस्चराइज (सीटीएम) विधि के अनुसार, अच्छी त्वचा की नींव उचित सफाई है। परिपक्व त्वचा को माइल्ड क्लीन्जर से लाभ होता है जो त्वचा से प्राकृतिक तेल नहीं निकालते हैं। इसलिए, 50 साल के उम्र के साथ तेल और क्रीम क्लीन्जर्स लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं। आपकी त्वचा के पीएच संतुलन के साथ खिलवाड़ किए बिना जिद्दी मेकअप के हर टुकड़े को हटाने के लिए ऑयल क्लींजर बहुत अच्छा काम करते हैं, जबकि क्रीम क्लींजर नियमित, हल्के मेकअप के दिनों या अतिरिक्त सफाई चरण के लिए अच्छे होते हैं, जहां आवश्यक हो।

टोनर त्वचा को शांत और हाइड्रेट करते हैं, और दिनचर्या में पहली एंटी-एजिंग परत के रूप में भी कार्य कर सकते हैं यदि इसमें हाइलूरोनिक एसिड (एचए), ग्लिसरीन और इसी तरह के तत्व शामिल हैं। ये प्राकृतिक एचए के गिरते स्तरों का मुकाबला करके महीन रेखाओं व सूखेपन में मदद करते हैं।

सावधानी से एक्सफोलिएट करें या मास्क लगाएं

चूंकि 50 साल की उम्र में त्वचा वास्तव में पतली और नाजुक होती है, इसलिए सावधानी के साथ एक्सफोलिएट करें। ग्लाइकोलिक और सैलिसिलिक एसिड युक्त सौम्य स्क्रब चुनें जो परिपक्व त्वचा के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं, और सप्ताह में केवल एक बार लगाए जाते हैं। कठोर स्क्रबिंग से बचें- एक हल्का स्पर्श ही काफी है।

सुखदायक तेलों से त्वचा की मालिश करें

फैटी एसिड और एंटीऑक्सिडेंट युक्त जोजोबा या आर्गन जैसे पौधों के तेलों से नियमित मालिश करने से नमी के स्तर में सुधार होता है और यह त्वचा के लिए सबसे अधिक फायदेमंद साबित होता है।

इस क्रम में विशेष सीरम और मॉइस्चराइजर को शामिल करें

सीरम एचए, विटामिन सी या क्रीम में पाए जाने वाले समान अवयवों की उच्च सांद्रता वाले उत्पाद होते हैं और वे त्वचा कवच के लचीलेपन का निर्माण करते हैं। अपनी त्वचा के अनुकूल किसी एक चुनें और इसे लगाने के लिए भारी मॉइस्चराइजर का उपयोग करना याद रखें।

आवश्यक विशेष उपचारों को शामिल करें

50 के दशक में त्वचा को थोड़ी अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता हो सकती है जैसे कि आंख या लिप क्रीम। इस तरह के उपचारों को विशिष्ट क्षेत्रों में सूखापन और झुर्रियों को दूर रखना चाहिए। जब आवश्यक हो तो प्रस्तावित उपचार और छिलके का चयन करने के लिए त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करने से डरें मत।

आपका त्वचा कवच एक सैनिक है जिसे बाहरी खतरों से लड़ने में मदद की जरूरत है, शुष्क सर्दियों में प्रतिदिन सनस्क्रीन और ह्यूमिडिफायर का उपयोग करके, और स्वस्थ खाने और नियमित रूप से हाइड्रेटिंग करके इसे बांटें।

हम प्रोफिलो जैसे इंजेक्शन योग्य त्वचा रीमॉडेलिंग उपचार का विकल्प भी चुन सकते हैं, जिसमें कई प्रकार के उपचार होते हैं जो सर्दियों के मौसम में हमारी त्वचा को हाइड्रेटेड और पोषित रखने में मदद कर सकते हैं। इनमें फ्रैक्शनल मेसोथेरेपी, स्किन बूस्टर और लिप फिलर्स शामिल हैं। सर्वोत्तम-उपयुक्त उपचार पर चर्चा करने के लिए अपने विशेषज्ञ से संपर्क करें।

रीढ़ कंपा देने वाली ठंडक ये हमारे शरीर में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है। डॉ. सौरभ वर्मा कहते हैं, मांसपेशियों व जोड़ों में अकड़न बढ़ाने के अलावा, यह साइटिका प्रभावित क्षेत्रों में दबाव बढ़ाता है जिससे गंभीर दर्द होता है।

बहुत ठंडा हो रहा है मौसम?

दिल्ली में सर्दियां भयानक अनुभव हो सकती हैं। चरम जलवायु के लिए विख्यात, राष्ट्रीय राजधानी में सर्दियां हमेशा अपनी खास समस्याएं लेकर आती हैं - बढ़तस प्रदूषण, हृदय की समस्याएं, आर्थोपेडिक मुद्दे, व अन्य मसले। सूर्य के प्रकाश की कमी के कारण सर्दियों में मांसपेशियों की समस्या हमारी त्वचा के लिए सामान्य से भी बदतर हो सकती है जो हमें विटामिन डी से वंचित करती है, जो हड्डियों और मांसपेशियों को स्वस्थ होने और मजबूत रहने के लिए आवश्यक है।

ऐसी ही एक स्थिति है जो ठंड के महीनों में बढ़ जाती है, वह है साइटिका। साइटिका तंत्रिका हमारी पीठ के निचले हिस्से को हमारे कूल्हों व नितंबों को प्रत्येक पैर से जोड़ती है। साइटिक वो दर्द है जो साइटिका तंत्रिका-पथ के साथ जुड़ा है। आमतौर पर व्यक्ति को साइटिका का असर शरीर के एक तरफ ही महसूस होता है। चूंकि साइटिका तब होता है जब साइटिका तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो जाती है या पिंच हो जाती है, यह यह उस क्षेत्र में ट्यूमर के कारण हो सकता है। हर्नियेटेड डिस्क साइटिका के लिए सबसे आम जोखिम कारकों में से एक है।

साइटिका का दर्द पीठ के निचले हिस्से से शुरू होकर आपके पैर के पिछले हिस्से तक जाता है। दर्द अलग-अलग हो सकता है और इसकी एक सीमा होती है जो हल्के दर्द से लेकर कष्टदायी व असहनीय प्रकार के दर्द तक विस्तारित है। शारीरिक गतिविधियां जरूरी हैं क्योंकि गतिविधियों को प्रतिबंधित करने से स्थिति और खराब हो सकती है।

जोखिम

- **उम्र :** जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी रीढ़ की संरचना में बदलाव होता है और हर्नियेटेड डिस्क जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।
- **मोटापा:** वजन आपकी पीठ के भार को बढ़ाता है और किसी भी पिछली स्थिति को तेज का सकता है।
- **पेशा :** इस पर अध्ययनों की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ऐसा काम जो आपकी पीठ पर दबाव डालता है, आपके काम के लिए हानिकारक हो सकता है।
- **लंबे समय तक बैठे रहना:** कम काम करने वाले लोगों की तुलना में सक्रिय लोगों में साइटिका विकसित होने की संभावना कम होती है।
- **मधुमेह :** मधुमेह स्थायी तंत्रिका क्षति का कारण बनता है और साइटिका तंत्रिका को प्रभावित कर सकता है।

सर्दियों की शुरुआत के साथ, हमारे शरीर में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है क्योंकि ठंडे तापमान के कारण मांसपेशियों में कसाव आता है। यह मांसपेशियों और जोड़ों में अकड़न को बढ़ाने के अलावा साइटिका प्रभावित क्षेत्रों में दबाव बढ़ाता है जिससे दर्द बढ़ जाता है।

ऐसे अन्य कारक हैं जो हमारी हड्डियों व मांसपेशियों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें साइटिका से संबंधित दर्द के प्रति संवेदनशील बना सकते हैं :

चूंकि सूरज की रोशनी सीमित होती है, इसलिए सीमित विटामिन डी अवशोषित होता है। विटामिन डी हड्डियों व मांसपेशियों के विकास और कायाकल्प के लिए आवश्यक है।

ठंडा मौसम और छोटे दिन व्यायाम करने और हमारे शरीर को क्रियाशील रखना कठिन बनाते हैं। व्यायाम और शारीरिक सक्रियता की कमी पीठ और पैर की समस्याओं को जन्म देती है।

सर्दियों के दौरान, कुछ अंगों को रक्त प्राप्त होता है जिसे अंगों से पुनर्निर्देशित किया जाता है ताकि वे कुशलतापूर्वक कार्य कर सकें। इससे जोड़ों पर दबाव बढ़ जाता है और अंततः स्थिति और खराब हो जाती है।

इन शारीरिक परिवर्तनों व प्राकृतिक सीमाओं के अलावा, यदि आप ऊपरोल्लिखित जोखिम कारकों को नोटिस करते हैं, तो आप देखेंगे कि सर्दी का मौसम किसी न किसी तरह से उन्हें बढ़ा देता है, जिससे हम साइटिका जैसी स्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

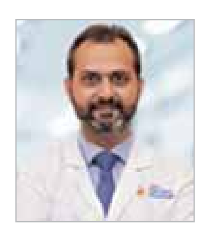

डॉ. सौरभ वर्मा
एचओडी स्पाइन सर्जरी,
एचसीएमसीटी मणिपाल अस्पताल,
द्वारका, नई दिल्ली

साइटिका का दर्द पीठ के निचले हिस्से से शुरू होकर आपके पैर के पिछले हिस्से तक जाता है। दर्द अलग-अलग हो सकता है और इसकी एक सीमा होती है जो हल्के दर्द से लेकर कष्टदायी व असहनीय प्रकार के दर्द तक विस्तारित है। शारीरिक गतिविधियां जरूरी हैं क्योंकि गतिविधियों को प्रतिबंधित करने से स्थिति और खराब हो सकती है।

लगभग सभी मामलों में, साइटिका एक उपचारयोग्य विकार है, इसे या तो भौतिक चिकित्सा के माध्यम से ठीक किया जा सकता है या सबसे खराब स्थिति में, साइटिका तंत्रिका पर दबाव को दूर करने के लिए सर्जरी कराई जा सकती है। हालांकि, ऐसे कई तरीके हैं जिनसे लोग सर्दियों के दौरान इस स्थिति के कारण होने वाले दर्द को कम कर सकते हैं। साइटिका से पीड़ित मरीजों को यह ध्यान रखना चाहिए कि स्थिति को बढ़ने से रोकने के लिए शारीरिक गतिविधि आवश्यक है। शारीरिक गतिविधियों के अलावा, रोगी यह कर सकते हैं :

गर्म कपड़े पहनें और अंगों में रक्त-प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए खुद को गर्म रखें और सुनिश्चित करें कि साइटिक तंत्रिका में कोई बढ़ा हुआ दबाव नहीं है।

सर्दियों में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। लोग सर्दियों के दौरान कम पानी पीते हैं, लेकिन पानी मांसपेशियों में ऐंठन से बचने में मदद करता है और आपको सकारात्मक दृष्टिकोण रखने में मदद करता है।

अपनी मांसपेशियों को ठीक करने और आराम करने के लिए गर्म पानी के स्नान या स्विमिंग पूल का प्रयोग करें।

सर्दियों की सुस्ती शारीरिक व्यायाम की कमी का कारण बन सकती है। मांसपेशियों में दर्द और हृदय की समस्याओं के बढ़ते जोखिम को दूर करने के लिए हमेशा सर्दियों के दौरान खुद को सक्रिय रखने की सलाह दी जाती है।

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, सर्दी भीषण गर्मी की गर्मी से राहत दिला सकती है, लेकिन वह अपनी समस्याओं के साथ आती है।

साइटिका के लक्षण सर्दियों के महीनों में जटिल हो जाते हैं और इससे असहनीय दर्द हो सकता है। यह सलाह दी जाती है कि ऊपर वर्णित स्वस्थ प्रथाओं का पालन करें और अपने दृष्टिकोण में सुव्यवस्थित रहें। लक्षणों के नियंत्रण से बाहर होने से पहले चिकित्सकीय सहायता लें। एक त्वरित और सूक्ष्म प्रतिक्रिया आपको और नुकसान से बचने में मदद कर सकती है। अपने परिवार और दोस्तों के साथ सर्दियों की खुशियों और उत्सवों का आनंद लेने के लिए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए एआई

आपने कितनी बार अपने जोड़ों में दर्द या बेचैनी महसूस की है? खैर, अक्सर ही। **दर्पण सैनी** हमें बता रहे हैं कि एआई कैसे वर्तमान समय में महामारी के बीच, जो हम सभी को घर के अंदर बंद रहने और यात्रा को प्रतिबंधित करने के लिए मजबूर कर रही है, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

पैक्ड शेड्यूल और बड़ी संख्या में भूमिकाओं व जिम्मेदारियों को संभालने के साथ, अपने स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखने के लिए समय निकालना असंभव है। यह काम मांसपेशियों में दर्द और बोझिल दर्द के लिए और भी अधिक उपयुक्त हो जाता है जो निश्चित रूप से आपके जीवन की गुणवत्ता को परेशान और बाधित करता है, लेकिन तुरंत ध्यान देने के लिए पर्याप्त गंभीर नहीं होता है।

यह परिघटना वर्तमान समय में और भी अधिक प्रचलित हो गई है, महामारी ने सभी को घर के अंदर मजबूर कर दिया है और यात्रा को प्रतिबंधित कर दिया है। इन पिछले कुछ महीनों में डिजिटल हेल्थकेयर ने वास्तव में एक परिवर्तन लाया है, जो इतनी सुदूर कोनों तक पहुंच गया है कि आप उन्हें छोड़ना नहीं चाहते हैं। खैर, सुविधा, इस नए युग की स्वास्थ्य सेवा के कई लाभों में से एक है जो उपभोक्ताओं तक पहुंचने और वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने हेतु उन्हें अत्यधिक कुशल विशेषज्ञों से जोड़ने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करती है। फिजियोथेरेपी में, अब यह महत्व नहीं रखता यदि आप अपने स्थानीय फिजियोथेरेपिस्ट के पास दैनिक आवागमन में बहुत तकलीफ का सामना करते है।

भौतिक चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम एआई उपकरणों के उपयोग से परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम मेधा, या एआई मशीनों में मूल रूप से अपने आस-पास जो हो रहा है, उसके अनुकूल होने और नई शिक्षाओं और परिवर्तनों को अपने सिस्टम में शामिल करने की स्मार्ट क्षमता होती है। ये विचारोत्तेजक दवा के मामले में हाल में एक बड़ी हिट बन गए हैं, जहां एक ही तरह के लक्षणों व बीमारियों वाले रोगियों के सामान्य समूह के लिए कमोबेश समान उपचार प्रोटोकॉल निर्धारित किए जाते हैं। रोगियों से एकत्र किए गए डेटा को तब संग्रहीत किया जाता है और सर्वोत्तम संभव उपचार देने के लिए व्याख्या की जाती है। इतना ही नहीं, ये ऐप और डिवाइस मरीजों को उनकी समूची केस हिस्ट्री को आसानी से स्टोर करने में मदद करते हैं, उन्हें सीधे अपने डॉक्टरों से जोड़ते हैं, और सभी मोर्चों पर जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए उनकी दैनिक व्यायाम योजनाओं पर नजर रखते हैं।

भौतिक चिकित्सा में एआई के उपयोग के साक्ष्य भी अत्यंत आशाजनक रहे हैं :

कई फिजियोथेरेपी स्टार्ट-अप में वेब सेट-अप हैं जहां दूरस्थ नैदानिक टीम रोगी डेटा का विश्लेषण देख सकती हैं और उपचार कार्यक्रम की निगरानी और समायोजन के लिए इस जानकारी का उपयोग कर सकती हैं। उनके पास एक डिजिटल थेरेपिस्ट होता है जो आपके हाथ को ऊंचा उठाने, अपनी कोहनी को सीधा रखने और मरीज के रूप की जांच करने के लिए गति को ट्रैक करने जैसे त्वरित संकेत देता है। दवा के क्षेत्र में यह नई तकनीक, वायरलेस मोशन ट्रैकर्स के साथ उपयोगकर्ताओं की निगरानी करती है जिसे मरीज अपने शरीर से जोड़ते हैं, जो डेटा को वापस फर्मों तक पहुंचाते हैं जहां विशेष डॉक्टर रोगी के सुधार पर सटीक अपडेट ले सकते हैं। बदले में रोगी के पास अपने ऐप के रूप में एक व्यक्तिगत फिजियोथेरेपिस्ट होता है, जहां वे जवाबदेही या प्रारूप से समझौता किए बिना व्यायाम करने के लिए समय और स्थान चुनते हैं। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, एक अधिक स्वस्थ, दर्द-मुक्त दुनिया हमारी प्रतीक्षा कर रही है, जहां डॉक्टर अधिक सुलभ हैं, व्यायाम ज्यादा निरंतरता से होते हैं और उपचार अधिक सुविधाजनक और सस्ता है।

-लेखक फिट डाट हेल्थ के सीईओ हैं।

आवश्यक विटामिन लें

विटामिन डी की कमी पूरे देश में काफी आम है। 2013 में, यह अनुमान लगाया गया था कि लगभग 40 प्रतिशत भारतीय आबादी विटामिन डी की कमी से पीड़ित है। वर्तमान में, यह स्थिति ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़कर 77 प्रतिशत हो गयी है। यह कमी 18-30 वर्ष आयु वर्ग के वयस्कों में विशेष रूप से प्रचलित है। निम्न सामाजिक जनसांख्यिकीय से संबंधित महिलाओं में भी विटामिन डी की कमी होने का खतरा अधिक होता है।

विटामिन डी का प्राथमिक स्रोत सूर्य के संपर्क में रहना है। हालांकि, ऐसे कई कारक हैं जो अधिकांश आबादी को पर्याप्त सूर्य के संपर्क में आने से रोकते हैं। आधुनिकीकरण का मतलब हुआ कि ज्यादातर लोग अपना ज्यादातर समय घर के अंदर ही बिताते हैं। इसके अलावा, कुछ सांस्कृतिक प्रथाएं जैसे बुर्का पहनना सूर्य के संपर्क को सीमित करता है। सनस्क्रीन का उपयोग और त्वचा की रंजकता में वृद्धि त्वचा द्वारा विटामिन डी के उत्पादन को सीमित कर देती है। वायु प्रदूषण का उच्च स्तर भी एक योगदान कारक है क्योंकि यह यूवीबी किरण संचरण को रोकता है।

आहार संबंधी आदतें भी विटामिन डी की भारी कमी के लिए जिम्मेदार हैं। खराब आहार-आदतें विटामिन डी के साथ-साथ कैल्शियम के कम सेवन में योगदान करती हैं। इसके

अलावा, विटामिन डी से भरपूर अधिकांश भोजन पशु स्रोतों से प्राप्त होता है।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि भारत में अधिकांश लोग शाकाहारी भोजन का पालन करते हैं, लोगों को आमतौर पर आहार स्रोतों से पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिलता है। यहां तक कि डेयरी उत्पादों जैसे देश भर में व्यापक रूप से उपभोग किए जाने वाले खाद्य उत्पादों में विटामिन डी का पर्याप्त अनुपात नहीं होता है। फाइबर युक्त खाद्य उत्पादों में फॉस्फेट और फाइटेट होते हैं, जो विटामिन डी भंडार को कम करने में भूमिका निभाते हैं।

अंतर्निहित स्थितियों या कुछ दवाओं जैसे चिकित्सा कारक भी विटामिन डी की कमी का कारण बन सकते हैं। सीलिएक रोग, सिस्टिक फाइब्रोसिस, सूजन आंत्र रोग, पुरानी जिगर की बीमारी और गैस्ट्रिक बाईपास जैसी कुछ स्वास्थ्य स्थितियां विटामिन डी के कु-अवशोषण का कारण बन सकती हैं। कार्बामाजेपिन, क्लोट्रिमेजोल, निफेडिपिन आदि जैसी दवाएं विटामिन डी की गिरावट को सक्रिय कर सकती हैं। कम समय में कई

डॉ. शैली सिंह का कहना है कि विटामिन डी का प्राथमिक स्रोत सूर्य के प्रकाश, विशेष रूप से पराबैंगनी बी (यूवीबी) किरणों के संपर्क में आना है।

गर्भधारण और लगातार गर्भधारण वाली महिलाओं में भी विटामिन डी की कमी देखी जाती है।

कुछ प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव:

- मांसपेशियों और हड्डियों में गुमनाम दर्द और कमजोरी
- अवसाद और संज्ञानात्मक क्षति
- अस्थि खनिज कम होने के कारण बच्चों में सूखा रोग
- आहार से कैल्शियम का कम अवशोषण और वयस्कों में हड्डियों की क्षति में वृद्धि
- इन्फ्लूएंजा, तपेदिक जैसे संक्रमणों का उच्च जोखिम
- विक्षिप्त लिपिड प्रोफाइल, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और हार्ट फेल होने का उच्च जोखिम
- स्तन, फेफड़े, प्रोस्टेट, बृहदान्त्र, अग्न्याशय और डिम्बग्रंथि के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है
- इंसुलिन प्रतिरोध में वृद्धि और टाइप 2 मधुमेह मेलिटस
- मौजूदा चिकित्सा स्थितियों से, यह सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस में रुग्णता बढ़ा सकता है और रुमेटीइड गठिया को खराब कर सकता है।
- गर्भावस्था का नुकसान

सामान्य स्रोत :

प्राथमिक स्रोत पराबैंगनी बी (यूवीबी) किरणें। लगभग 50-90 प्रतिशत विटामिन डी सूर्य के प्रकाश के जरिए त्वचा द्वारा अवशोषित किया जाता है और शेष आहार स्रोतों से आता है। रोजाना लगभग 20 मिनट सूरज के संपर्क में रहने और लगभग 40 प्रतिशत त्वचा को सूरज की रोशनी के संपर्क में लाने से विटामिन डी की कमी को रोकने में मदद मिल सकती है। सूरज की रोशनी पाने का आदर्श समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। त्वचा में विटामिन डी का संश्लेषण प्रदूषण, उम्र बढ़ने वाली त्वचा, ओजोन परत, मेलेनिन रंजकता और अक्षांश जैसे कारकों से भी प्रभावित होता है।

लेखिका रोजवॉक अस्पताल, नई दिल्ली में प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं।

अतीत के साए में जीवन

मधुलिका लिडल ने खुशबू कीर्ति को बताया कि दिल्ली, अपने नए उपन्यास, द गार्डन ऑफ हेवन में, एक सुंदर और विविध उद्यान है जिसमें कांटों, घास में सांप और सामयिक जहरीले पौधे हैं।

2003 में कॉमनवेल्थ ब्रॉडकास्टिंग एसोसिएशन की लघु कहानी प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय, मधुलिका लिडल को उनके गहन शोध और आकर्षक कार्यों के लिए जाना जाता है। आखिरकार, 17वीं सदी का मुगल जासूस मुजफ्फर जंग, वास्तव में, उसके दिमाग की उपज है।

दिल्ली में पैदा होने के कारण, लिडल ने प्रेम के शहर के इतिहास के पन्नों से रहस्यों को उजागर करने के लिए एक नई यात्रा शुरू की है।

स्पीकिंग टाइगर बुक्स, द गार्डन ऑफ हेवन द्वारा उनकी ताज़ा प्रकाशित कृति, दिल्ली चौकड़ी की गाथा में पहली है। मोहम्मद गौरी के आक्रमण से कुछ समय पहले शुरू हुआ, और विभाजन के ठीक बाद तक फैला, यह गाथा दिल्ली के इतिहास के 800 साल पूरे करेगी। और आपने अनुमान लगाया, उस खिंचाव के पहले 200 वर्षों को स्वर्ग के बगीचे में कवर किया जा रहा है।

एक दिलचस्प बातचीत में, लिडल अपने कार्यों के बारे में बात करती है, और इतिहास, शहर और शहर के इतिहास पर अपने विचार साझा करती है। पढ़िए खास इंटरव्यू के अंश :

❖ **आपकी हाल की रिलीज़, द गार्डन ऑफ़ हेवन के लिए बधाई। कृपया हमें उसी का एक सिंहावलोकन दें।**

इस गाथा को शुरू करने के लिए आपको किस बात ने प्रेरित किया?

आपको धन्यवाद! द गार्डन ऑफ हेवन एक ऐतिहासिक उपन्यास है, जो द दिल्ली चौकड़ी नामक चार-पुस्तक श्रृंखला में पहला है। पूरी गाथा दिल्ली के इतिहास के 800 वर्षों तक फैलेगी, जैसा कि परस्पर जुड़े परिवारों के एक समूह के जीवन के माध्यम से देखा जाता है। पहला उपन्यास 1188 सीई की अवधि को कवर करता है, इससे ठीक पहले मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को हराया और दिल्ली सल्तनत की स्थापना की; 1398 सीई तक, जब तैमूर ने दिल्ली को बर्खास्त कर दिया।

कुछ इसी तरह की, लेकिन बहुत अधिक महत्वाकांक्षी पुस्तक, एडवर्ड रदरफर्ड की सरुम ने मुझे इस श्रृंखला को लिखने के लिए प्रेरित किया। सरम इंग्लैंड के सैलिसबरी में और उसके आसपास कई हज़ार वर्षों के इतिहास (हिम युग से 1984 तक) की पृष्ठभूमि के खिलाफ अपना जीवन जीने वाले सामान्य लोगों के बारे में है, जिसे पहले सरुम के नाम से जाना जाता था।

❖ **'स्वर्ग का बगीचा' शीर्षक का क्या महत्व है?**

स्वर्ग का बगीचा, पत्थर पर नक्काशी करने वाले माधव का नाम है, जो अपने बाद के वर्षों में तराशे गए उत्कृष्ट पत्थर के फ़्रीज़ को देता है, एक फ़्रीज़ जो एक बगीचे को दर्शाता है। मेरा मतलब यह भी था कि स्वर्ग का बगीचा दिल्ली के लिए एक रूपक है, एक सुंदर और विविध उद्यान, लेकिन (किसी भी असली बगीचे की तरह), कांटों के अपने हिस्से के साथ, घास में सांपों का, और कभी-कभी जहरीला पौधा ...

❖ **बहुत सारे लोगों के जीवन आपस में जुड़े हुए हैं, उनकी कहानियां किताब में समानांतर पंक्तियों में चल रही हैं। इस प्रकार, इसे गहराई से स्तरित करना।**

इसके पीछे क्या उद्देश्य है?

मैं एक ऐतिहासिक उपन्यास लिखना चाहती थी जो महत्वपूर्ण लोगों पर नहीं, उस युग के जीवन से बड़े ऐतिहासिक आंकड़े, बल्कि साधारण लोगों पर केंद्रित था- मैं यह जानना चाहता था कि उन्होंने कैसा महसूस किया होगा, भले ही उनके दौरान इतिहास बनाया जा रहा हो खुद का जीवनकाल। मैं यह भी दिखाना चाहता था कि कैसे लोग एक साथ आते हैं, कैसे एक परिवार विभाजित और अलग होता है, या कैसे दो अलग-अलग परिवार एक साथ आते हैं : ये ऐसे विषय हैं जो मेरी रुचि रखते हैं, और उन्हें एक ऐतिहासिक सेटिंग में रखने से मुझे इसे एक नया आयाम देने में मदद मिली : यह पता लगाने के लिए कि कैसे लोग अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों का सामना करते हुए कठिनाई का सामना करते हैं।

❖ **रजिया सुल्तान, अमीर खुसरो, इब्राहिम लोधी, मोहम्मद गौरी, पृथ्वीराज चौहान आदि जैसे महत्वपूर्ण लोग मौजूद हैं और उनके व्यक्तिगत प्रयासों को खूबसूरती से व्यक्त किया जाता है। कहानी कितनी हकीकत के करीब है? क्या यह एक ऐतिहासिक कथा के लिए योग्य हो सकता है?**

अधिकतर, इस पुस्तक में वास्तविक व्यक्तित्वों के बारे में एपिसोड और घटनाएं तथ्य पर आधारित हैं (या, जैसा कि हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया के मामले में, लोककथाओं पर)। रजिया की गद्दी हासिल करने और फिर उसे बरकरार रखने के लिए संघर्ष; गयासुद्दीन तुगलक का निजामुद्दीन को दबाने का प्रयास; तैमूर का आक्रमण, इत्यादि : ये सभी तथ्यात्मक हैं। केवल काल्पनिक पात्रों (माधव, जयश्री, गिरधर, आदि) के साथ उनकी बातचीत में ही इन ऐतिहासिक पात्रों के जीवन में एक काल्पनिक प्रकरण पेश किया जाता है।

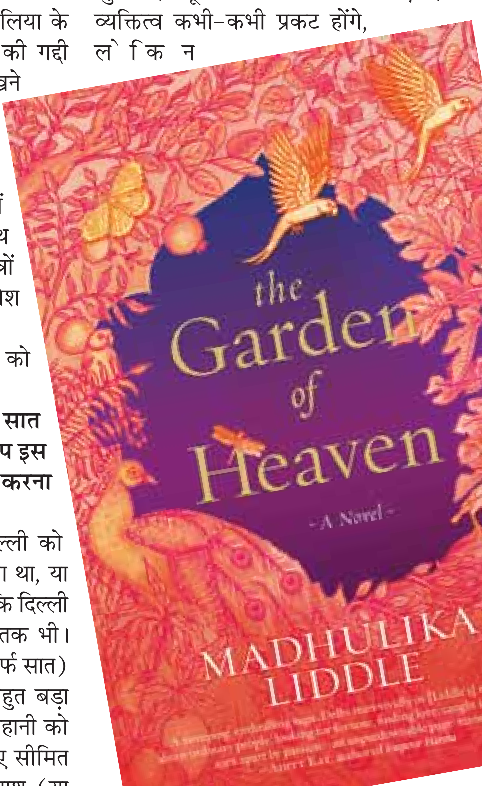

तो हाँ, मैं द गार्डन ऑफ़ हेवन को ऐतिहासिक कथा कहूंगी।

❖ **ऐसा कहा जाता है कि दिल्ली को सात बार नष्ट कर बनाया गया था। क्या आप इस यात्रा को अपनी किताबों में शामिल करना चाहते हैं?**

इस पर कुछ बहस है कि क्या दिल्ली को सात बार नष्ट किया गया और बनाया गया था, या अधिक – कुछ इतिहासकारों का मानना है कि दिल्ली के दस शहर हो सकते हैं, शायद पंद्रह तक भी। चार उपन्यासों के दौरान इन सभी (या सिर्फ सात) की गणना करने से किताबों का एक बहुत बड़ा सेट हो सकता है, इसलिए मैं खुद को कहानी को इसकी व्यापक रूपरेखा में बताने के लिए सीमित कर रहा हूं। कभी-कभी, शहर का विनाश (या बल्कि, एक क्षेत्र का पतन और दूसरे के सत्ता में आने) पर प्रकाश डाला जाता है; अन्य समय में, सत्ता में बदलाव कम नाटकीय होता है, और एक शहर धीरे-धीरे दूर हो जाता है, एक तिरछी संदर्भ के अलावा किसी भी चीज़ के लिए बहुत धीरे से।

❖ **यह दिल्ली चौकड़ी के चार में से पहला है। आने वाली किताबों के लिए आपका विजन क्या है?**

द गार्डन ऑफ हेवन की तरह, अन्य तीन पुस्तकें भी इसी तरह के पैटर्न का पालन करेंगी- दिल्ली में रहने वाले सामान्य लोग, उनका जीवन कई बार दिल्ली में बन रहे इतिहास से प्रभावित होता है। कुछ महत्वपूर्ण वास्तविक जीवन के ऐतिहासिक व्यक्तित्व कभी-कभी प्रकट होंगे, लेकिन अन्यथा, मुख्य रूप से काल्पनिक पात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्रत्येक पुस्तक में, जैसा कि स्वर्ग का बगीचा, लगभग 150-200 वर्षों के इतिहास को कवर करेगा।

❖ **क्या आपने इतिहास का अध्ययन किया है क्योंकि आपके उपन्यासों पर इतनी अच्छी तरह से शोध किया गया है। क्या आप एक इतिहासकार होतीं, अगर लेखिका नहीं होतीं?**

मुझे हमेशा से इतिहास में दिलचस्पी रही है, खासकर जब से मेरी बहन, स्वप्ना लिडल, एक इतिहासकार हैं – उनके इतिहास के अध्ययन ने मुझे भी इस विषय के लिए अधिकांश भारतीयों की तुलना में इतिहास को बहुत अधिक स्नेह के साथ देखने के लिए प्रेरित किया।

अगर मैं एक लेखिका नहीं होती, तो शायद मैं अपने करियर में कई व्यवसायों में से एक होता : आतिथ्य प्रबंधक, विज्ञापन कार्यकारी, संपादक, निर्देशक डिजाइनर ... मेरे लिए, इतिहास में रुचि थोड़ी देर से आई। जीवन, के बाद मैंने फैसला किया (जैसा मैंने सोचा था) मैं कौन सा करियर अपनाने जा रही थी। तब तक, गंभीरता से इतिहास का अध्ययन शुरू करने में बहुत देर हो चुकी थी। इसलिए इतिहास में मेरी रुचि एक प्रेम बनी हुई है (और रहेगी) पेशा नहीं।

❖ **ऐतिहासिकता और अर्थ। आपकी राय में, इतिहास और सत्य के बीच विरोधाभास क्या है?**

मुझे लगता है कि इतिहास और सत्य बिल्कुल समानार्थी नहीं हैं, सिर्फ इसलिए कि विज्ञान की तरह इतिहास भी एक ऐसा विषय है जो उपलब्ध साक्ष्य से निष्कर्ष निकालता है, उस सबूत की व्याख्या करने के लिए तार्किक सिद्धांतों के साथ आता है। उदाहरण के लिए, पुराने इतिहास, कलाकृतियां, पुरातात्विक साक्ष्य, और इसी तरह, इतिहासकारों को अतीत में क्या हुआ होगा, इसकी एक तस्वीर बनाने में मदद कर सकता है। जबकि कलाकृतियाँ और पुरातात्विक साक्ष्य अधिक अकाट्य प्रमाण हो सकते हैं, इतिहास पक्षपाती हो सकता है, इस प्रकार, सत्य को विकृत कर सकता है। और, जैसा कि विज्ञान के मामले में है, जब तक और सबूत सामने नहीं आते, एक इतिहास, एक स्वीकृत सत्य, प्रबल हो सकता है। हालाँकि नए-नए खोजे गए सबूत उस सच्चाई को बदल सकते हैं।

इतिहास, इसलिए, मेरे लिए सत्य माना जाता है; सच माना। इसके कुछ पहलू तथ्यात्मक हो सकते हैं, कुछ विश्वसनीय रूप से हो सकते हैं, और अन्य तब तक हो सकते हैं जब तक कि आगे के सबूत किसी भी तरह से साबित न हों।

❖ **प्रमुख विश्वविद्यालयों के इतिहास के पाठ्यक्रम से मुगल वंश का सफाया करने के शिक्षा मंत्रालय के कदम से आप क्या समझती हैं?**

❖ **क्या हम अपनी भावी पीढ़ी को ऐतिहासिक सत्य से वंचित कर रहे हैं?**

मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही अदूरदर्शी, बड़ा कदम है। मुगल वंश (या उस मामले के लिए कोई अन्य) के उल्लेखों को मिटा देना या अन्य तरीकों से, अपने स्वयं के एजेंडे के अनुरूप ऐतिहासिक तथ्य को विकृत करने की कोशिश करना झूठ का प्रचार करने के अलावा और कुछ नहीं करता है।

इससे क्या होगा? भारतीयों की एक पीढ़ी (कई पीढ़ियां?) जो कुछ सीख रही हैं दुनिया में कोई और नहीं इतिहास के रूप में जानता है? एक झूठ भी, जो किसी भी प्रकार के साक्ष्य से पूरी तरह असमर्थित है? मेरा मानना है कि इतिहास को बदला नहीं जा सकता, हमारे पास वह है जो हमारे पास है। अतीत हो चुका है, और अब हम जो कुछ भी करते हैं वह उसे बदल नहीं सकता है। तो उस अतीत के साथ जीने में क्या हर्ज है? अच्छा हो या बुरा, भारत का सारा इतिहास हमारा इतिहास है। कोशिश करना और इसे साफ करना किशोर है।

मुझे सच में विश्वास है कि हमें महिलाओं की कहानियां लिखने के लिए और अधिक महिला लेखकों की आवश्यकता है, क्योंकि या तो इतिहास के पन्नों से उनका सफाया कर दिया गया था या उनकी सच्चाई को पुरुष आवाजों द्वारा गलत समझा गया था।

❖ **वजन करने की देखभाल?**

मैं सहमत हूं। महिलाओं को, बहुत लंबे समय से, सामान्य रूप से ज्ञात इतिहास से काफी हद तक मिटा दिया गया है – इस तरह मैं इसका वर्णन करूंगी, क्योंकि ऐसे इतिहासकार हैं जिन्हें मैं जानता हूं जिन्होंने इतिहास में महिलाओं पर शोध किया है, और महिलाओं के जाने के आकर्षक उदाहरण सामने आए हैं हमारे जैसे पितृसत्तात्मक समाज में किसी की भी कल्पना नहीं की जा सकती है। उदाहरण के लिए, ओडिशा की महान रानियां, या मुगलों के समय में पदीशाह बेगम- आम जनता की तुलना में कहीं अधिक एजेंसी वाली महिलाओं को अब याद किया जाता है।

❖ **आप अपनी महिला पात्रों को कैसे चित्रित करना पसंद करती हैं?**

शगुफ्ता के लिए अत्याचार के सामने एक बोल्ड महिला लगती है।

मैं अपनी महिला पात्रों को एक मिश्रण के रूप में चित्रित करना पसंद करती हूं : सभी दृढ़-इच्छा वाले नहीं, सभी निर्दोष नहीं; मानव। कुछ दूसरों की तुलना में अधिक उत्साही होते हैं, कुछ अन्य की तुलना में कहीं अधिक अनुरूप और नम्र होते हैं, लेकिन मुझे कम से कम एक महिला चरित्र रखना पसंद है जो खुद के लिए खड़ा हो, और भावनात्मक रूप से परिपक्व और बुद्धिमान हो।

प्रेरणादायी संगीत कलाकार

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित अरुणा साईराम आर्टियम अकादमिक बोर्ड में शामिल हुईं और कर्नाटक संगीत के लिए संकाय प्रमुख की भूमिका निभाई।

प्रसिद्ध कर्नाटक गायिका और पद्म श्री पुरस्कार विजेता अरुणा साईराम इच्छुक छात्रों को भारतीय शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए प्रोत्साहित करने और उनकी मदद करने की संभावना से उत्साहित हैं। वह आर्टियम अकादमिक बोर्ड में शामिल हो गई हैं और कर्नाटक संगीत के लिए संकाय प्रमुख की भूमिका निभा रही हैं जहां वह अकादमी द्वारा पेश किए जाने वाले अद्वितीय संगीत पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभा को आकार देने और पोषित करने के लिए अपने विशाल ज्ञान और अनुभव का उपयोग करेंगी।

लगभग छह दशकों में संगीत की दुनिया में अपने जबरदस्त योगदान के लिए जानी जाने वाली, साईराम का मानना है कि संगीत का स्थान तेजी से विकसित हो रहा है और समय और तकनीकी प्रगति के साथ, शिक्षण की पद्धति को भी उभरते रुझानों के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता है।

आर्टियम अकादमी के लिए साईराम का नवीनतम अभियान सभी उम्र के लोगों के लिए सीखने को बहुत आसान और अधिक सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के साथ संगीत के अंतर-खेल का प्रचार करता है। अभियान वीडियो के माध्यम से, वह कर्नाटक संगीत के लिए अपने प्यार की व्याख्या करती है और अपनी यात्रा पर प्रकाश डालती है कि उसने इसे स्वयं कैसे सीखा। वीडियो का अंत साईराम द्वारा दुनिया भर के संगीत प्रेमियों को कर्नाटक संगीत में एक रोमांचक पाठ्यक्रम के लिए आमंत्रित करने के साथ होता है जिसे उनके द्वारा व्यक्तिगत रूप से डिजाइन और क्यूरेट किया गया है।

पाठ्यक्रम नवाचार और पूर्णता का एक क्यूरेटेड मिश्रण है, जिसे प्रशिक्षित और प्रमाणित शिक्षकों द्वारा स्वयं साईराम के मार्गदर्शन में डिजाइन किए गए प्रदर्शन संचालित कर्नाटक संगीत पाठ्यक्रम के आधार पर सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक प्रदर्शन संचालित शिक्षण दृष्टिकोण है जो सरल और समझने में आसान है।

भविष्य के संगीतकारों को पोषित करने की अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात करते हुए, साईराम ने कहा, ''तकनीक के कारण संगीत सीखना बहुत आसान हो गया है। एक राष्ट्र के रूप में भारत न केवल संगीत सुनने का शौक़ीन है, बल्कि हम संगीत सीखना भी पसंद करते हैं। प्रौद्योगिकी भविष्य के संगीतकारों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने और विकसित करने में मदद कर रही है और मुझे भविष्य के संगीतकारों के विकास और पोषण के लिए आर्टियम अकादमी का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है।''

फैकल्टी के प्रमुख के रूप में अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ''आर्टियम अकादमी के साथ मेरा जुड़ाव बहुत सामयिक है क्योंकि मैं कर्नाटक संगीत की शैली में अपने सीखने और अनुभवों को साझा करना चाह रही थी, एक कला जिसे मैंने वर्षों से पूजा की है। मैं बोर्ड का हिस्सा बनने और संगीत सीखने में स्वर्ण मानक बनाने में योगदान देने के लिए बेहद उत्साहित हूं।''

नई तकनीक के आगमन के साथ, साईराम कर्नाटक संगीत को दुनिया भर के लाखों उम्मीदवारों तक ले जाने

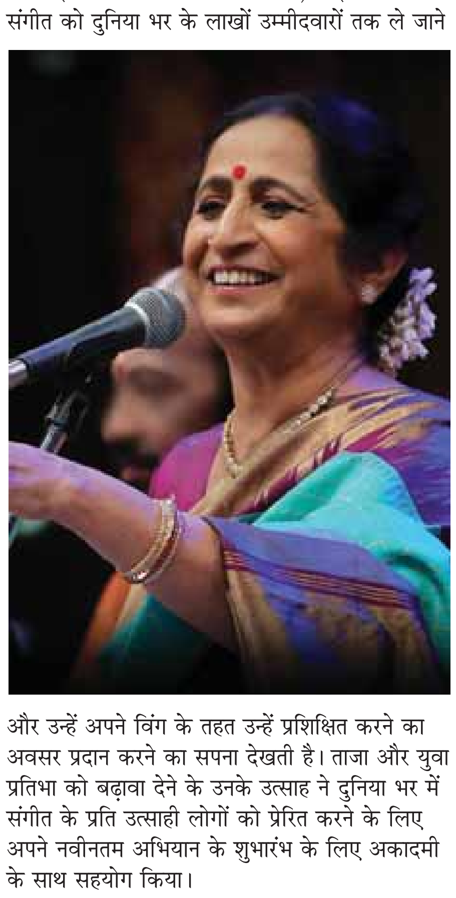

और उन्हें अपने विंग के तहत उन्हें प्रशिक्षित करने का अवसर प्रदान करने का सपना देखती है। ताजा और युवा प्रतिभा को बढ़ावा देने के उनके उत्साह ने दुनिया भर में संगीत के प्रति उत्साही लोगों को प्रेरित करने के लिए अपने नवीनतम अभियान के शुभारंभ के लिए अकादमी के साथ सहयोग किया।

सुर्खियों में

एचएफपीए ने ट्विटर के माध्यम से 2022 गोल्डन ग्लोब्स के विजेताओं की घोषणा की। जबकि द पावर ऑफ द डॉग को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का नाम दिया गया, रैचेल ज़ेग्लर, और विल स्मिथ ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं की ट्रॉफी जीती :

विवादों से घिरे हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (एचएफपीए) ने रविवार रात ट्विटर के माध्यम से 2022 गोल्डन ग्लोब्स के विजेताओं का नाम दिया, जिसमें कोई मीडिया उपस्थिति या अतीत की तरह रेड कार्पेट पर चलने वाली हस्तियां नहीं थीं।

द पावर ऑफ द डॉग (नेटफ्लिक्स) ने सर्वश्रेष्ठ नाटक चुना और स्टीवन स्पीलबर्ग की वेस्ट साइड स्टोरी (20 वीं शताब्दी/डिज्नी) ने सर्वश्रेष्ठ संगीत या कॉमेडी का पुरस्कार जीता। जेन कैंपियन ने द पावर ऑफ द डॉग के निर्देशन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक की ट्रॉफी हासिल की, और ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता कोडी स्मिट-मैकफी ने 1920 के दशक के मोंटाना में पश्चिमी सेट के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार जीता।

रयूसुके हमागुची की जापानी फिल्म ड्राइव माई कार, जो हारुकी मुराकामी की लघु कहानी पर आधारित है, ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, विदेशी भाषा में सर्वश्रेष्ठ तस्वीर के लिए ट्रॉफी के साथ घर चला गया।

द वेस्ट साइड स्टोरी स्टार रेचल ज़ेग्लर ने संगीत या कॉमेडी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता; उनकी सह-कलाकार एरियाना डीबोस ने सहायक अभिनेत्री के लिए पुरस्कार जीता। निकोल किडमैन (बीइंग द रिकार्डोस) ने एक नाटक में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता, जबकि विल स्मिथ (किंग रिचर्ड) ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता।

एंड्रयू गारफील्ड (टिक, टिक ... बूम!) ने संगीत या कॉमेडी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता।

टीवी के लिए, उत्तराधिकार ने सर्वश्रेष्ठ नाटक श्रृंखला जीती और हैक्स ने एचबीओ से सर्वश्रेष्ठ संगीत या कॉमेडी श्रृंखला जीती।

पुरस्कारों का निकाय 2021 के शो के बाद से घोटालों में उलझा हुआ है, जब यह पता चला था कि एचएफपीए का कोई अश्वेत सदस्य नहीं

था और उसने संदिग्ध व्यावसायिक प्रथाओं में भाग लिया था।

अमेरिकी टेलीविजन नेटवर्क एनबीसी ने इस साल के समारोह के लिए प्रसारण से हाथ खींच लिया। तब से, एचएफपीए ने अपनी सदस्यता में विविधता लाई है और हॉलीवुड में अपना चेहरा बचाने के प्रयासों में अपने उपनियमों को संशोधित किया है। एचएफपीए ने अपनी परोपकारी गतिविधियों पर प्रकाश डाला और सेंट एल्मो विलेज जैसे संगठनों पर प्रकाश डाला जो लोगों को अपनी रचनात्मकता और गेट लिट को व्यक्त करने की अनुमति देता है जो कविता के माध्यम से किशोर साक्षरता को प्रोत्साहित करता है।

पथ प्रदर्शक सहअस्तित्व

जैकी भगनानी का कहना है कि महामारी के दौरान ओटीटी के बढ़ने के बावजूद थिएटर यहां रहने के लिए हैं।

अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी का कहना है कि सिनेमा का माध्यम यहां रहने के लिए है। इतिहास से संकेत लेते हुए, उनका मानना है कि महामारी के हमले के बाद चीजों को सामान्य होने में कम से कम दो से चार साल लगते हैं।

बेशक, एक महामारी विकास को गति देती है और ट्रिगर करती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि थिएटर पूरी तरह से बंद हो जाएंगे।

महामारी के दौर में सिनेमाघरों के विषय पर अपने विचार साझा करते हुए, वे कहते हैं, ''इतिहास साबित करता है कि एक बार महामारी आने पर चीजों को सामान्य होने में, सामाजिक-आर्थिक उत्थान को देखने में 2-4 साल लगते हैं। ऐसे समय तक, हमें कोविड-19 के साथ सह-अस्तित्व सीखना होगा, जो मुझे लगता है कि सभी उद्योग करने की कोशिश कर रहे हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''जहां तक थिएटर का सवाल है, थिएटर समाज के पारिस्थितिकी तंत्र का एक अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। मैं निश्चित रूप से इसे कहीं भी जाते हुए नहीं देखता, बस खपत पैटर्न विकसित होगा। मुझे इस बात पर एक स्पष्ट विभाजन की उम्मीद है कि लोग घर पर अपने उपकरणों पर किस तरह की सामग्री का उपभोग करना पसंद करेंगे, इसकी तुलना में लोग बड़ी स्क्रीन पर देखना चाहेंगे। दोनों माध्यम खुशी-खुशी सह-अस्तित्व में रहेंगे और फल-फूलेंगे।''

वह आगे कहते हैं, ''मैं खुद एक बड़ा फिल्म शौकीन होने और फिल्म निर्माण के सभी पहलुओं को देखने के बाद, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि कोई भी चीज सिनेमा के अनुभव और इसके साथ आने वाले आनंद और रोमांच को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती है।

तो हां, फिल्में बनती हैं – जबकि कुछ को विशेष रूप से होम स्क्रीन के लिए और कुछ को बड़े लोगों के लिए डिज़ाइन किया जाएगा।''

उनकी राय में, निकट भविष्य में ओटीटी और थिएटर सह-अस्तित्व में रहेंगे, आज, हम मनोरंजन के युग में हैं जहाँ ये दोनों माध्यम दर्शकों को आकर्षित करते हैं। जिस तरह का सिनेमा अलग होगा।''

''इसलिए, जहां दर्शक होम स्क्रीन पर कुछ फिल्मों का इंतजार करेंगे, वे निश्चित रूप से केवल बड़े पर्दे पर दूसरों को देखने के लिए इंतजार करेंगे। मुझे विश्वास है कि दोनों माध्यम समानांतर और सफलतापूर्वक चलेंगे'', उन्होंने निष्कर्ष निकाला।

कोहली ने टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी

● कहा-अपना काम ईमानदारी से किया और अब समय आ गया

भाषा। केपटाउन

दक्षिण अफ्रीका के हाथों टेस्ट श्रृंखला में मिली हार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट टीम की कप्तानी यह कहकर छोड़ दी कि अपना काम उन्होंने ईमानदारी से किया और अब कप्तानी छोड़ने का समय आ गया है। कोहली को 2014 में भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया था जब महेंद्र सिंह धोनी ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बीच में कप्तानी छोड़ दी थी। कोहली ने टी20 विश्व कप में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तानी छोड़ दी थी जबकि वनडे टीम की कप्तानी उनसे छीन ली गई थी। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला 1-2 से हारने के एक दिन बाद ट्वीट किया , एक मुकाम पर आकर सबको ठहरना होता है और मेरे लिए बतौर भारतीय टेस्ट कप्तान यह वही मुकाम है। इस सफर में कई उतार चढ़ाव आए लेकिन प्रयासों या विश्वास में कभी कमी नहीं रही। उन्होंने आगे लिखा , पिछले सात साल लगातार कड़ी मेहनत, अथक प्रयासों और दृढता से टीम को सही दिशा में ले जाने के रहे। मैने पूरी ईमानदारी से काम किया और कोई कसर नहीं छोड़ी। मैने हमेशा अपनी ओर से 120 प्रतिशत देने पर भरोसा किया है और अगर मैं ऐसा नहीं कर सकता तो मुझे वह सही नहीं लगता। उन्होंने लिखा , मेरे दिल में यह एकदम साफ है और मैं अपनी टीम के प्रति बेईमान नहीं हो सकता। कोहली ने अपने बयान में पूर्व कोच रवि शास्त्री और पूर्व कप्तान धोनी का नाम लिया और उन्हें धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा , मैं बीसीसीआई को धन्यवाद दूंगा कि मुझे इतने लंबे समय तक देश की टीम की कप्तानी करने का मौका दिया। उससे भी महत्वपूर्ण अपने साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने टीम के लिए मेरे नजरिए को पहले दिन से अपनाया और किसी भी हालात में हार नहीं मानी। आप सभी ने मेरे इस सफर को यादगार और खूबसूरत बना दिया। उन्होंने आगे लिखा , रवि भाई और सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद जो इस गाड़ी का इंजिन रहे जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार आगे बढ़ती रही। सभी ने इसमें अपना योगदान दिया। धोनी के बारे में उन्होंने लिखा , आखिर में एम एस धोनी को बहुत धन्यवाद जिन्होंने बतौर कप्तान मुझ पर भरोसा किया और मुझे भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने में सक्षम पाया। कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष तक पहुंची और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप उपविजेता रही। वह जीत के हिसाब से तीसरे सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे जिन्होनें 20 से अधिक टेस्ट में कप्तानी की। स्टीव वॉ ने 57 में से 41 टेस्ट जीते जबकि रिकी पोंटिंग ने 77 में से 48 टेस्ट जीते। कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते। सीमित ओवरों की कप्तानी को लेकर बीसीसीआई और कोहली की इस दौरे से पहले ठन गई थी जब कोहली ने दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले प्रेस कांफ्रेंस में बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान का खंडन करते हुए कहा था कि उनसे टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के फैसले पर पुनर्विचार के लिए नहीं कहा गया था।

बीसीसीआई और क्रिकेट जगत ने की कप्तान के तौर पर कोहली के प्रदर्शन की सराहना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान के तौर पर विराट कोहली के अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट जगत ने कप्तान के तौर पर राष्ट्रीय टीम के लिए उनके योगदान की सराहना की।कोहली ने 68 टेस्ट मैचों मे भारतीय टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 40 को टीम में सफलता मिली। वह टेस्ट में भारत के सबसे सफल कप्तान है। बीसीसीआई ने ट्विटर पर लिखा, बीसीसीआई भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को उनके शानदार नेतृत्व गुणों के लिए बधाई देता है। वह टेस्ट टीम को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले गए। उन्होंने 68 मैचों मे भारत का नेतृत्व किया और 40 जीत के साथ देश के सबसे सफल कप्तान हैं। बोर्ड के सचिव जय शाह ने कहा, भारतीय टीम के कप्तान के रूप मे शानदार कार्यकाल के लिए विराट कोहली को बधाई। विराट ने टीम को एक फिट इकाई में बदल दिया जिसने भारत और बाहर दोनों जगह सराहनीय प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में टेस्ट जीत रही है खास है। लंबे समय तक भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले मोहम्मद अजहरूद्दीन ने ट्विटर पर लिखा, लगातार आगे बढ़ने वाली भारतीय टीम का नेतृत्व करना हमेशा सम्मान की बात होती है और इस पद को छोड़ने का निर्णय एक भावनात्मक क्षण होता है। विराट कोहली , कप्तान के तौर पर आपकी यात्रा अच्छी रही। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने ट्वीट किया, भारत के टेस्ट कप्तान के रूप मे शानदार करियर के लिए विराट कोहली को बहुत-बहुत बधाई। आँकड़े झूठ नही बोलते और वह न केवल सबसे सफल भारतीय टेस्ट कप्तान थे बल्कि दुनिया के सबसे सफल कप्तानो में से एक रहे है। आप पर बहुत गर्व हो सकता है। कोहली अब बल्ले से आपके दबदबे को देखने के लिए उत्सुक हूं। टीम के पूर्व साथी सुरेश रैना ने ट्वीट किया, मै भी कोहली के इस अचानक फैसले से स्तब्ध हूं, मै उनके फैसले का सम्मान करता हूं। विश्व क्रिकेट और भारत के लिए उन्होने जो किया है, उसके लिए मै उनकी सराहना कर सकता हूं। वह भारत के सबसे आक्रामक और फिट खिलाड़ियों में से एक है। आशा है कि वह एक खिलाड़ी के रूप मे भारत के लिए चमक बिखेरना जारी रखेंगे। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने लिखा, विराट कोहली भारत के लिए सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे है और वह अपनी उपलब्धियों पर गर्व कर सकते है। बतौर कप्तान शानदार पारी के लिए बधाई। इरफान पठान ने ट्विटर पर लिखा, जब भी टेस्ट क्रिकेट मे भारतीय क्रिकेट कप्तानों की बात होगी, कोहली का नाम न केवल परिणामों के लिए होगा, बल्कि कप्तान के रूप मे उनके प्रभाव के लिए याद रखा जाएगा। धन्यवाद विराट कोहली। कोहली की इंडियन प्रीमियर लीग की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने ट्विटर पर लिखा, आप एक प्रेरक और उत्कृष्ट कप्तान रहे है। भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए धन्यवाद। शानदार यादो के लिए धन्यवाद। आप हमेशा हमारे कप्तान कोहली रहेंगे।

मध्यक्रम को मजबूती दे सकते हैं शुभमन गिल

● विहारी और अय्यर में होगी दूसरे स्थान के लिए कड़ी टक्कर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय टीम में बड़े फेरबदल की उम्मीद है जिसमें फॉर्म से जूझ रहे चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे टेस्ट टीम से बाहर कर दिए जाएंगे जिससे पंजाब के प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल के मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करेंगे। भारत के दक्षिण अफ्रीका से मिली ।-2 की हार के बाद टीम में इस बदलाव के होने की संभावना है। भारत की अगली टेस्ट श्रृंखला श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज है जो 25 फरवरी से बेंगलुरू में शुरू होगी और इसमें खिलाड़ियों के लिए कम से कम मध्यक्रम के दो स्थानों में जगह बनाने का मौका होगा। रोहित शर्मा के इस टेस्ट श्रृंखला के लिए फिट होने की उम्मीद है और वह लोकेश राहुल के साथ पारी के आगाज की जिम्मेदारी संभालेंगे। गिल ज्यादातर सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले हैं लेकिन एक बार वह चोट से उबरकर खुद को उपलब्ध कराते हैं तो उम्मीद है कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ता उन्हें विशेषज्ञ मध्यक्रम बल्लेबाज के तौर पर चुनेंगे। पुजारा और रहाणे का राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जाना निश्चित है। ये अपना स्थान तभी बचा सकते हैं जब कोच राहुल द्रविड़ चयन समिति को फॉर्म से बाहर चल रहे दोनों बल्लेबाजों को अंतिम मौका देने के बारे में कहें। लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह निश्चित रूप से सभी दावेदार युवाओं को निराश कर देगा जो अपने करियर में सही समय पर मौका नहीं दिए जाने से हताश महसूस कर रहे होंगे। सुनील गावस्कर ने भारत-दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला में कमेंटरी करते हुए कहा था, मुझे लगता है कि पुजारा और रहाणे को श्रीलंका श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया जाएगा। श्रेयस अय्यर और हनुमा विहारी दोनों खेलेंगे। उन्हें कहते हुए सुना गया, हम देखेंगे कि कौन तीसरे नंबर पर खेलता है। हनुमा विहारी पुजारा का स्थान ले सकते हैं और श्रेयस अय्यर रहाणे की जगह पांचवें नंबर पर खेल सकते हैं, लेकिन हमें देखना होगा। बहरहाल, मुझे लगता है कि श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में दो स्थान निश्चित रूप से खाली होंगे। भारतीय टीम को मध्यक्रम में ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत होगी जो स्वच्छंद बल्लेबाजी कर सकें और एक सत्र में काफी रन जुटा सकें। कौशल, तकनीक और जज्बे को देखा जाए तो गिल इसमें बेहतर हैं। अगर गिल पांचवें नंबर पर खेलते हैं तो गेंद जब पुरानी हो जाए तब वह हालात का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि मध्यक्रम के दूसरे स्थान के लिए चयन थोड़ा पेचीदा होगा जिसमें श्रेयस अय्यर और हनुमा विहारी के बीच कड़ा मुकाबला होगा। दोनों का प्रदर्शन शानदार रहा है। विहारी डिफेंसिव खिलाड़ी हैं जो संयमित बल्लेबाजी कर तकनीकी मजबूती देते हैं जो टेस्ट क्रिकेट की जरूरत है। इससे वह पुजारा की जगह तीसरे स्थान के लिए अच्छे विकल्प हैं लेकिन अगर सकारात्मक जज्बे की बात की जाए तो अय्यर निश्चित रूप से बेहतर विकल्प हैं।

क्विक न्यूज

अरिंधम ने ईस्ट बंगाल की कप्तानी छोड़ी

बेम्बोलिम। शीर्ष गोलकीपर अरिंधम भट्टाचार्य ने शनिवार को एससी ईस्ट बंगाल की कप्तानी छोड़ दी। यह क्लब के लिए एक और करारा झटका था जिसने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 11 में से एक भी मैच नही जीता है। अरिंधम (32 वर्ष) ने ट्विटर पर घोषणा की, मै अपने खेल के प्रति काफी ईमानदार रहा हूं। इस समय मेरे चारो ओर जो परिस्थितियां है, उन्हें देखते हुए मै एससी ईस्ट बंगाल के कप्तान के पद से हट रहा हूं। ईस्ट बंगाल के छह ड्रा और पांच हार से छह अंक है, उसे 19 जनवरी को अब एफसी गोवा से भिड़ना है।

तलवारबाजी विश्व कप भारत की चुनौती समाप्त

नई दिल्ली। ओलंपियन भवानी देवी समेत भारतीय तलवारबाज जॉर्जिया में चल रहे विश्व कप के महिला व्यक्तिगत साबरे वर्ग से हारकर बाहर हो गए। दुनिया मे 55वें नंबर की खिलाड़ी भवानी को 128 के दौर में बाय मिला था लेकिन अगले दौर मे उसे स्पेन की एलेना हर्नांडिज ने 15-8 से हरा दिया। चेन्नई की 28 वर्ष की भवानी ओलंपिक मे भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला तलवारबाज है। उन्होंने ग्रुप चरण मे चार मैच जीते और एक हारा जबकि एक मैच ड्रा रहा। अन्य भारतीयो मे अनिता करूणाकरण और जोशना क्रिस्टी 128 के दौर में नही पहुंच सकी। करूणाकरण को रूस की डारिया ड्रोड ने 15 -3 से हराया जबकि जोशना को स्पेन की अरासेली नवारो ने इसी अंतर से मात दी।

भारतीय महिला टीम मुंबई में पृथकवास में

नई दिल्ली। विश्व कप मे हिस्सा लेने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम न्यूजीलैड की यात्रा से पहले रविवार से एक हफ्ते के पृथकवास के लिए मुंबई मे इकट्ठा होगी। टीम आपसी तालमेल के लिए हाल मे देहरादून में एकजुट हुई थी और युवा खिलाड़ियो को भी नेतृत्व कौशल विकसित करने का काम सौपा गया था। पंद्रह सदस्ईय टीम और तीन रिजर्व खिलाड़ियो को मुंबई आने के लिए कहा गया है जहां वे एक हफ्ते के लिए पृथकवास में रहेगी।

महिला शिविर के लिए 66 खिलाड़ियों की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी विश्व कप के लिए खिलाड़ियो के चयन को ध्यान मे रखते हुए सोमवार से बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण में शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 66 खिलाड़ियो को चुना है। खिलाड़ियो का चयन 2021 मे हॉकी इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त घरेलू जूनियर प्रतियोगिताओ मे प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। शिविर कोर संभावित खिलाड़ियो के चयन को ध्यान में रखकर लगाया जाएगा। शिविर की अहमियत बताते हुए भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन जूनियर विश्व कपको ध्यान मे रखकर किया गया है जो अप्रैल मे दक्षिण अफ्रीका मे खेला जाएगा जिसे देश मे ओमीक्रोन वैरिएंट के मामले बढ़ने के बाद स्थगित कर दिया

आस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने जीत के साथ आगाज किया

● अंडर 19 विश्व कप

भाषा। जॉर्जटाउन

आस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने अंडर 19 विश्व कप में वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड को हराकर जीत के साथ आगाज किया। आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराया जबकि श्रीलंका ने ग्रुप डी के मैच में स्कॉटलैंड को 40 रन से मात दी। आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को 169 के स्कोर पर समेट दिया और 44 . 5 ओवर में चार विकेट पर 170 रन बना लिए। टीग विली ने 129 गेंद में आठ चौकों की मदद से 86 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए कप्तान अकीम आगस्टे ने 67 गेंद में 57 रन बनाए। दूसरे मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 . 2 ओवर में 218 रन बनाए। जवाब में हालांकि स्कॉटलैंड की टीम आठ गेंद बाकी रहते 178 रन पर आउट हो गई।दुनिथ वेल्लालागे ने 27 रन देकर पांच विकेट लिए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरूआत बेहद खराब रही। उसके तीन विकेट छह ओवर में 12 रन पर गिर गए। इसके बाद आगस्टे और विकेटकीपर रिवाल्डो क्लार्क ने चौथे विकेट के लिए 95 रन जोड़े। भारतीय मूल के स्पिनर निवेतन राधाकृष्णन ने क्लार्क को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने एंडरसन महासे और जोहान लेन को भी पवेलियन भेजा। कप्तान कूपर कोनेली ने भी तीन विकेट लिए। जवाब में आस्ट्रेलिया ने कोरी मिलर का विकेट जल्दी गंवा दिया लेकिन दूसरे सलामी बल्लेबाज विली ने अर्धशतक जमाया। उन्होंने कप्तान कोनोली के साथ 53 रन जोड़े। कोनोली 18वें ओवर में ओनाजे अमोरी का शिकार हुए। इसके बाद विली ने राधाकृष्णन (31)के साथ 75 रन जोड़े। दूसरे मैच में श्रीलंका के लिए सकुना निदर्शना ने 84 गेंद में 84 रन बनाए जबकि चामिंडु विक्रमसिंघे ने 28 रन का योगदान दिया। निचले क्रम पर राविन डिसिल्वा ने 50 गेंद में 30 रन बनाए।

नहीं चले इंग्लैंड के बल्लेबाज, कंगारू मजबूत

● एशेज टेस्ट दूसरा दिन : ऑस्ट्रेलिया को बढ़त

भाषा। होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)

मिशेल स्टार्क गेंद को खेलने का प्रयास करते हुए

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने एशेज टेस्ट श्रृंखला के पांचवें और आखिरी मैच में एक बार फिर से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया जिससे शनिवार को खेल के दूसरे दिन उनकी पहली पारी महज 188 रन पर सिमट गई। दिन-रात्रि मैच के दूसरे दिन कुल 17 विकेट गिरे जिसमें ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के चार और दूसरी पारी के तीन विकेट शामिल है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दिन की शुरुआत 241 रन पर छह विकेट से की थी लेकिन उनकी पहली पारी डिनर से पहले 303 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान कप्तान पैट कमिंस ने 45 रन देकर चार और मिशेल स्टार्क ने 53 रन देकर तीन विकेट लेकर टीम को 115 रन की बड़ी बढ़त दिलाई। स्कॉट बोलैंड (33 रन देकर एक विकट) को किसमत का साथ नहीं मिला और स्लिप में उनकी गेंद पर दो बार क्रिस वोक्स (36) का कैच छूटा। कैमरून ग्रीन (45 रन पर एक विकेट) पदार्पण कर रहे सैम बिलिंग्स का विकेट मिला, जिन्होंने 29 रन बनाए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड और मार्क वुड ने ऑस्ट्रेलियाई तेज चौकड़ी की तरह ही दूसरी पारी में गेंदबाजी की, जिससे घरेलू टीम ने दिन-रात्रि टेस्ट में स्टंपस तक तीन विकेट पर 37 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 152 रन की हो गई है और उसके सात विकेट बचे हुए है। स्टंप्स के समय स्टीव स्मिथ 17 और स्कॉट बोलैंड तीन रन बनाकर खेल रहे थे। डेविड वार्नर पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी खाता खोलने में नाकाम रहे। वह पारी के पहले ओवर में ब्रॉड की तीसरी गेंद पर आउट हुए। इसके बाद मार्नुस लाबुशेन पांच रन बनाकर क्रिस वोक्स का शिकार बने। वुड ने शॉर्ट गेंद पर उस्मान ख्वाजा (11) को विकेट के पीछे कैच करवाया। इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी में सलामी बल्लेबाजों के सस्ते में पवेलियन लौटने के बाद रूट (34) और डाविड मलान (25) ने तीसरे विकेट लिए 49 रन की साझेदारी कर थोड़ा संघर्ष दिखाया। डिनर के बाद के सत्र में कमिंस ने मलान को विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। बोलैंड ने ओली पोप (14) को पवेलियन का रास्ता दिखाया लेकिन उनकी अगली ही गेंद पर वार्नर ने वोक्स का आसान कैट टपका दिया। स्टार्क और कमिंस ने इसके बाद पुछल्ले बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने में ज्यादा समय नहीं लिया। दिन की शुरुआत में लियोन (31) ने ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्ले से अच्छा योगदान दिया।

सिंधू हारी, लक्ष्य और चिराग-सात्विक फाइनल में

● इंडिया ओपन

भाषा। नई दिल्ली

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को शनिवार को यहां योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने अपने पहले विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। उत्तराखंड के 20 साल के खिलाड़ी लक्ष्य ने विश्व रैंकिंग में 60वें स्थान पर काबिज मलेशिया के नग त्जे योंग को पुरूष एकल के अंतिम चार मुकाबले में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 19-21 21-16 21-12 से हराया। शीर्ष वरीय और घरेलू प्रबल दावेदार सिंधू को महिला एकल के सेमीफाइनल में थाइलैंड की छठी वरीय सुपानिडा काटेथोंग से 14-21, 21-13, 10-21 से पराजय झेलनी पड़ी। सिंधू ने मैच के बाद कहा, मैंने शुरू से ही उसे बड़ी बढ़त दे दी। तीसरे गेम में 6-6 से बराबरी पर थी, मुझे कुछ अंक बनाने चाहिए थे लेकिन उसने बढ़त बनाना जारी रखा। वह अच्छी खिलाड़ी है। मैं बाली में उसके खिलाफ खेली थी, उसके स्ट्रोक्स भ्रमित कर देते हैं। मुझे शटल पर नियंत्रण रखना चाहिए था। उन्होंने कहा, इंडोनेशिया में उस समय मेरे स्मैश कार्नर या लाइन पर जा रहे थे लेकिन आज ए बाहर या कोर्ट के बीच में जा रहे थे और मैं उसे आक्रामक खेलने का मौका दे रही थी। आज का दिन मेरा नहीं था और वह अच्छा खेली। मुझे अपनी गलतियों पर काम करना होगा। युवा आकर्षि कश्यप के पास भी स्वर्णिम मौका था लेकिन महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में वह शुरूआती गेम में पांच गेम प्वाइंट गंवा बैठी जिससे थाईलैंड की बुसानन ओंगबाम्रुंगफान ने 26-24 21-9 से जीत हासिल की। तीसरे वरीय लक्ष्य रविवार को फाइनल में सिंगापुर के विश्व चैम्पियन लोह कीन यू से भिड़ेंगे जो पिछले साल डच ओपन फाइनल की तरह होगा। लोह को कनाडा के ब्रायन यांग के गले में खराश और सिरदर्द के बाद सेमीफाइनल से हटने के कारण वाकओवर दिया गया। लक्ष्य ने मैच के बाद कहा, अपने देश में अपना पहला सुपर 500 का फाइनल खेलना एक बेहतरीन अहसास है। शुरुआती गेम काफी करीबी था, मैंने कुछ गलतियां की जिसकी कीमत मुझे चुकानी पड़ी। मैं दूसरे और तीसरे गेम में संयम बनाए रहा और मुकाबला जीतने में कामयाब रहा। दोनों खिलाड़ी के बीच चार मुकाबलों में लक्ष्य ने दो मैच जीते है। पिछले साल डच ओपन के फाइनल में हालांकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोह ने बाजी मारी थी। उन्होंने कहा, हम दोनों अच्छा खेल रहे हैं, कल (रविवार को) यह एक अच्छा मैच होगा और मैं वास्तव में उसके खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं। पुरूष युगल में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की दुनिया की 10वें नंबर की जोड़ी ने फ्रांस के विलियम विलेगर और फैबियन डेलरू की जोड़ी को 21-10 21-18 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। चिराग और सात्विक का सामना अब रविवार को फाइनल में तीन बार के विश्व चैम्पियन मोहम्मद अहसन और हेंड्रा सेतियावान की इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा। अन्य नतीजों में हरिथा मनाजियिल हरिनारायण और एशना रॉय की भारतीय महिला युगल जोड़ी को थाईलैंड की बेनयापा ऐमसार्ड और नुनताकर्ण ऐमसार्ड की चौथी वरीय जोड़ी से 12-21 9-21 से पराजय मिली।

कोरोना के कारण दो और खिलाड़ी ने इंडिया ओपन से हटे, ब्रायन यंग भी बाहर

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण दो और खिलाड़ियो ने योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेट के मुख्य ड्रॉ से अपने मिश्रित युगल सेमीफाइनल मुकाबले से पहले नाम वापिस ले लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त रूसी मिश्रित युगल खिलाड़ी रोडियोन अलीमोव कोरोना संक्रमित पाए गए जिन्होने चार लाख डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेट से नाम वापिस ले लिया। उनकी मिश्रित युगल जोड़ीदार एलिना दावलेतोवा को भी करीबी संपर्क मे रहने के कारण नाम वापिस लेना पड़ा। इंडोनेशिया के योंग केइ टैरी ही और वेइ हान तान को वाकओवर मिल गया। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने एक बयान मे कहा , बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि मौजूदा ड्रॉ मे से एक खिलाड़ी पॉजिटिव पाया गया है जिसने योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2022 से नाम वापिस ले लिया। इसमे कहा गया , यह खिलाड़ी शुक्रवार को अनिवार्य आरटी पीसीआर जांच मे पॉजिटिव पाया गया। उसके करीबी संपर्क मे रहने वाली जोड़ीदार ने भी नाम वापिस ले लिया है। उनके प्रतिद्वंद्वियो को वाकओवर मिल गया। इस बीच विश्व चैम्पियन लो कीन यू भी पुरूष एकल फाइनल मे पहुंच गए क्योकि सेमीफाइनल मे उनके प्रतिद्वंद्वी ब्रायन यांग ने गले मे खराश और सिरदर्द के कारण नाम वापिस ले लिया।

जोकोविच फिर आव्रजन हिरासत में

● निर्वासन के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी

भाषा। मेलबर्न

कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण वीजा दूसरी बार रद्द होने के बाद दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फिर आव्रजन हिरासत में हैं जबकि वीजा रद्द होने के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई उच्च न्यायालय तीन जज के सामने होगी। फेडरल कोर्ट में मामले की सुनवाई रविवार को होगी जबकि सोमवार से साल का पहला ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियाई ओपन शुरू हो रहा है। पिछले चैम्पियन जोकोविच नौ बार आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीत चुके हैं। पुलिस ने उस इमारत के पीछे की लेन बंद कर दी है जहां जोकोविच के वकील ठहरे हैं। शनिवार को दोपहर के समय दो वाहन वहां से बाहर निकले। टीवी फुटेज में जोकोविच को पीछे की सीट पर मास्क पहने बैठे दिखाया जब वाहन आव्रजन हिरासत होटल के बाहर रूका। आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस ने बताया कि जोकोविच फिर हिरासत में हैं। उन्होंने पहले भी चार रातें इसी होटल में बिताई थीं। आव्रजन मंत्री एलेक्स हॉके ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने मंत्री के तौर पर अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करके सर्बिया के इस 34 वर्षीय खिलाड़ी का वीजा जनहित आधार पर रद्द कर दिया है। हॉके ने कहा कि उन्होंने जनहित को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य कारणों से यह फैसला लिया है। उन्होंने एक बयान में कहा , मौरिसन सरकार आस्ट्रेलियाई सीमाओं की कोरोना महामारी के इस दौर में रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध है। जोकोविच का वीजा दूसरी बार रद्द हुआ है। पिछले सप्ताह मेलबर्न पहुंचते ही आस्ट्रेलिया सीमा बल द्वारा उनका वीजा रद्द कर दिया गया था क्योंकि आस्ट्रेलिया के कड़े कोरोना टीकाकरण नियमों से मेडिकल छूट के लिए जरूरी मानदंडों पर वह खरे नहीं उतरते थे।

जोकोविच मामले पर नडाल समेत टेनिस खिलाड़ियों ने कहा, थक गए हैं इससे

मेलबर्न। बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रफेल नडाल सात महीने बाद पहला ग्रैंडस्लैम मैच खेलने जा रहे है और बाएं पैर की चोट के कारण पिछले सत्र के आखिरी हाफ मे एक ही टूर्नामेंट खेल पाए लिहाजा आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले प्रेस कांफ्रेंस मे उनसे पूछने के लिए बहुत कुछ था लेकिन सवाल हुए तो नोवाक जोकोविच को लेकर जिससे वह ही नही अधिकांश खिलाड़ी उकता गए है। कोरोना का टीका नही लगवाने के कारण दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच का वीजा दूसरी बार रद्द कर दिया गया है। नडाल से जब इस मसले पर पूछा गया तो उन्होने कहा , ईमानदार से कहूं तो मै इस स्थिति से आजिज आ चुका हूं। यह शब्द और हाव भाव इस समय नडाल के ही नही बल्कि अधिकांश टेनिस खिलाड़ियों के है। आस्ट्रेलियाई ओपन एक खिलाड़ी से ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह खेल रहा है तो अच्छी बात है लेकिन नही भी खेल रहा है तो यह बहुत बड़ा टूर्नामेंट है।वह खेले या नही खेले। स्पेन की दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन गार्बाइन मुगुरूजा ने कहा , इन हालात से बचा जा सकता था अगर टीका लगवा लिया होता। हम सभी ने लगवाया है।

फ्रेंच ओपन चैंपियन क्रेजीकोवा को हराकर बडोसा बनी सिडनी क्लासिक चैम्पियन

सिडनी। पाउला बडोसा ने सिडनी टेनिस क्लासिक के फाइनल मे फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्रेजीकोवा को हराकर शनिवार को यहां अपने करियर का तीसरा खिताब जीता। स्पेन की पांचवी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो घंटे 22 मिनट तक मुकाबले को 6-3, 4-6, 7-6 से अपने नाम किया। बडोसा ने अपनी मजबूत सर्विस का शानदार इस्तेमाल करते हुए 12 ऐसेस लगाए जिसमे छह पहले सेट मे आए थे। तीसरी वरीयता प्राप्त क्रेजीकोवा दूसरे सेट मे बडोसा की सर्विस को दो बार तोड़ने मे सफल रही। बडोसा को निर्णायक टाईब्रेकर को जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। एडीलेड इंटरनेशनल मे गैर-वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी एलिसन रिस्के को हराकर 2019 के बाद अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर एकल खिताब जीता। कीज ने महज 66 मिनट मे 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की।